सुविचार
तुम्हारी निंदा वही करेगा, जिसकी तुमने भलाई की है।
-रामधारी सिंह 'दिनकर'

Daily
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज़ Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 23 June 2025 ● Year : 03 ● Issue : 158 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Shreya Ghoshal Songs For...

SARAFA

सोना	:	9,415
चांदी	:	120.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अमृतसर में आईएसआई के दो जासूस अरेस्ट

CHANDIGARH : पंजाब पुलिस ने अमृतसर से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के दो जासूसों गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी और साहिल मसीह उर्फ शाली को गिरफ्तार किया है। पुलिस कई दिनों से इन पर नजर रखे हुए थी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी फौजी पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई के एजेंटों के सीधे संपर्क में था और वह पेन ड्राइव के जरिए गोपनीय और संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। इस मामले में मुख्य आईएसआई हैंडलर की पहचान राणा जावेद के रूप में हुई है। पकड़े गए दोनों आरोपित जावेद राणा को ही जानकारियां मुहैया करवाते थे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इनके पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल आईएसआई हैंडलरों से बातचीत के लिए किया जा रहा था। फिलहाल उनके फोन फोरेंसिक जांच और साइबर जांच के लिए भेजे गए हैं, ताकि उनमें से गोपनीय जानकारियां हासिल की जा सकें। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

तकनीकी खराबी के कारण इंडिगो की फ्लाइट रद्द

CHANDIGARH : रविवार को चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़ा हादसा होने से बच गया। यहां इंडिगो के विमान में खराबी होने के कारण अंतिम समय में चंडीगढ़ से लखनऊ जाने वाली फ्लाइट को रद्द कर दिया। तकनीकी खराबी के बारे में उस समय पता चला जब यात्री विमान में सवार हो चुके थे और विमान उड़ान भरने के लिए तैयार था। शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंडिगो की फ्लाइट 6ई 146 को टेक ऑफ से पहले रद्द कर दिया गया। हवाई अड्डा अधिकारियों के अनुसार यह फ्लाइट चंडीगढ़ से लखनऊ के लिए रवाना होने वाली थी। टेक ऑफ से पहले तकनीकी खराबी के चलते फ्लाइट को रोक दिया गया और इसे रद्द कर दिया गया। उड़ान से पहले पायलट ने फ्लाइट में किसी समस्या की पहचान की। एहतियातन सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया। विमान ने उड़ान नहीं भरी और उसे रनवे पर चढ? से पहले ही रोक दिया गया। इसके बाद यात्रियों को वैकल्पिक उड़ानों से भेजा गया और उन्हें विमान कंपनी की तरफ से टिकट का पूरी राशि भी लौटाई गई।

बीजापुर में मारे गए नक्सली की हुई पहचान

BIJAPUR : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में बीते दिनों नक्सलियों और सुरक्षा बलों में जबरदस्त मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान मारे गए नक्सली में एक पुरुष व महिला भी थीं। इसमें रविवार को पुरुष नक्सली की पहचान हो गई है। इसमें से एक पुरुष नक्सली की शिनाख्त महेश कोडियम निवासी ग्राम इरपागुट्टा थाना फरसेगढ़ के रूप में की गई है। वह नेशनल पार्क क्षेत्र का नक्सली संगठन का सदस्य था। इसके साथ ही महेश कोडियम ग्राम इरपागुट्टा के प्राथमिक विद्यालय में रसोई सहायक के रूप में कार्यरत था।

दोपहर बाद बदला मौसम का मूड और शुरू हो गई झमाझम बारिश

रांची, गोड्डा और जामताड़ा सहित कई जिलों में जमकर बरसा पानी, उमस वाली गर्मी से मिली राहत

रांची में 22 जून तक सबसे अधिक 412 एमएम बारिश की गई है रिकॉर्ड, दूसरे नंबर पर लातेहार जिला

PHOTON NEWS RANCHI : 17 जून को झारखंड में मानसून की एंट्री के बाद तीन दिनों तक जमकर बारिश हुई। फिर दो दिनों के विराम के बाद रविवार यानी 22 जून को राजधानी रांची सहित राज्य के कई इलाकों में दोपहर के बाद जमकर बारिश हुई। रविवार को सुबह से बादलों के बीच धूप निकली रही थी। उमस वाली गर्मी थी। इसी बीच दोपहर बाद मौसम में बदलाव हुआ। आसमान में बादल छा गए। इसके साथ ही झमाझम बारिश होने लगी। इससे तेज धूप और उमस से लोगों को राहत मिली। वहीं सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि बारिश ने इस बार रिकार्ड तोड़ दिया है। सामान्य तौर पर 22 जून तक 112.1 एमएम बारिश होनी चाहिए थी। लेकिन मौसम विभाग के जारी आंकड़ों पर नजर डाले तो 22 जून तक की अवधि में 231.2 एमएम बारिश हो चुकी है जो सामान्य से 106 परसेंट अधिक है।

24-25 जून को भी होगी वर्षा, चेतावनी जारी

रांची समेत 10 जिलों के लिए जारी किया गया ऑरेंज अलर्ट

रांची के अलावा संथाल परगना के गोड्डा और जामताड़ा सहित राज्य के कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। इस दौरान तेज गर्जन भी हुआ। रांची समेत 10 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। लोगों से सुरक्षित रहने की अपील की गई है। आईएमडी ने पाकुड़, साहिबगंज, बोकारो, देवघर, धनबाद, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, रामगढ़ और रांची के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 24 जून को हजारीबाग, रांची, रामगढ़, लोहरदगा, गुमला और खूंटी जिला में भारी बारिश की चेतावनी दी है। 25 को भी रांची सहित रामगढ़, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, सरायकेला-खरसावां, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और पूर्वी सिंहभूम में भारी बारिश की संभावना जताई है।

राजधानी में सामान्य से 291 प्रतिशत अधिक वर्षा

विभाग के अनुसार, राजधानी रांची में सामान्य से 291 प्रतिशत अधिक, सरायकेला-खरसावां में सामान्य से 216 प्रतिशत अधिक, लोहरदगा में 261, खूंटी में 133, गुमल में 145, चतरा में 118, पूर्वी सिंहभूम में 106, पलामू में 231, रामगढ़ में 190, पश्चिमी सिंहभूम में 133, सिमडेगा में 154 मिमी अधिक बारिश दर्ज की गई। वहीं इस दौरान झारखंड में औसत सामान्य से 126 प्रतिशत अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश हजारीबाग के बड़कागांव में 85 मिमी रिकॉर्ड की गई। इधर, मौसम विभाग के पूवानुर्मान के अनुसार, 24 जून तक पूरे झारखंड में झमाझम बारिश होने वाली है।

फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर बरसाए गए बम, दावा- अहम न्यूक्लियर साइट्स पूरी तरह से कर दी गई तबाह

अमेरिका का ईरान के 3 एटमी केंद्रों पर अटैक

जंग का 10वां दिन

हमले के बाद ट्रंप ने कहा- अगर अब भी ईरान शांति कायम नहीं करता है, तो होंगे और बड़े हमले

जवाबी कार्रवाई में ईरान ने इजरायल पर 35 मिसाइलों से एक साथ कई शहरों पर किया हमला

NEW DELHI @ PTI : भारतीय समय के अनुसार, रविवार को सुबह 4:30 बजे अमेरिका ने ईरान के तीन तीन परमाणु केंद्रों पर बमों से हमला कर दिया। ये केंद्र हैं- फोर्डो, नतांज और इस्फहान। हमले के 3 घंटे बाद देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। दूसरी ओर अमेरिका के अटैक के जवाब में ईरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागी। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उन्होंने इजरायल पर सबसे बड़ा अटैक किया है और 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया है। टाइम्स ऑफ इजराइल टाइम्स के मुताबिक, हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री और रिहाइशी ठिकानों पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। इजरायल में अब तक 86 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। ईरान के सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि ईरान ने पहली बार अपनी सबसे एडवांस मिसाइल खैबर को इजरायल पर दागा है। खैबर का दूसरा नाम खोर्रमशहर-4 भी है। इधर, ईरान पर अमेरिका के हमले के बाद न्यूयॉर्क और वॉशिंगटन डीसी समेत अमेरिका के कई बड़े शहरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अमेरिका ने 125 से ज्यादा जेट्स का किया इस्तेमाल

अमेरिका में जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ चीफ जनरल डैन केन ने कहा कि ईरान में चले ऑपरेशन का नाम 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' था। इसमें 125 से ज्यादा विमान शामिल थे। इसमें 7 स्टील्थ बी-2 बॉम्बर्स शामिल हुए। बी-2 बॉम्बर्स ने इन विमानों ने ईरान की फोर्डो और नतांज परमाणु साइटों पर करीब 1400 किलो के भारी बम गिराए। वहीं, इस्फहान पर टॉमहॉक मिसाइलें दागी गईं। जनरल केन ने बताया कि इस मिशन में धोखे की रणनीति भी अपनाई गई। कुछ बमवर्षक विमानों को प्रशांत महासागर की ओर भेजा गया, ताकि ईरान को लगे कि हमला उधर से होगा, जबकि असली हमला दूसरी दिशा से किया गया। यह मिशन मिसौरी से शुरू हुआ और 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद से सबसे लंबा बी-2 मिशन था।

पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से की बात

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से बात की है। इसकी जानकारी पीएम ने 'एक्स' पर दी। पीएम ने लिखा मैंने ईरान के राष्ट्रपति से बात की। हमने मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की और तनाव बढ़ने को लेकर गहरी चिंता जताई। मैंने तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की अपील की और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली की जरूरत पर जोर दिया।

हमले से पहले यूरेनियम दूसरी जगह शिफ्ट

ईरान ने अमेरिकी हमले से पहले ही फोर्डो न्यूक्लियर फैसिलिटी में मौजूद ज्यादातर यूरेनियम को किसी और जगह पर शिफ्ट कर दिया था। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। ईरान सरकार ने इजरायल के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए यह कदम उठाया। हालांकि, स्रोत ने यह नहीं बताया कि यूरेनियम को कहां ले जाया गया है।

ईरान में 13 जून से अब तक 657 व इजरायल में 24 मौतें

इजरायल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का रविवार को 10वां दिन था। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान में 13 जून से अब तक 657 लोगों की मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। हालांकि, ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिर्फ 430 नागरिक के मारे जाने और 3500 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है।

खुलासा : आतंकियों को पनाह देने वाले 2 गिरफ्तार, आरोपियों ने बताया

पाक नागरिक थे पहलगाम हमले में शामिल आतंकी

AGENCY SRINAGAR : पहलगाम आतंकी हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े हुए थे। एनआईए के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थी।

प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे आतंकवादी

अटैक में 26 पर्यटकों की चली गई थी जान

22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी और 16 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुनकर निशाना बनाया था। घटना पहलगाम शहर से 6 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में हुई थी। हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे। 24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 स्केच जारी किए। इसमें तीन आतंकियों के नाम थे, अनंतनाग का आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई। मूसा और अली पाकिस्तानी हैं। मूसा पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप में कमांडो रह चुका है।

डीजीसीए ने एयर इंडिया को दी चेतावनी, कहा- कैंसिल कर देंगे लाइसेंस

NEW DELHI : डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एयर इंडिया को गंभीर चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर फ्लाइट ऑपरेशन में गड़बड़ियां जारी रहीं, तो एयरलाइन का लाइसेंस सस्पेंड किया जा सकता है या वापस भी लिया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम पायलट ड्यूटी शेड्यूलिंग और निगरानी में लगातार और गंभीर उल्लंघनों के कारण उठाया गया है। इससे पहले शनिवार को डीजीसीए के आदेश पर एयर इंडिया को 3 अफसरों को हटाया था। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग करने वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल हैं। तीनों अफसरों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई। डीजीसीए ने एयर इंडिया को तत्काल प्रभाव से इन्हें क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़े रोल से हटाने का आदेश दिया। यह फैसला अहमदाबाद में 12 जून को हुए प्लेन क्रैश हादसे के बाद लिया गया। लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। प्लेन मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से टकराया था, जिससे यात्रियों समेत कुल 275 लोग मारे गए थे। डीजीसीए ने देश की पूरी एविएशन प्रणाली की 360 डिग्री स्कैनिंग का फैसला किया है। अब एक विशेष कॉम्प्रिहेंसिव स्पेशल ऑडिट होगा।

हाई स्पीड कार ने रांची के नामकुम में तीन लोगों की छीन ली जिंदगी

- मृतकों में सिविल कोर्ट के पेशकार व धनबाद के एक शिक्षक शामिल कार चालक की भी मौत
- एक पैदल चलते व्यक्ति और स्कूटी को धक्का मारने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई कार
- हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस, घायलों को पहुंचाया अस्पताल
- इलाज के दौरान सभी घायलों की हुई मौत

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार की देर रात में राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में पुल के पास एक हाई स्पीड कार ने तीन लोगों की जान ले ली। जिन तीन लोगों की मौत हुई है, उनमें रांची सिविल कोर्ट के पेशकार भी शामिल हैं। हादसे में रांची सिविल कोर्ट के पेशकार प्रवीर हांसदा, विकास केंद्र धनबाद के शिक्षक सोम सिन्हा और कार चालक की मौत हो गई है। नामकुम थाना प्रभारी के अनुसार, तेज रफ्तार कार ने एक स्कूटी सवार और एक पैदल चल रहे व्यक्ति को कुचल दिया और फिर खुद भी अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार हो गई। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान तीनों की मौत हो गई। हादसे में धनबाद के शिक्षक की इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो गई। कार चालक की प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के विषय में सोम सिन्हा के परिजनों ने बताया कि रात में 10 बजकर 12 मिनट पर सोम सिन्हा से बात हुई थी। वो पैदल ही घर लौट रहे थे। परिजनों ने बताया कि जब काफी देर तक सोम घर नहीं पहुंचे तो वो उनकी खोजबीन के लिए निकले, लेकिन वो कही नजर नहीं आए। हालांकि उनकी नजर एक सड़क हादसे पर भी पड़ी, लेकिन वो आगे बढ़ गए।

करारा वार किसी भी स्तर के वैचारिक समर्थन पर किया डायरेक्ट प्रहार

मोदी सरकार की तिहरी रणनीति ने तोड़ दी नक्सलियों की कमर

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलवाड़ी गांव से हुई थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चारु मजूमदार और कानू सान्याल ने 1967 में तत्कालीन सत्ता के खिलाफ एक सशस्त्र आंदोलन शुरू किया था। कहा जाता है कि चारु मजूमदार चीन के कम्युनिस्ट नेता माओत्से तुंग के बड़े प्रशसंक थे। इसी कारण नक्सलवाद को 'माओवाद' भी कहा जाता है। अपने जन्म काल से लेकर उसके बाद दशकों तक भारत में नक्सलवाद का प्रभाव व्यापक और विनाशकारी रहा है, जिससे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में गंभीर समस्याएं पैदा हुईं। देश और समाज विरोधी सभी ताकतों के खिलाफ केंद्र की मोदी सरकार ने कड़ाई से निपटने का दृढ़ संकल्प लिया और इसके अनुसार कार्रवाई शुरू की। इसका परिणाम है कि आज नक्सलियों की कमर लगभग टूट चुकी है। ऐसा केंद्र सरकार की तिहरी रणनीति के फलस्वरूप संभव हो सका है। हम जानते हैं कि नक्सलवाद ने समाज में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा किया है, जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

1967 में प. बंगाल में सत्ता के खिलाफ नक्सलियों ने शुरू किया था सशस्त्र आंदोलन

कई दशकों तक सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक दृष्टि से फैलाई गई अराजकता

- केंद्र की सरकारों ने अपने-अपने तरीके से नक्सलवाद के खिलाफ लड़ी लड़ाई
- 11 साल पहले नक्सल समस्या की गिरफ्त में थे 6 से ज्यादा राज्य व 125 से अधिक जिले

शहरी क्षेत्रों में हुई अहम गिरफ्तारियां समानांतर सरकार का नेटवर्क ध्वस्त

- 2019 के बाद अब महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों तक सीमित हो गई समस्या
- 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने दृढ़ इच्छा शक्ति से नक्सलवाद को पहुंचाया खात्मे के करीब

गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका महत्वपूर्ण

करीब 11 साल पहले छह से अधिक राज्य और 125 से अधिक जिले नक्सल समस्या की गिरफ्त में थे। साल 2019 में केंद्र सरकार की नक्सलियों के खिलाफ अपनाई गई तिहरी रणनीति के बाद अब यह समस्या महाराष्ट्र के एक जिले गढ़चिरौली और छत्तीसगढ़ के तीन जिलों तक सीमित रह गई है। केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ने बार-बार यह संकल्प दोहराया है कि अगले साल तक देश पूरी तरह नक्सल मुक्त हो जाएगा।

BRIEF NEWS

पुरुषों के वेश में शिकार पर निकलीं महिलाएं

LOHARDAGA : लोहरदगा जिला में कई गांवों की महिलाओं की ओर से रविवार को जनी शिकार किया गया। इस दौरान पारंपरिक रीति रिवाजों के साथ पहान पुजार की ओर से विधिवत पूजा कर कार्यक्रम की शुभारंभ किया गया। हाथ में लाठी डंडे और पारंपरिक हथियार के साथ महिलाएं पुरुषों के वेशभूषा में विभिन्न गांव घूमकर शिकार किया गया। फिर एक जगह एकत्रित होकर भोजन बनाकर उसे खाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में 12 वर्ष बाद महिलाएं जनी शिकार को निकलीं थीं। इससे पूर्व प्रत्येक घर में इसको लेकर जमकर तैयारियां की गई थीं। सभी घरों में महिलाओं से लेकर बच्चे,जवान, बुजुर्ग सभी उत्साह में थे। महिलाओं को जनी शिकार पर भेजने में पुरुष भी पीछे नहीं थे। वे उनकी तैयारियां पूरी कराने में लगे थे। रविवार को पुनः जनी शिकार का शुभारंभ किया गया। क्षेत्र के सैकड़ों महिलाएं पुरुषों की वेशभूषा में पारंपरिक हथियार के साथ शिकार के लिए गांव भ्रमण की गई।

'त्वरित प्रश्नोत्तरी के साथ तुलसी जयंती समारोह प्रारंभ

JAMSHEDPUR : प्रत्येक वर्ष की भांति सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन-तुलसी भवन संस्थान द्वारा डेढ माह तक चलने वाला तुलसी जयंती समारोह रविवार को त्वरित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ प्रारंभ हो गया। कक्षा 6 से 12 तक के छात्र- छात्राओं के लिए हुई प्रतियोगिता में नगर के 21 विद्यालयों से कुल 84 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें प्रथम-एआईडब्ल्यूसी एकेडमी ऑफ एक्सीलेंस व डीएवी पब्लिक स्कूल, बिष्टुपुर, द्वितीय-श्रीकृष्ण पब्लिक स्कूल, बिष्टुपुर और तृतीय-केरला पब्लिक स्कूल, बमार्माइंस रहे, जबकि प्रोत्साहन पुरस्कार जुस्को स्कूल, साउथ पार्क व सोनारी स्थित भारत सेवाश्रम संघ के प्रणव चिल्ड्रेन वर्ल्ड को दिया जाएगा। कार्यक्रम के आरंभ में संस्थान के मानद महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी ने स्वागत संबोधन में पूरे कार्यक्रम की जानकारी दी। तत्पश्चात संस्थान के न्यासी अरुण कुमार तिवारी, अध्यक्ष सुभाषचंद्र मूनका, उपाध्यक्ष रामनंदन प्रसाद, महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी, कोषाध्यक्ष विमल जालान, कार्यकारिणी के प्रसन्नवदन मेहता, साहित्य समिति की मार्गदर्शक डॉ. रागिनी भूषण, नीलिमा पांडेय, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. यमुना तिवारी व्यथित व सचिव डॉ. अजय कुमार ओझा ने संयुक्त रूप से गोस्वामी तुलसीदास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह आज आएंगे शहर

JAMSHEDPUR : केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह सोमवार को शहर आ रहे हैं। वे यहां नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस आयोजन में ओडिशा के पूर्व राज्यपाल और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास भी मौजूद रहेंगे। इनके साथ ओडिशा की शैक्षणिक सलाहकार प्रो. डॉ. शुक्ला मोहंती भी मंचस्थ रहेंगी। इस बार करीब 1700 छात्रों को स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री दी जाएगी। इनमें से 120 मेधावी छात्रों को स्वर्ण और रजत पदक से सम्मानित किया जाएगा। ऑल इंडिया 50,714 रैंक तक के मात्र 54 छात्रों ने झारखंड में आवेदन किया है। 50 हजार से एक लाख तक के बीच 437 आवेदक तथा एक लाख रैंक से लेकर पांच लाख रैंक के बीच 3090 छात्र-छात्राएं हैं।

धनबाद के स्टेशन बस स्टैंड से 28 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

ओडिशा के अनुगुल से दो सूटकेस में मादक पदार्थ लेकर पहुंचे थे दोनों

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद पुलिस ने जिले में गांजा तस्करी की बड़ी खेप पकड़ी है। बिहार के नालंदा जिला निवासी दो लोगों को 28 किलो गांजा के साथ रेलवे स्टेशन के बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है। इनके पास से बरामद गांजा की कीमत करीब 4.20 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके आठ दिन पहले भी धनबाद थाना की पुलिस ने दो किलो गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।

बताया जाता है कि धनबाद के थाना प्रभारी आरएन ठाकुर को शनिवार की देर शाम धनबाद स्टेशन पर गांजा तस्करी की सूचना मिली थी। इसी सूचना पर ठाकुर ने एएसपी धनबाद के निर्देश पर अपने थाने की पुलिस के साथ राजकीय रेल पुलिस धनबाद और रेलवे सुरक्षा बल के साथ एक छापामारी दल का गठन किया। इसके बाद सभी टीमों ने स्टेशन परिसर और उसके बाहर स्थित बस स्टैंड में तलाशी शुरू कर दी। इसी क्रम में बस स्टैंड के पास दो युवकों की गतिविधियां संदिग्ध मिलीं। इन दोनों के पास सफारी कंपनी का दो बाद सूटकेस था। इसकी तलाशी लेने पर इसमें एक-एक किलो का 28 पैकेट गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने इन दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में इन दोनों ने अपना नाम सावन कुमार (26) और शंभू पासवान (25) बताया। ये दोनों बिहार के नालंदा जिला के ओन्दा गांव के रहने वाले हैं।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

अनुगुल से लेकर आ रहे थे गांजा

धनबाद पुलिस ने इस मामले का खुलासा रविवार को किया। धनबाद थाना में सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि ये दोनों ओडिशा के अनुगुल या आंगुल से गांजा लेकर भुनेश्वर-धनबाद स्पेशल ट्रेन से यहां पहुंचे थे और रात करीब 10 बजे गंगा-सतलुज एक्सप्रेस से इन्हें वाराणसी जाना था। श्रीवास्तव ने बताया कि पूछताछ के क्रम में यह भी जानकारी मिली है कि इनके साथ पांच अन्य लोग भी गांजा सप्लाई का काम करते हैं। इनमें से दो लोग गिरफ्तार आरोपितों के गांव के हैं, जबकि अन्य तीन माल रिसीवर और डिलीवर हैं। इनके पुराने आपराधिक इतिहास को जानने का भी प्रयास पुलिस कर रही है। छापामारी में ठाकुर के अलावा, सुजीत कुमार सिंह, ललित रंजन भगत, सशस्त्र बल के अलावा धनबाद रेल की जीआरपी और आरपीएफ की टीम शामिल थी।

अर्पण परिवार के रक्तदान शिविर में 1018 यूनिट रक्त संग्रहित

JAMSHEDPUR : संस्था अर्पण परिवार ने रविवार को धतकीडीह स्थित जमशेदपुर ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें 1018 यूनिट रक्त संग्रह हुआ। शिविर का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सांसद बिद्युत बरण महतो, टाटा स्टील के वीपी डीबी सुंदर रामम, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त उपेंद्र प्रताप सिंह व विधायक मंगल कालिंदी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के मुख्य संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले ने की, जबकि रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाने वालों में इंटक नेता राकेश्वर पांडेय, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष कल्याणी शरण, उद्यमी रूपेश कतरियार, जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा सहित कई गणमान्य शामिल थे।

घर से दूध लेने निकले दो मौसेरे भाइयों की तालाब से शव बरामद

PALAMU : घर से दूध लेने निकले दो मौसेरे भाइयों की रविवार सुबह तालाब से शव बरामद हुआ। नहाने के क्रम में डूबने से उनकी मौत हुई। दोनों शनिवार शाम से लापता थे। उनकी खोजबीन की जा रही थी। उनकी पहचान मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के रांची रोड रेड़मा दशगात्र मंडप के पास रहने वाले आनंद दुबे का पुत्र अर्पित दुबे (6)और उसके मौसेरे भाई बेलवाटिका गुरुद्वारा के पीछे रहने वाले आरो दुबे(8), पिता अनुराग दुबे के रूप में हुई है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल बना हुआ है। शव का पोस्टमार्टम सुबह 8 बजे एमएमसीएच में किया गया। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम अर्पित और आरोप घर से दूध लेने के लिए निकले थे। लेकिन वापस नहीं लौटे। परिजन उनकी खोजबीन में जुटे हुए थे। इसी क्रम में घर के समीप तालाब से उनकी शव मिला । संभावना है कि दूध लेने जाने के क्रम में दोनों भाई नहाने के लिए तालाब में उतर गए होंगे, जहां डूबने से उनकी मौत हो गई।

शव मिलने की सूचना पाते ही शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

जमशेदपुर में युवक की संदिग्ध स्थिति में डूबकर हुई मौत

JAMSHEDPUR : एमजीएम थाना क्षेत्र के तुरियाबेड़ा में रविवार सुबह एक युवक का शव तालाब से बरामद हुआ। मृतक की पहचान रोहित लामाय (18) के रूप में हुई है, जो तुरियाबेड़ा का ही रहने वाला था। रोहित शनिवार सुबह घर से निकला था लेकिन देर रात तक वह वापस नहीं लौटा। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने तालाब में एक शव को तैरते देखा, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को तालाब से बाहर निकाला और जांच पड़ताल कर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया। मृतक के चचेरे भाई कार्तिक लामाय ने बताया कि रोहित के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है और वह उसके साथ ही रहता था। कार्तिक ने यह भी बताया कि तालाब में पानी बहुत कम था, ऐसे में रोहित का डूबना संदिग्ध प्रतीत होता है। साथ ही उसके सिर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं। पुलिस ने फिलहाल मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लेवी वसूलने छतरपुर आया टीएसपीसी उग्रवादी गिरफ्तार, मुठभेड़ में भागा था

AGENCY PALAMU : उग्रवादी संगठन तृतीय प्रस्तुति सम्मेलन कमेटी (टीएसपीसी) के सक्रिय सदस्य शंभु सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शंभू छतरपुर इलाके में लेवी वसूलने पहुंचा था। पूछताछ में सामने आया है कि विधानसभा चुनाव के दौरान पुलिस और नक्सली संगठन टीएसपीसी के बीच हुई मुठभेड़ में वह शामिल था। जोनल कमांडर शशिकांत के दस्ते में शामिल था।

रविवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। छतरपुर के डीएसपी अवध कुमार यादव ने बताया कि गिरफ्तार नक्सली शंभु सिंह के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

उसका आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध मनातू थाना 17 सीएलए आर्म्स एक्ट के तहत 17 मई 25 को मामला दर्ज है। नौडीहा बाजार थाना में 20 मई 24 को नक्सली गतिविधि और आर्म्स एक्ट के तहत के तहत मामला दर्ज है, जबकि विश्रामपुर, रेहला और छतरपुर थाने में एक एक मामला 17 सीएलए और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है जिसमें पुलिस को उसकी तलाश थी। इस अभियान में थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, सब इंस्पेक्टर सुशील उरांव,अनिल रजक,तकनीकी शाखा के रामनारायण विश्वकर्मा के अलावे छतरपुर थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

डीएसपी ने बताया कि 24 अक्टूबर 2024 को विधानसभा चुनाव के समय टीएसपीसी के जोनल कमांडर शशिकांत गंझू अपने दस्ते के साथ छतरपुर थाना क्षेत्र के तुरीदाग के जंगल में था। इस दौरान पुलिस से उसकी मुठभेड़ हुई थी।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते डीएसपी अवध कुमार यादव

कटकमसांडी में राज्य खाद्य निगम के गोदाम में मिली गड़बड़ी, शोकॉज

PHOTON NEWS HAZARIBAG : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने रविवार को कटकमसांडी प्रखंड स्थित झारखंड राज्य खाद्य निगम (जेएसएफसी) के गोदाम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खाद्यान्न के भंडारण, वितरण, रख-रखाव एवं सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत जांच की। निरीक्षण के दौरान खाद्यान्न के सुरक्षित रख रखाव के प्रयोग में लाए जाने वाले रसायन (केमिकल) एवं खाद्यान्न के स्टॉक के लिए संधारित किए जाने वाले रजिस्टर के अद्यतन न होने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने इस लापरवाही पर उपस्थित एमओ और एजीएम को शोकॉज करते हुए 24 घंटे के अंदर खाद्यान्न के रखरखाव, रसायन (कीटनाशक) की उपलब्धता, पंजी का संधारण, गोदाम में स्टॉक रजिस्टर, इनवेंट्री विवरण, गुणवत्ता मानकों, फायर फाइटिंग सिस्टम (आग बुझाने का यंत्र) तथा स्वच्छता व्यवस्था में सुधार लाने की सख्त चेतावनी दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गोदाम में खाद्यान्न की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए एवं वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बरती जाए। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि सभी प्रक्रियाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप होनी चाहिए, ताकि अंत्योदय और प्राथमिकता श्रेणी के लाभुकों तक समय पर उचित मात्रा में खाद्यान्न पहुंच सके। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि कहीं भी अनियमितता पाई जाती है, तो उस पर त्वरित विभागीय कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के क्रम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुधीर कुमार भी मौजूद थे।

गोदाम का निरीक्षण करते उपायुक्त शशि प्रसाद सिंह ● फोटोन न्यूज

जेईई मेन के टॉपर्स ने झारखंड के कॉलेजों से किया किनारा

JAMSHEDPUR : झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद ने राज्य के सरकारी और प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए स्टेट मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। यह लिस्ट जेईई मेन के स्कोर के आधार पर तैयार की गई है। इसमें राज्य भर के 6357 छात्र-छात्राओं को जगह मिली है। लिस्ट में सबसे ऊपर उस छात्र का नाम है, जिसकी जेईई मेन में सीआरएल रैंक 941 है। वहीं, अंतिम नाम 14, 73, 798 रैंक वाले छात्र का है। जेईई मेन के टॉप रैंक वाले छात्रों ने झारखंड के इंजीनियरिंग कॉलेजों में रुचि नहीं दिखाई है। टॉप-10 में हजार रैंक के अंदर आने वाले केवल छह छात्रों ने ही जेसीईसीईबी में आवेदन किया है। स्टेट मेरिट लिस्ट के टॉप 50 आवेदकों में से 44 की रैंक 17264 से 48666 के बीच है। शुरूआती छह आवेदकों की रैंक 8675 तक है। जानकारों का कहना है कि टॉप छह आवेदकों में शामिल 941, 4820, 5517, 5735, 7733 और 8675 रैंक वाले छात्र शायद ही झारखंड में रुकें। इनका आईआईटी या एनआईटी में नामांकन तय माना जा रहा है।

दुमका में बाबूलाल मरांडी से मिले पूर्व सीएम रघुवर दास

AGENCY DUMKA : पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के बीच संथाल परगना दौरे के दौरान दुमका परिसदन भवन में रविवार को मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों नेताओ ने पार्टी संगठन और राज्य की राजनीति से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा किया। विशेष रूप से संताल परगना के उन मुद्दों पर चर्चा हुई जिसके आधार पर भाजपा इस इलाके में जनता के बीच पहुंच रही है। रघुवर-बाबूलाल मुलाकात के दौरान संताल परगना में भाजपा संगठन को मजबूत करने और पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए किए जाने वाले कार्यक्रमों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ है। इस बीच पार्टी कार्यकताओं से संगठन मजबूत करने पर चर्चा हुई। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास दो दिनों से संताल परगना के प्रवास पर हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी रविवार को सुबह इंटरसिटी ट्रेन से दुमका पहुंचे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास 21 जून को पाकुड़ के लिट्टीपाड़ा में एक आदिवासी संगठन की ओर से आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में शामिल हुए थे। रविवार को रघुवर दास साहिबगंज के भोगनाडीह में अमर शहीद सिदो कान्हू मुर्मू के वंशजों से भेंट करेंगे और बरहेट में जन चौपाल कार्यक्रम में जनता से सीधा संवाद करेंगे। उल्लेखनीय है कि गत लोकसभा और विधान सभा चुनावों में संताल परगना में भाजपा का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। लोकसभा में भाजपा को पहले से जीती हुई दुमका सीट भी गवां देनी पड़ी थी। वहीं विधानसभा चुनाव में सभी चार सिटिंग सीटों सहित 18 में 17 सीटों पर भाजपा (एनडीए) को हार का सामना करना पड़ा था।

परिसदन में बैठे रघुवर दास व बाबूलाल मरांडी ● फोटोन न्यूज

कल जमशेदपुर के प्रदर्शन में शामिल होंगे पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर

JAMSHEDPUR : भाजपा, जमशेदपुर महानगर राज्य की ज्वलंत समस्याओं को लेकर मंगलवार को विरोध प्रदर्शन करेगी। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास भी शामिल रहेंगे। भाजपा ने 24 जून को पूरे राज्य के प्रखंड कार्यालयों पर प्रदर्शन की घोषणा की है। इस निमित्त, जमशेदपुर महानगर में आक्रोश-प्रदर्शन की सफलता और तैयारी को लेकर भाजपा जमशेदपुर महानगर की बैठक रविवार को साकची स्थित जिला कार्यालय में हुई। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भाजपा जिला पदाधिकारी, मोर्चा जिलाध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान जमशेदपुर महानगर अंतर्गत चारों प्रखंड मुख्यालयों पर आक्रोश-प्रदर्शन की सफलता के निमित्त विभिन्न पहलुओं को लेकर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

गुमला जिले के रायडीह प्रखंड अंतर्गत सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बालिका छात्रावास का हुआ लोकार्पण

शिक्षा वही जो संस्कार दे व संस्कार वही जो समाज को दिशा दे : गवर्नर

PHOTON NEWS GUMLA : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि शिक्षा और संस्कार के समन्वय से ही समाज का सशक्त निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा वही जो संस्कार दे और संस्कार वही जो समाज को दिशा दे। यह छात्रावास उसी विचार का मूर्त रूप है। उन्होंने कहा कि यह परिसर केवल आवासीय सुविधा न होकर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र सेवा का केंद्र बने। राज्यपाल रविवार को गुमला जिले के रायडीह प्रखंड अंतर्गत बिन्देश्वरी लाल साहू सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, भलमण्डा में बालिका छात्रावास का लोकार्पण करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण 'बेटी पढ़ेगी, तभी देश बढ़ेगा' का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड में अधिकाधिक संख्या में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना जनजातीय प्रतिभाओं को शिक्षा और अवसर देने की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने हाल ही में श्रीहरि वनवासी कल्याण केन्द्र से सम्बद्ध वनवासी विकास समिति के एक कार्यक्रम में भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज और सेवा संस्थाएं मिलकर झारखंड के वनवासी अंचलों में शिक्षा, संस्कार और परिवर्तनों की आधारशिला रख रही हैं। सुमन रमेश तुलस्यानी ट्रस्ट, मुम्बई की ओर से बच्चों के लिए दो बसें प्रदान की गईं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है। उन्होंने मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरिटेबल ट्रस्ट सूरत, गुजरात के केशुभाई को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य (236 सरस्वतीधाम की स्थापना) के लिए अत्यंत बधाई दी। इससे पूर्व राज्यपाल ने सर्वप्रथम परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद वीर लांसनायक अल्बर्ट एक्का के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि विद्या विकास समिति की ओर से सैकड़ों विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं, यह संगठन वर्षों से झारखंड के दूरस्थ ग्रामों एवं जनजातीय अंचलों में शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक चेतना के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत, गुजरात ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित 236वां सरस्वतीधाम (बालिका छात्रावास) के लोकार्पण के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि यहां आरम्भ यह छात्रावास केवल एक भवन नहीं, बल्कि ग्रामीण एवं जनजातीय अंचल की बालिकाओं के स्वावलंबन, आत्मबल और उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। उन्होंने इस छात्रावास के निर्माण में सहयोग प्रदान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित होकर शिक्षा के लिए प्रयास करता है, तब परिवर्तन की दिशा सुनिश्चित होती है। उन्होंने उल्लेख करते हुए कि हाल ही में उन्हें विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा नगड़ी, कुदलुंग में आयोजित जनजातीय प्रवासी कार्यकर्ता प्रशिक्षण समापन समारोह में भाग लेने का अवसर मिला, जहां उन्होंने समिति की कार्यपद्धति और प्रतिबद्धता को निकट से देखा और अनुभव किया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार, विद्या विकास समिति के सदस्यों, समाजसेवियों, शिक्षकों, अभिभावकों, ग्रामिणों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल संतोष गंगवार ● फोटोन न्यूज

शूटिंग के दौरान राज्यपाल को जानकारी देते फिल्मकार संजय शर्मा ● फोटोन न्यूज

राज्यपाल ने देखी फिल्म 'सहिया' की शूटिंग

NETARHAT : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को लातेहार जिले के नेतरहाट स्थित लोअर घाघरी क्षेत्र में चल रही हिंदी फीचर फिल्म सहिया की शूटिंग स्थल का अवलोकन किया। फिल्म के सेट पर पहुंचकर राज्यपाल ने फिल्म निर्माण से जुड़ी पूरी टीम से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि यह क्षेत्र प्रकृति की अनुपम देन है, जहां घाटियां, जलप्रपात और हरियाली एक अद्भुत सिनेमाई पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र न केवल पर्यटन के लिए, बल्कि फिल्म निर्माण के लिए भी अपार संभावनाओं से भरा है। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण हेतु अधिक से अधिक निमार्ता-निर्देशक झारखंड आएं। विदित हो कि फिल्म सहिया के निमार्ता संजय शर्मा हैं। फिल्म में मुख्य भूमिका युवा अभिनेता शांतनु महेश्वरी, वरिष्ठ कलाकार नीरज काबी, रमन गुप्ता और अभिनेत्री रिंकू राजू शामिल हैं। राज्यपाल को फिल्म की विषयवस्तु, लोकेशन चयन, तकनीकी पक्ष तथा स्थानीय कलाकारों की भागीदारी के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि फिल्म में झारखंड के स्थानीय कलाकारों एवं तकनीशियनों को भी अवसर दिया जा रहा है। यह राज्य की प्रतिभा के लिए एक प्रेरणादायक अवसर है। राज्यपाल ने फिल्म निर्माण दल का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि झारखंड की प्राकृतिक संपदा, संस्कृति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण फिल्म उद्योग को नई दिशा प्रदान करने में सक्षम है। आशा है कि झारखंड आने वाले वर्षों में एक प्रमुख फिल्म शूटिंग स्थल के रूप में उभरेगा। नेतरहाट पहुंचने पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने स्वागत किया तथा इस क्षेत्र की विशेषताओं से अवगत कराया।

राजधानी में एक घंटे की बारिश में ही जलमग्न हो गए कई इलाके

- पॉश कॉलोनी के घरों में भी घुसा पानी
- नालियों की सफाई के दावे फेल ओवरफ्लो के कारण बढ़ी परेशानी
- रोड और पार्किंग में खड़ी गाड़ियां डूबीं घरों के सामान भी भीगे

PHOTON NEWS RANCHI : मानसून की बारिश राजधानी के लिए इस बार भारी परेशानी लेकर आउ है। रविवार को एक घंटे की बारिश में ही रांची के कई इलाके एक बार फिर जलमग्न हो गए। घरों में पानी घुस जाने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ जगहों पर कार पूरी तरह से डूब गए। इसके अलावा कुछ इलाकों में तो नाले का पानी रोड पर बहता नजर आया।

रोड-तालाब सब हो गए बराबर

बड़ा तालाब वाले एरिया में तालाब और रोड एक बराबर दिख रहे थे। कहीं भी न तो रोड का पता चल रहा था और न ही नाले का। ऐसे

में लोग जान जोखिम में डालकर सड़कों पर चलते नजर आए। दुकानों में भी पानी भर गया। जिन घरों में पानी भर गया, वहां पर लोग परेशान दिखे कि अब रात कैसे गुजरेगी। कर्बला चौक, पीपी कंपाउंड, हरमू के कई इलाके, अशोक विहार एक्सटेंशन में भी कई घर जलमग्न हो गए।

पहली बारिश में डूबा था शहर

पहली ही बारिश में 19 जून को राजधानी रांची पूरी तरह जलमग्न हो गई थी। कई इलाके डूब गए थे। इसे लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया था। इसके बाद रांची नगर निगम के साथ-साथ जिला प्रशासन अधिकारी भी एक्टिव मोड में नजर आए। नालों की सफाई को लेकर अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। कंट्रोल रूम को एक्टिव रखने के साथ ही टोल फ्री नंबर भी जारी किया गया। टीम को भी एक्टिव रखा गया। इसके बावजूद कई इलाके जलमग्न हो गए। हालांकि इस मामले में सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की ने बताया कि हमारी पूरी तैयारी है। कुछ समस्याएं हैं, जिन्हें दूर करने का हम प्रयास कर रहे हैं। जहां तक जल जमाव की समस्या है, तो टीम लगी हुई है। जल निकासी के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है।

BRIEF NEWS

मातेश्वरी सरस्वती का स्मृति दिवस ज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया

RANCHI : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रथम अध्यक्ष मातेश्वरी सरस्वती के स्मृति दिवस रविवार को हरमू रोड स्थित ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र में आध्यात्मिक ज्ञान दिवस के रूप में मनाया गया। दीप प्रज्ज्वलन से प्रारंभ इस कार्यक्रम में डॉ. सुबोध ने उन्हें ₹बुद्धि की देवी₹ बताया। मंजूला केडिया, संजय सर्राफ, निर्मल बुधिया, नरेश बंका और अमरेंद्र विष्णुपुरी ने उनके जीवन, तप और शिक्षाओं को वर्तमान समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

फेंसिंग चैंपियनशिप में शुभम ने जीता गोल्ड

RANCHI : रांची के भारत माता चौक स्थित एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के 10वीं के स्टूडेंट शुभम गाड़ी ने 17वीं झारखंड राज्य फेंसिंग चैंपियनशिप 2025-26 में स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल और राज्य का नाम रौशन किया। रामगढ़ में आयोजित इस प्रतियोगिता में शुभम ने अपने कौशल और दृढ़ता का शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल के प्रिंसिपल शादान आलम ने शुभम को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत और समर्पण ही सफलता की कुंजी है।

सरकार गरीबों को एंबुलेंस मुहैया कराने में असमर्थ : राफिया नाज

RANCHI : भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने झारखंड सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को कहा कि रिम्स पार्ट-2 की बात करने वाली सरकार गरीबों को एम्बुलेंस देने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार सभी को स्वास्थ्य का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हालात इतने भयावह हैं कि गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति समय पर अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रहा। यह एक साधारण प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। राफिया ने गोड्डा जिले में एक मासूम बच्ची की मृत्यु की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पूरी मानवता को झकझोर देने वाली त्रासदी है।

प्रीमियर लीग सीजन 6 में कैपिटल की टीम ने दर्ज की जीत

RANCHI : रविवार को प्रीमियर लीग सीजन 6 विल्स क्लब के तत्वावधान में ओपनिंग मैच कांके स्थित शहिद शेख भिखारी मैदान में विल्स बालसटर व विल्स कैपिटल के बीच खेला गया। इसमें बालसटर की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 75 रन बना सकी। स्कोर का पीछा करते हुए कैपिटल की टीम ने 9.5 गेंद में 9 विकेट खोकर मैच को अपने नाम कर लिया। इस मैच में मुन्ना को मैने ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन कांके विधायक सुरेश बैठा ने किया।

वरीय पदाधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों के साथ की बैठक

रथ मेला की सुरक्षा और साफ-सफाई की स्थिति का डीसी ने लिया जायजा

- श्रद्धालुओं के आवागमन, यातायात नियंत्रण, स्वास्थ्य सुविधा अग्निशमन और व्यवस्था सुनिश्चित करने का दिया निर्देश
- सीसीटीवी कैमरे, वॉच टावर व प्रमुख स्थानों पर होगी पुलिस बल की तैनाती : डीआईजी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला की तैयारी पूरे जोरों पर है। इसे लेकर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी रांची मंजूनाथ भजंत्री ने रथ मेला की संपूर्ण व्यवस्था, सुरक्षा और साफ-सफाई की स्थिति का जायजा लिया। जिला के वरीय पदाधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में डीआईजी-सह- वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक, जनसंपर्क पदाधिकारी, हटिया डीएसपी, संबंधित अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी और मंदिर समिति के पदाधिकारी मौजूद थे।

उपायुक्त ने जगन्नाथपुर मंदिर से मौसीबाड़ी तक रथ यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन, यातायात नियंत्रण, स्वास्थ्य सुविधा, अग्निशमन और स्वच्छता की उच्चस्तरीय व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। डीआईजी चंदन सिन्हा ने बताया कि रथ यात्रा के दौरान पूरे मेले में सीसीटीवी कैमरे, वॉच टावर तथा प्रमुख स्थानों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाते हुए जगह-जगह बैरिकेडिंग भी की जा रही है।

सफाई और पर्यावरण सुरक्षा पर विशेष जोर : उपायुक्त ने रथ मेला को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि मेला परिसर में डस्टबिन अनिवार्य होंगे। प्लास्टिक थैलियों, डिस्पोजेबल ग्लास-प्लेट्स और अन्य अपशिष्ट सामग्रियों पर रोक लगाई गई है। इसके स्थान पर दोना, पत्तल, बांस की टोकरी और कागज से बने उत्पादों के प्रयोग को बढ़ावा देने की अपील की गई।

रांची नगर निगम की विशेष तैयारी

नगर निगम द्वारा मेला क्षेत्र में 27 जून से 5 जुलाई तक दो पालियों में नियमित साफ-सफाई, गार्बेज कलेक्शन, नालियों की सफाई, फॉगिंग, लार्विसाइडल छिड़काव और झाड़ियों की कटाई सुनिश्चित की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए 10 वाटर टैंकर और 5 चलंत शौचालय की व्यवस्था की गई है। जलापूर्ति को भी चार पालियों में नियमित किया जाएगा।

खोया-पाया केंद्र का इंतजाम

उपायुक्त ने बताया कि मेला के दौरान स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। इसके साथ ही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के स्टॉल पर खोया-पाया केंद्र स्थापित किया जाएगा, जहां किसी व्यक्ति या बच्चे के खो जाने पर जानकारी दी जा सकेगी। एक व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जिला प्रशासन, मंदिर समिति और वालंटियर्स के बीच समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा।

झूलों की सुरक्षा भी होगी प्राथमिकता

मेले में लगने वाले झूलों के संचालन के लिए सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन अनिवार्य किया गया है। सभी झूला संचालकों को तकनीकी जांच, प्रमाण पत्र, लाइसेंस आदि उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि रथ यात्रा रांची ही नहीं, पूरे झारखंड के लिए गौरव का विषय है। ऐसे में सभी विभागों एवं मेला न्यास समिति को टीम भावना से कार्य करते हुए इस आयोजन को सफल, स्वच्छ और सुरक्षित बनाना होगा।

रिम्स में रिटायर्ड कर्मी की फिर से नियुक्ति पर उठा सवाल, अपर मुख्य सचिव के पास पहुंची शिकायत

VIVEK SHARMA RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स का विवादों से पुराना नाता है। कभी अव्यवस्था को लेकर, तो कभी नियुक्ति को लेकर। अब एक बार फिर से सेवानिवृत्त कर्मी की पुनर्नियुक्ति पर सवाल उठाए गए हैं। इतना ही नहीं, इसकी शिकायत स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव से की गई है। इसमें नियमों की अनदेखी करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में तत्काल कार्रवाई की अपील की गई है।

क्या लिखा है शिकायत में : रिम्स रांची में सेवानिवृत्त कर्मी की नियुक्ति को लेकर झारखंड सरकार के स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग को भेजे गए एक पत्र में आरोप लगाया गया है कि वित्त विभाग की संकल्प संख्या 1243/वि. दिनांक 28 अप्रैल 2016 को दरकिनार करते हुए आलोक कुमार तपस्वी को अनियमित रूप से रिम्स में वित्तीय आंतरिक सलाहकार पद पर कार्यरत रखा गया है। उक्त संकल्प के अनुसार, सेवानिवृत्त कर्मियों को अधिकतम तीन वर्षों या 65 वर्ष की आयु तक ही अनुबंध के आधार पर कार्य पर रखा जा सकता है। यदि इसके पश्चात किसी को कार्य पर रखना हो, तो इसके लिए मंत्रिमंडल की स्वीकृति अनिवार्य है। इस नियम के तहत पूर्व में रंजना वर्मन (प्रशासनिक पदाधिकारी), हैदर अली (निगरानी पदाधिकारी), रवींद्र तिवारी (प्रधान लिपिक) सहित अन्य कई कर्मियों को कार्यमुक्त कर दिया गया था। लेकिन, आलोक कुमार तपस्वी को 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बावजूद पुनः कार्य पर रखा गया, जिससे पारदर्शिता और नियमों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि तपस्वी को मंत्री को गुमराह कर योजनागत राशि के उपयोग में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से नियुक्त रखा गया।

- आलोक कुमार तपस्वी को अनियमित रूप से बनाया गया है वित्तीय आंतरिक सलाहकार
- नियमों के अनुसार, 65 से अधिक उम्र वाले की नियुक्ति के लिए मंत्रिमंडल की स्वीकृति अनिवार्य

बंधु ने फिर चेताया, रिम्स-2 के निर्माण के लिए कोई और जमीन देखें स्वास्थ्य मंत्री

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता बंधु तिर्की ने नगड़ी मौजा में रिम्स-2 के निर्माण के लिए की जा रही खेती योग्य खतियानी जमीन के अधिग्रहण का विरोध किया है। उन्होंने फिर स्पष्ट किया कि उन्हें स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इसका खामियाजा आदिवासियों को विस्थापित कर चुकाना स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि नगड़ी के ग्रामीण और रैयत अपनी खेती योग्य जमीन पर पूरी तरह निर्भर हैं। वहां की कृषि भूमि आबादी के अनुपात में पहले से ही कम है। ऐसे में रिम्स-2 जैसी परियोजना के लिए इस जमीन का अधिग्रहण सामाजिक और आर्थिक अन्याय होगा। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को सलाह दी कि वे रांची या झारखंड में किसी वैकल्पिक उपयुक्त सरकारी भूमि का चयन करें। उन्होंने कहा कि अब आदिवासी समाज बार-बार विस्थापन और पलायन के लिए मजबूर नहीं होगा। राज्य में पहले भी विकास और खनन के नाम पर आदिवासियों को उनकी जमीन से बेदखल किया गया है, लेकिन अब अबुआ राज में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। बंधु तिर्की ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जनता की भावनाओं को समझते हैं और उन्हें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री जनभावनाओं के अनुरूप फैसला लेंगे।

वक्फ कानून के खिलाफ कार्यक्रम में जुटेंगे जमीअतुल मोमेनीन चौरासी के मेंबर

RANCHI : रविवार को जमीअतुल मोमेनीन चौरासी रांची, झारखंड की कार्यकारिणी समिति की बैठक कांके नगड़ी स्थित विलेज ढाबा में कि गई। अध्यक्षता मो. मजीद अंसारी ने की। मौके पर समिति के सदर मो. मजीद अंसारी ने उपस्थित सभी कार्यकारिणी पदाधिकारियों और सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि वक्फ 2025 कानून के खिलाफ होने वाले प्रोग्राम में जमीअतुल मोमिनीन चौरासी रांची, झारखंड पूरी जिम्मेदारी के साथ भाग लेगी।

स्थापना दिवस : झामुमो ने झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी की, जबकि आजसू ने किया संघर्ष : सुदेश

PHOTON NEWS RANCHI : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने पार्टी के 26 वें समारोह में रविवार को कहा कि झामुमो ने झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी की, जबकि आजसू ने संघर्ष किया है। खेलगांव के हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने कहा कि आजसू ने बिना संघर्ष के ही वर्ष 1986 से 2000 तक सांसद और विधायक बनाया। सुदेश ने कहा है कि हेमंत सरकार चोरी और लूट नहीं, जनता के अधिकारों की डकैती में जुटी है। जनता इस सरकार से मात्र छह माह में ही त्रस्त हो चुकी है। आजसू कार्यकर्ता हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने की तैयारी करें।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से जाति जनगणना की घोषणा का आजसू स्वागत करती है। हमारी मांग है कि जाति के आधार पर आरक्षण दिया जाए।

सुदेश ने कहा कि झारखंड निर्माण में बंगाल और ओडिशा के सदस्यों की भी भूमिका रही है। राज्य के अंदर चलने वाली सबसे लम्बी लड़ाई झारखंड आंदोलन है। उन्होंने कहा कि आजसू ने झारखंड के लिए संघर्ष किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपाई ने अलग राज्य का निर्माण किया। सुदेश ने कहा कि आज से आजसू एक नए तेवर में दिख रही है। अब राज्य के नवनिर्माण का संकल्प लेकर यहां से हमलोग जाएंगे। राज्य को एक नई सोच के साथ आगे लेकर जाने की आवश्यकता है। वर्तमान हेमंत सरकार झूठ बोलकर और गुमराह कर राजनीति कर रही है। महिलाओं को सत्ता हासिल करने का आधार बनाया गया और अब छह लाख महिलाओं का नाम मंईयां योजना से काटा जा रहा है। इसका जवाबदेह कौन होगा। सुदेश ने कहा कि सारा तंत्र जनता को धमकाने में लगा है। जमीन के नाम पर सारा अपराध हो रहा है। एक जमीन की छह बार रजिस्ट्री हो रही है और सीओ और थाना फर्जी करने वालों के पक्ष में वास्तविक मालिक को प्रताड़ित कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने न तो नियोजन नीति बनाई, न विस्थापन नीति और न ही स्थानीय नीति बना पाई।

झारखंड की रेलवे कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा कदम

सिल्ली-इलू बाईपास रेललाइन परियोजना को मिल गई मंजूरी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल को मंजूरी मिल गई है। सिल्ली-इलू बाईपास रेललाइन परियोजना का मार्ग अब पूरी तरह साफ हो गया है। रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ के प्रयासों से इस बहुप्रतीक्षित परियोजना पर तेजी से काम शुरू होने जा रहा है। रेलवे द्वारा इस 5.9 किलोमीटर लंबी रेललाइन के लिए 140 करोड़ रुपये की लागत से टेंडर जारी कर दिया गया है। इसका निर्माण कार्य वर्ष 2027 तक पूरा किया जाना है।

5.9 किलोमीटर लंबी रेललाइन के लिए 140 करोड़ रुपये का टेंडर जारी

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के प्रयासों से जल्द शुरू होगा काम, 2027 तक पूरा हो जाएगा निर्माण

2022 में हुई थी शुरुआत

इस परियोजना की शुरूआत वर्ष 2022 में हुई थी। संजय सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर इस रेललाइन की उपयोगिता पर चर्चा की थी। उन्होंने निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित किया और इसके लिए विशेष आग्रह किया। लगातार फॉलोअप और प्रयासों के फलस्वरूप अब रेलवे ने इस परियोजना को स्वीकृति दे दी है। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संजय सेठ ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी वाली सरकार है, जहां हर गारंटी पूरी होती है। रांची और टाटा के बीच यात्रियों के समय की बचत और सुविधाजनक रेल संचालन के लिए यह परियोजना ऐतिहासिक साबित होगी। मैं प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का आभार प्रकट करता हूं।

रांची से टाटा की दूरी हो जाएगी कम

इस रेललाइन के निर्माण से रांची से टाटा नगर की दूरी कम हो जाएगी और यात्रियों को तेज और सुगम यात्रा का लाभ मिलेगा। वर्तमान में सिल्ली से इलू तक मुरी होकर जाना पड़ता है, जिससे लगभग 50 मिनट का अतिरिक्त समय लगता है। बाईपास रेललाइन बनने से न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि संसाधनों और रेलवे संचालन में भी सुगमता आएगी। मुरी स्टेशन पर ट्रेनों का दबाव भी घटेगा और इंजन परिवर्तन की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मनीषा सिंह की अगुवाई में निःशुल्क नेत्र और दंत जांच शिविर आयोजित

RANCHI : अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की कार्यकारी महिला प्रदेश अध्यक्ष मनीषा सिंह की अगुवाई में रविवार को नेत्रहीन विद्यालय, हरमू, रांची में निःशुल्क नेत्र एवं दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर मनीषा सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों तक सेवा पहुंचाना है। इसी के तहत आज शिविर लगाकर जरूरतमंदों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने का एक छोटा प्रयास किया गया। भविष्य में भी हम इसी प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि नेत्र और दंत स्वास्थ्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

नियमित नियुक्ति में एनएचएम डॉक्टरों को प्राथमिकता देने की उठाई गई मांग

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को झारखंड स्वास्थ्य सेवा संघ (झासा) की एक महत्वपूर्ण रांची स्थित आईएमए भवन में हुई। अध्यक्षता संगठन के राज्य अध्यक्ष डॉ. बिमलेश सिंह ने की। इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. ठाकुर मृत्युंजय सिंह और राज्य संयोजक डॉ. शरद कुमार भी मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से तीन प्रमुख मांगों पर चर्चा की गई। पहली राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत कार्यरत चिकित्सकों को शीघ्र ही नई एचआर नीति का लाभ दिया जाए। दूसरी मांग में जब भी नियमित चिकित्सकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो, उसमें एनएचएम डॉक्टरों को प्राथमिकता दी जाए। तीसरी महत्वपूर्ण मांग यह रखी गई कि नियमित बहाली में आयु सीमा में कम से कम 10 वर्ष की छूट दी जाए। मौके पर डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. अनुराधा कुमारी, डॉ. ज्योति, डॉ. दीपक कोनगाड़ी, डॉ. विशाल कुमार सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद थे।

ओपीडी सर्विस को लेकर जताई चिंता : संगठन ने निर्णय लिया कि इन मांगों को औपचारिक पत्र के रूप में विभागीय मंत्री और संबंधित पदाधिकारियों को सौंपा जाएगा। इसके अतिरिक्त बैठक में ओपीडी सेवाओं को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई।

समाचार सार

याद किए गए बागुन सुम्बरुई

CHAIBASA : कांग्रेस भवन में रविवार को पूर्व सांसद बागुन सुम्बरुई की पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि स्व. सुम्बरुई कोल्हान प्रमंडल के मजबूत नेता थे। उन्होंने राजनीति की शुरूआत छोटानागपुर और संथाल परगना को बिहार से अलग कराने के आंदोलन से की थी। 1967 से प्रथम बार बिहार विधायक चुने गए। इसके बाद लगातार 2009 तक निर्वाचित होते रहे। इस दरम्यान 5 बार सांसद, 4 बार बिहार व झारखंड के विधायक रहे। बिहार सरकार में दो बार वन व कल्याण मंत्री रहे। झारखंड विधानसभा के उपाध्यक्ष तथा प. सिंहभूम जिला के कांग्रेस जिलाध्यक्ष रहे। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, त्रिशानु राय, जहांगीर आलम, रवि कच्छप , मो.सलीम आदि भी उपस्थित थे।

मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

GHATSILA : आनंद धरा महिला समिति की ओर से रविवार को विभूति संस्कृति संसद मंच पर मेधा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इसमें अतिथियों ने सरकारी स्कूलों के 10 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में देवी प्रसाद मुखर्जी, प्रो. बैद्यनाथ त्रिपाठी, अंजना दास, मुखिया बनाव मुर्मू, सुशांतो सीट, मिठू विश्वास, अजय चक्रवर्ती शाहिद आदि भी उपस्थित थे।

कॉन्वेंट की टॉपर छात्राओं को मिला सम्मान

JAMSHEDPUR : सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल में शनिवार को एनुअल प्राइज नाइट हुआ, जिसमें आईसीएसई व आईएससी की स्कूल टॉपर रही छात्राओं को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व प्रधानाचार्या सिस्टर एम. स्टेफी एसी ने वर्ष 2024-25 की स्कूल रिपोर्ट प्रस्तुत की।

संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रकोष्ठ की हुई गोष्ठी

JAMSHEDPUR : गायत्री ज्ञान मंदिर, भालूबासा में रविवार को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा को लेकर जिलास्तरीय गोष्ठी हुई। गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि इस अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज (हरिद्वार) से परीक्षा के राष्ट्रीय प्रभारी रामयश तिवारी भी उपस्थित थे। परीक्षा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राजीव रंजन ने बताया कि सम्मेलन में उपस्थित प्रत्येक कार्यकर्ता ने न्यूनतम 5 विद्यालयों में संपर्क करने का संकल्प लिया।

पूर्व सांसद की प्रतिमा का हुआ अनावरण

GHATSILA : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को चाकुलिया में पूर्व सांसद सुनील महतो की प्रतिमा का अनावरण किया। इससे पूर्व घाटशिला प्रखंड के फुलडुंगरी में एनएच-18 पर कांग्रेस कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश सचिव तापस चटर्जी, घाटशिला के मंडल अध्यक्ष कन्हैया शर्मा, नरेश महाकुड़, प्रदीप भद्रो, शैलेंद्र सेन सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विश्व संगीत दिवस पर हुई नृत्य प्रस्तुति

GHATSILA : विश्व संगीत दिवस के अवसर पर रविवार को शिल्पी तीर्थ डांस एकेडमी, सुर तरंग व चित्रश्री के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय वार्षिक परीक्षा हुई। इसमें 228 छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान छात्रों ने कथक, लोकनृत्य, क्रिएटिव डांस एवं प्रादेशिक शैलियों में नृत्य प्रस्तुत किया। चित्रकला के छात्रों ने प्राकृतिक दृश्य, स्टिल लाइफ, पोट्रेट पेंटिंग और क्रिएटिव आर्ट आदि विधाओं में कला का प्रदर्शन किया। परीक्षा का संचालन सर्वभारतीय संगीत व संस्कृति परिषद ने कराया, जबकि मुख्य परीक्षक पश्चिम बंगाल के सुप्रसिद्ध संगीताचार्य डॉ. चितरंजन माईती थे। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष सनातन दास, सभापति दिलीप कुमार सरकार व शिल्पी सरकार भी उपस्थित थीं।

कुख्यात निसार से पुलिस उगलवा रही राज, कई घटनाओं का खुलासा संभव

दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार हुआ था बदमाश, गणेश सिंह पर बम हमले में था वांछित

PHOTON NEWS JSR : हत्या, रंगदारी और फायरिंग जैसे संगीन मामलों में वांछित निसार हसन उर्फ निशु को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर जमशेदपुर लाया गया है। रविवार को पुलिस अब उससे गहन पूछताछ कर रही है। निसार से शहर में हुई हत्या, रंगदारी मांगने और फायरिंग की घटनाओं पर सवाल किए जा रहे हैं। शहर के गैंगस्टर गणेश सिंह पर बम से हमला हुआ था। इस मामले में भी निशु से पूछताछ की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि यह बम हमला किसने कराया था। इसके पीछे कौन लोग थे। उसके नेटवर्क को खंगलाने की कोशिश हो रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जमशेदपुर में निसार के गिरोह के कौन कौन सदस्य हैं। इन सदस्यों पर भी पुलिस शिकंजा कसेगी।

निसार की फाइल फोटो

पुलिस सूत्रों के अनुसार, निसार हसन निशु लंबे समय से फरार था और देश छोड़कर बहरीन चला गया था। वहां वह एक कंपनी में काम कर रहा था, लेकिन इसके साथ ही वह जमशेदपुर में अपना आपराधिक गिरोह भी संचालित करता रहा।

निसार हसन पर शहर में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वर्ष 2022 में गैंगस्टर गणेश सिंह पर बम हमले में भी उसका नाम सामने आया था। इसी को ध्यान में रखते हुए, पूर्व एसएसपी कौशल किशोर ने 14 मई को निसार के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कराया था। इसके तहत देश के सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर उसके पासपोर्ट और तस्वीरें साझा की गई थीं।

गुरुवार को जैसे ही निसार हसन बहरीन से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा, पहले से अलर्ट एयरपोर्ट पुलिस ने उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद जमशेदपुर पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर शहर पहुंची। पुलिस अब उससे हत्या, रंगदारी, फायरिंग और गिरोह संचालन से जुड़े मामलों में पूछताछ कर रही है। माना जा रहा है कि पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं, जिससे शहर के अन्य आपराधिक नेटवर्क का भी खुलासा संभव है।

रंगदारी नहीं देने पर दुकान में घुसकर मारपीट, आठ हजार रुपये लूटे

JAMSHEDPUR : मानगो के एमजीएम थाना अंतर्गत भिलाईपहाड़ी में रंगदारी नहीं देने पर एक ऑटोमोबाइल दुकान में घुसकर कुछ युवकों ने दुकानदार के साथ मारपीट की और दुकान में तोड़फोड़ करते हुए आठ हजार रुपये नकद लूट लिए। इस मामले में एमजीएम थाना में केस दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पीड़ित सूरज कुमार बिरसानगर जोन-6बी के निवासी हैं और भिलाईपहाड़ी में दुकान चलाते हैं। शनिवार को जब वे दुकान पर मौजूद थे, तभी अचानक कुछ युवक वहां पहुंचे और रंगदारी की मांग करने लगे। सूरज द्वारा इनकार करने पर इन युवकों ने उन पर हमला कर दिया और दुकान में जमकर तोड़फोड़ की। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट करने के बाद हमलावर आठ हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। सूरज कुमार ने इस संबंध में एमजीएम थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने दुकान के मालिक आशीष पाल, उनके साले राकेश मंडल और अन्य अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और रविवार से ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

गुवा खदान में सेल कर्मचारी की मौत चार कर्मी घायल

CHAIBASA : सेल की गुवा लौह अयस्क खदान में रविवार शाम सेल कर्मी चरण पुरती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में 4 अन्य कर्मचारी घायल हैं, जिनमें एक की स्थिति नाजुक है। खदान परिसर में ड्यूटी के दौरान हॉलपैक (डंपर) वाहन का टायर खोलते समय वह भारी टायर के नीचे दब गए, जिससे घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, घटना के बाद चरण पुरती को गुवा अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही खदान परिसर और कॉलोनी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। साथी मजदूरों और स्थानीय निवासियों ने प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। यह चिंता का विषय है कि एक ही सप्ताह के भीतर गुवा खदान में यह दूसरी मौत है। कुछ दिन पूर्व एक नाबालिग ठेका मजदूर की निमार्णाधीन भवन में काम करने के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद श्रमिक संगठनों ने भारी विरोध-प्रदर्शन किया था। उस घटना में मृतक के परिजनों को 30 लाख रुपये मुआवजा मिला था।

छात्रावास में छात्र की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

PHOTON NEWS CKP : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के उंधन गांव स्थित आरटीसी पब्लिक स्कूल के आदिवासी छात्रावास में शनिवार की शाम 9वीं के छात्र सौरभविषय (14) की लाश फंदे पर लटकी मिली। आनंदपुर निवासी छात्र का शव उसके सहपाठी के कमरे में गमछे के सहारे लटका हुआ था। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को सीएचसी लाया, जहां बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। इधर खबर मिलते ही बच्चे के पिता अपने परिचितों के साथ हॉस्टल पहुंचे। वे हत्या की आशंका जताते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग पर अड़ गए। प्रबंधन के मुताबिक, स्कूल में रोज दोपहर 3.50 से शाम 5 बजे तक ट्यूशन की कक्षा चलती है।

मृतक की फाइल फोटो

शनिवार को ट्यूशन के बाद बच्चे खेलने चले गए, लेकिन सौरभ खेलने नहीं गया। देर शाम खेल कर बच्चे कमरे में लौटे, तो अंदर से दरवाजा बंद था। इसके बाद एक छात्र ने दरवाजे की सुराख से झांका, तो सौरभ का पैर झूलता नजर आया। छात्रों ने शोर मचाया। स्कूल के शिक्षक भी पहुंचे। शव को उतारा गया और मामले की जानकारी दी। मनोहरपुर के प्रभारी कल्याण पदाधिकारी राजेंद्र बाड़ा ने फोन पर बताया कि उक्त छात्रावास की जिम्मेदारी स्कूल के दुबेश्वर महतो पर है। छात्रावास निःशुल्क है, जबकि मृतक के पिता ने बताया कि हॉस्टल फीस के मद में प्रतिमाह 2500 रुपये लिए जाते थे। दुबेश्वर महतो से बात की गयी, तो उन्होंने कभी खुद को सुप्रिंटेंडेंट, तो कभी अकाउंटेंट, तो कभी कुछ और बताया। वह अपनी जिम्मेदारी से पीछे भागते दिखे। पोस्टमार्टम कराने चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल पहुंचे मामा शिवप्रसाद साहू ने कहा कि मेरे भगिना सौरभ की हत्या हुई है। आशंका है कि शिक्षकों ने उसे मार कर फंदे पर लटका दिया। पोस्टमार्टम से पहले मजिस्ट्रेट से जांच कराई जाए, जो भी दोषी हो, उसे कड़ी सजा मिले।

जलजमाव के कारण व निदान पर सरयू राय कल करेंगे समीक्षा बैठक

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय 24 जून को जलजमाव के कारण व निदान पर समीक्षा बैठक करेंगे। बिष्टुपुर के मिलानी हॉल में शाम चार बजे से होने वाली बैठक में गत दिनों हुई बारिश के कारण हुए नुकसान का जायजा लेने तथा कई आवासीय क्षेत्रों में भीषण जलजमाव पर विस्तृत चर्चा होगी। इससे पहले सरयू प्रभावित इलाकों का सघन भ्रमण करेंगे। एक बयान में राय ने कहा है कि सरकारी और प्रशासनिक मशीनरी को मानो लकवा मार गया है। योजनाएं बनती हैं, उनका डीपीआर तैयार होता है, परियोजनाएं स्वीकृत होती हैं, क्रियान्वित होती हैं, परंतु आमजन को उसका लाभ कम और नुकसान ज्यादा मिलता है। राज्य सरकार के विभाग उनके सामने प्रस्तुत चुनौतियों का सामना करने में अक्षम साबित हो रहे हैं। विभागों में मानव-बल की घोर कमी है। संसाधन हैं, पर इनका उपयोग जनहित में नहीं हो पा रहा है। समस्याएं जस की तस रह जा रही हैं, समय के साथ घनीभूत होती जा रही हैं।

न्यायालय जाएंगे टेट के सफल सहायक अध्यापक

प्रखंड कार्यालय परिसर में उपस्थित अध्यापक ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : प्रखंड कार्यालय परिसर, घाटशिला में रविवार को टेट सफल सहायक अध्यापक संघ की बैठक हुई। इसमें शिक्षकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर हाई कोर्ट जाने का निर्णय लिया। शिक्षकों ने बताया कि सहायक आचार्य परीक्षा में साइंस एवं मैथ के डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन लिस्ट में मात्र 2754 का ही नाम निकाला गया, जबकि पूरे राज्य में 5000 आचार्य को नियुक्त करना था। इसमें भी जेपीएससी द्वारा झारखंड हाई कोर्ट में जमा किए गए हलफनामा के अनुसार पारा शिक्षकों को 50 प्रतिशत आरक्षण देते हुए नियुक्त करना था, जबकि गैर पारा शिक्षक को 50 प्रतिशत नियुक्त करना था। पर, ऐसा नहीं कर साइंस और मैथ के मात्र 200 का ही डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया गया। बताया गया कि जल्द ही उच्च न्यायालय में सहायक आचार्य परीक्षा में की गई गड़बड़ी को लेकर संघ याचिका दायर करेगा।

आरटीआई कार्यकर्ताओं ने बीडीओ पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप

पत्रकारों को संबोधित करते आरटीआई कार्यकर्ता संघ के पदाधिकारी

JADUGORA : आरटीआई कार्यकर्ता संघ ने रविवार को जादूगोड़ा में प्रेसवार्ता कर पोटका के बीडीओ पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। मामला आरटीआई मांगने पर कार्यकर्ता को परेशान करने, धमकी देने, सूचना देने के नाम पर शुल्क की अवैध मांग करने से जुड़ा है। संघ के अध्यक्ष दिल बहादुर ने बताया कि आरटीआई कार्यकर्ता सुनील मुर्मू ने सूचना अधिकार अधिनियम के तहत पोटका प्रखंड कार्यालय से प्रखंड के कुलडीहा पंचायत में किए गए विकास कार्य से संबंधित सूचना मांगी थी। इसके आलोक में बीडीओ सह जन सूचना पदाधिकारी ने पत्र जारी करते हुए लिखा कि सूचना 2250 पन्ने की है, प्रति पन्ने दो रुपये के हिसाब से 4500 रुपये देना होगा। सुनील मुर्मू ने ब्लॉक के सरकारी खजाने में 4500 रुपये जमा करा दिया, लेकिन 2250 पन्ने की जगह 40 पन्ने में जवाब दिया गया। अध्यक्ष ने कहा कि ये सरासर धोखाधड़ी है।

डॉ. अशोक झा फिर बने केयू के प्रवक्ता

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता के निर्देश पर एलबीएसएम कॉलेज-करनडीह के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार झा को विश्वविद्यालय का प्रवक्ता एवं मीडिया सेल का को-ऑर्डिनेटर नामित किया गया है। डॉ. झा पूर्व में भी कोल्हन विश्वविद्यालय के कुलानुशासक, विधि अधिकारी, प्रथम अपील अधिकारी व प्रवक्ता के रूप में 2016 से 2021 तक सेवाएं दे चुके हैं। डॉ. झा साहित्य के क्षेत्र में भी एक चर्चित नाम हैं। इनकी 27 पुस्तकें मैथिली हिंदी एवं संथाली में लिखित अनुदित एवं संपादित प्रकाशित हैं।

आदर्श नगर फेज-7 में जलजमाव से मिलेगी राहत, जेएनएसी ने किया नाली निर्माण का सर्वे

PHOTON NEWS JSR : सोनारी स्थित आदर्श नगर फेज-7 और आसपास के इलाकों में बारिश के बाद उत्पन्न जलजमाव की समस्या को लेकर स्थानीय लोगों की शिकायतों पर प्रशासन ने संज्ञान लिया है। रविवार को जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) की टीम ने क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर नई नाली निर्माण के लिए सर्वे किया। हाल ही में हुई तेज बारिश के कारण आदर्श नगर में जलनिकासी बाधित हो गई थी, जिससे सड़कों और घरों में पानी भरने की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। स्थानीय निवासियों ने इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासन से शिकायत की थी। रविवार को जेएनएसी के एसडीओ संजय सिंह, सहायक अभियंता सचिन झा और सिटी मैनेजर जय गुड़िया की टीम ने विधायक सरयू राय के

विधायक प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपते आदर्शनगर के निवासी ● फोटोन न्यूज

जनसुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा, आशुतोष राय, मुकेश कुमार, रवि ठाकुर, हरे राम सिंह और रंजीत प्रसाद के साथ आदर्श नगर फेज-7 का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान सोसाइटी के अध्यक्ष और अन्य नागरिकों ने जलनिकासी को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा ने शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाते हुए बताया कि जलजमाव की समस्या के स्थायी निदान के लिए इलाके में एक नई नाली का निर्माण कराया जाएगा। निरीक्षण दल ने नाली निर्माण के लिए उपयुक्त स्थल का चयन किया और तकनीकी टीम को जल्द से जल्द योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। यह पहल इलाके के लोगों को जलजमाव से राहत दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। लेकिन, लोगों का कहना है कि जेएनएसी और मानगो नगर निगम सिर्फ असरदार लोगों के कहने पर उनके इलाके में ही काम कर रहे हैं। ऐसा नहीं करना चाहिए। शहर के आम लोग भी होल्डिंग टैक्स देते हैं।

कई इलाकों में गुल है बिजली, व्यवस्था सुचारु करने में बिजली विभाग को लगेंगे पांच दिन

जमशेदपुर में एक साथ जले 50 ट्रांसफॉर्मर, शटडाउन रहने से छाया अंधेरा

MUJTABA RIZVI @ JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले में पिछले दिनों हुई भारी बारिश से बिजली विभाग का काफी नुकसान हुआ है। दो दिनों में जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर में विभाग के 50 से अधिक ट्रांसफॉर्मर जल गए हैं। इसके अलावा, कई जगह पोल भी गिर गए हैं। मगर, ट्रांसफार्मरों के खराब होने की संख्या अधिक बताई जा रही है, जबकि पोल गिरने की घटनाएं कम हुई हैं। इन ट्रांसफॉर्मरों को रिपेयर करने का काम चल रहा है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के अधिकारियों का कहना है कि इन इलाकों में बिजली आपूर्ति बहाल करने में लगभग पांच दिन लग सकते हैं। जमशेदपुर में बिजली विभाग के इंजीनियर जले ट्रांसफॉर्मर

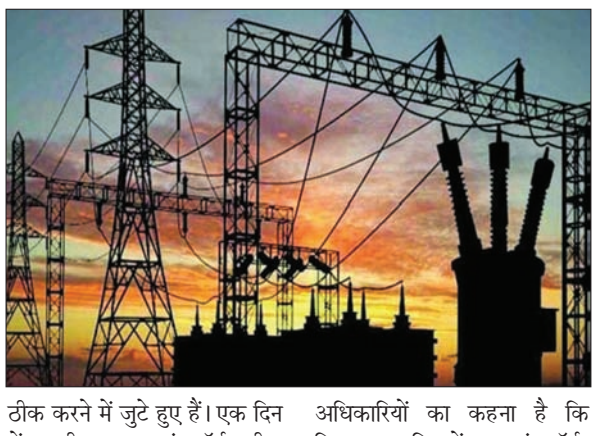

ठीक करने में जुटे हुए हैं। एक दिन में तकरीबन सात ट्रांसफॉर्मर ठीक किए जा रहे हैं। विभाग ने अब तक 16 ट्रांसफार्मर ठीक किए हैं। इन सभी ट्रांसफॉर्मरों को मोहल्लों में लगा कर उस इलाके की बिजली बहाल कर दी गई है। मगर, अभी भी कई इलाके हैं जहां की बिजली बहाल नहीं हो पाई है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि विभाग एक दिन में सात ट्रांसफॉर्मर ठीक कर रहा है। एक ट्रांसफॉर्मर ठीक करने में 10 हजार रुपये से लेकर 15 हजार रुपये तक की लागत आ रही है। तीन हजार रुपये लेबर कास्ट है। ट्रांसफॉर्मर में जिस हिसाब से सामान जला है, उस हिसाब से खर्च है।

मानगो के बालीगुमा फीडर में आठ ट्रांसफॉर्मर जले

मानगो के बालीगुमा पावर सब-स्टेशन के क्षेत्र में आठ ट्रांसफॉर्मर जले हैं। इससे इन इलाकों की बिजली गुल रही। क्षेत्र के जेई ने बताया कि इनमें से चार ट्रांसफार्मरों की मरम्मत करा दी गई है और इन्हें मोहल्लों में लगा दिया गया है। अभी चार ट्रांसफॉर्मर खराब पड़े हैं। इनमें से एक ट्रांसफार्मर रविवार को बनाया गया। इस ट्रांसफार्मर को मानगो के अभिलाषा अपाअर्मेंट के पास लगा दिया गया है। जबकि, अभी एमजीएम मेडिकल कॉलेज के ब्वायज हॉस्टल का भी ट्रांसफॉर्मर खराब पड़ा हुआ है। इसे ठीक करने का काम चल रहा है।

देर तक कट रही बिजली

मानगो समेत शहर के विभिन्न इलाकों के रहने वालों का कहना है कि इन दिनों बिजली विभाग अधिक शटडाउन ले रहा है। मानगो के डिमना रोड में सुभाष कालोनी के राकेश ने बताया कि उनके इलाके में हर दो घंटे के बाद बिजली लंबे समय के लिए कट रही है। शनिवार को दोपहर में एक बजे बिजली कटी तो शाम साढ़े पांच बजे इसे चालू किया गया। रात को बिजली कटी तो देर तक नहीं आई। रविवार को दोपहर में तीन बार बिजली काटी गई। इससे लोग सो नहीं पा रहे हैं। लोगों को बिजली कटने से परेशानी हो रही है।

इस पर बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जब ट्रांसफार्मर उतारा या लगाया जाता है, तो पूरे इलाके में शटडाउन लिया जाता है। इस वजह से जिस फीडर में ट्रांसफार्मर लगा है, उस पूरे इलाके की बिजली बंद करनी पड़ती है। यह बिजली ट्रांसफार्मर लग जाने के बाद ही बहाल हो पाती है। इसी वजह से बार बार लंबा शट डाउन लेना पड़ रहा है।

> क्षेत्र के ट्रांसफार्मर बड़े पैमाने पर जले हैं। हालांकि, पोल कम गिरे हैं। इस वजह से कई इलाकों में बिजली नहीं है। इसे ठीक किया जा रह है। जल्द ही विभाग पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल कर देगा।
>
> – अजीत कुमार, जीएम, झाखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड

भारी बारिश से डूबा बागबेड़ा फिल्टर प्लांट, 1140 घरों की जलापूर्ति बाधित

फिल्टर प्लांट से पानी निकालता मोटर ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर : बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के फिल्टर प्लांट परिसर में भारी बारिश के कारण पानी भर गया। इससे जलापूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। प्लांट के सम्प में भरे पानी को रविवार से मोटर-पंप के जरिए बाहर निकाला जा रहा है। इस वजह से कॉलोनी के करीब 1140 घरों के 20 हजार से अधिक लोगों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ा है। स्थानीय निवासी सुबोध झा ने बताया कि पानी भरने की स्थिति का वीडियो 19 जून को बनाया गया था, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि प्लांट परिसर किस तरह जलमग्न हो गया था। जलजमाव के कारण पंपिंगसेट बंद हो गया और पानी की सप्लाई पूरी तरह बाधित हो गई। झा ने विभाग और पंचायत प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि वर्षों पुराना फिल्टर प्लांट समय पर साफ नहीं किया गया और न ही जलनिकासी की कोई व्यवस्था की गई, जिसकी वजह से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। फिलहाल फिल्टर प्लांट के सम्प से मोटर के जरिए पानी निकाला जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द जलापूर्ति शुरू हो सके।

बिहार ने जो विकास किया है, वह किसी से छिपा नहीं : सम्राट चौधरी

AGENCY PATNA : बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री बीते दिन सिवान में आए और करोड़ों की योजना जनता को समर्पित करने का काम किया। जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल बड़ा ऐलान किया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन 400 से 1100 कर अपने आप में बड़ा फैसला किया है। बिहार ने विकास के क्षेत्र में जो प्रगति की है, वह किसी से छुपी नहीं है। सम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कल एक बड़ा ऐलान करते हुए बिहार में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में सुधार किया है। जनता और महिला संवाद के माध्यम से लिए गए फीडबैक के आधार पर वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन और विधवा पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दिया गया है। यह राशि बढ़ोतरी समाज के कमजोर वर्गों के लिए राहत देने वाली साबित होगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि इसके अलावा, कन्या विवाह भवन की योजना को भी प्रदेश के सभी पंचायतों में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसके लिए हरी झंडी दिखा दी है। इन भवनों को स्वयं सहायता समूह और जीविका महिला दल द्वारा संचालित किया जाएगा, जिससे कन्याओं के विवाह में सामाजिक एवं आर्थिक सहायता मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार ने मां सीता की जन्मस्थली पर श्री सीता मंदिर का निर्माण करेगी, जो राम मंदिर के तर्ज पर होगा। यह धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बिहार के लिए एक बड़ा ऐतिहासिक कदम होगा, जो तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। सम्राट चौधरी ने विपक्षी दलों को भी करारा जवाब देते हुए कहा, अगर विकास की बात करनी है तो उन्हें पटना एयरपोर्ट, मेरिन ड्राइव, पटना से बेगूसराय तक के विभिन्न विकास कार्यों को देखकर आना चाहिए।

- प्रधानमंत्री बीते दिन सिवान में आए और करोड़ों की योजनाओं को जनता को किया समर्पित
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन 400 से 1100 रुपये करना अपने आप में बड़ा फैसला

BRIEF NEWS

15 हजार की इनामी महिला स्मैक तस्कर ने किया आत्मसमर्पण

EAST CHAMPARAN : जिला के हरैया थाना कांड संख्या-14/24 की वांछित एवं 15 हजार की ईनामी अभियुक्त पथली खातून उर्फ. अनवरी खातून पिता-नईम मिया,ग्राम बड़ा परेवा, थाना-हरैया ने पुलिस दबिश के कारण न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। उल्लेखनीय है,कि पथली खातुन लंबे समय से मादक द्रव्यो की तस्करी में संलिप्त थी। पुलिस इसे लंबे समय से तलाश रही थी। बीते दिनो पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने इसके उपर 15 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

ट्रक ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, दो लोग गंभीर रूप से घायल

BHAGALPUR : जिले के नवगछिया अनुमंडल अंतर्गत गोपालपुर थाना क्षेत्र के मंदिर चौक के पास रविवार को तेज रफ्तार हाइवा ने एक ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में ई-रिक्शा पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान ई-रिक्शा चालक संजीव कुमार भगत और आम व्यवसायी मोहम्मद फिरोज के रूप में हुई है। दोनों कुसेर्ला की ओर आम लोड कर जा रहे थे, तभी मंदिर चौक के समीप पीछे से आ रहे हाइवा ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

पेंशन भुगतान में अनियमितता को लेकर धरना

BHAGALPUR : तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय का विवादों से चोली-दामन का नाता रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर जवाहरलाल पर पेंशन भुगतान में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए सिंडिकेट के सदस्य रविवार को कुलपति आवास परिसर में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों में निर्लेश कुमार, मोहम्मद मुश्फिक आलम, के. के. मंडल और मुकेश कुमार जैसे वरिष्ठ सदस्य शामिल थे। इन्होंने कुलपति पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बिना घूस दिए पेंशन का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इतना ही नहीं सदस्यों ने बताया कि कुलपति अपने आवास को ही कार्यालय बना लिए हैं। अगर प्रशासनिक भवन में बैठते तो परीक्षा विभाग में जो धांधली हुआ था वह धांधली नहीं होता। सदस्यों का आरोप है कि कुलपति ने अपनी जिम्मेदारी से हटकर दलाली की भूमिका अपना ली है। प्रदर्शन के दौरान सदस्यों ने चेतावनी दिया कि यदि उनकी मांगें शीघ्र पूरी नहीं की गईं तो वे चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। उनका कहना है कि यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय के तमाम सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हक से जुड़ा गंभीर मामला है।

अयोध्या के राम मंदिर की तर्ज पर ही पुनौरा धाम में किया जाएगा मंदिर का निर्माण

मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल सीएम नीतीश कुमार ने शेयर की तस्वीर

AGENCY PATNA : बिहार में सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में भव्य मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश ने रविवार को स्वयं एक्स पर इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुबह सुबह बताया कि मां जानकी मंदिर का डिजाइन फाइनल हो गया है और अयोध्या राम मंदिर की तर्ज पर ही मां जानकी मंदिर का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही अपने सोशल मीडिया पर फाइनल डिजाइन की तस्वीरें भी साझा की हैं। मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा, 'मुझे बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जगत जननी मां जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम, सीतामढ़ी को समग्र रूप से विकसित किए जाने के लिए भव्य मंदिर सहित अन्य संरचनाओं का डिजाइन अब तैयार हो गया है, जिसे आपके साथ साझा किया जा रहा है। इसके लिए एक ट्रस्ट का भी गठन कर दिया गया है ताकि निर्माण कार्य में तेजी आ सके। हमलोग पुनौराधाम, सीतामढ़ी में भव्य मंदिर निर्माण शीघ्र पूरा कराने के लिए कृतसंकल्पित हैं। पुनौराधाम में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण हम सभी बिहारवासियों के लिए गौरव और सौभाग्य की बात है'। मिथिला की पुण्य भूमि सीतामढ़ी में स्थित पुनौराधाम को माता सीता की जन्मस्थली माना जाता है। बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौरा गांव में स्थित जानकी जन्मभूमि मंदिर को श्रद्धालु पुनौराधाम के नाम से भी जानते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यहीं त्रेता युग में राजा जनक के खेत जोतने के दौरान माता सीता धरती से प्रकट हुई थीं।

मिथिला की पावन कथा से जुड़ा इतिहास-पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख शुक्ल नवमी को जब मिथिला के राजा जनक बारिश की कामना में हल चला रहे थे, तभी उनका हल एक मिट्टी के बर्तन या कलश से टकराया। उसे बाहर निकालने पर एक कन्या शिशु प्राप्त हुई। जिसे उन्होंने सीता नाम दिया। इसी कारण यह स्थान हिंदू धर्म में विशेष पवित्रता और आस्था का केंद्र है। कालांतर में इसी पावन स्थल के नाम पर नगर का नाम सीतामड़ई, फिर सीतामही और अंततः सीतामढ़ी पड़ा।

प्रमुख धार्मिक स्थल-सीतामढ़ी के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। हलेश्वर स्थान जो भगवान शिव को समर्पित मंदिर है। मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण स्वयं राजा जनक ने करवाया था। यह स्थान श्रद्धालुओं और पर्यटकों दोनों के लिए आस्था और ऐतिहासिकता का संगम है। 120 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण के लिए स्वीकृत-जानकी जन्मभूमि मंदिर को वैश्विक धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से बिहार सरकार ने 120 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण और 72 करोड़ रुपये मंदिर क्षेत्र के विकास के लिए स्वीकृत किए हैं। राज्य सरकार की यह महत्त्वाकांक्षी योजना मंदिर के आसपास पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाएं और बुनियादी ढांचा विकसित करने पर केंद्रित है।

मंदिर क्षेत्र के विस्तारीकरण और सुविधाओं के विस्तार के लिए 50.5 एकड़ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। संबंधित विभागीय टीम ने जमीन का भौतिक निरीक्षण पूरा कर लिया है और जिलाधिकारी कार्यालय ने विस्तृत रिपोर्ट पर्यटन निदेशालय को भेज दी है।

राजद नेता ने मातृ शक्ति के साथ किया सीधा संवाद, तेजस्वी की घोषणाओं की दी जानकारी

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज प्रखंड के भागकोहलिया पंचायत में राजद नेता इंजीनियर आयुष अग्रवाल ने रविवार को मातृ शक्ति के साथ सीधा संवाद किया। जिसमें उन्होंने राजद नेता तेजस्वी प्रसाद की घोषणाओं की जानकारी दी।

जनसंपर्क के तहत मातृ शक्तियों के साथ सीधा संवाद किया गया। इंजीनियर आयुष अग्रवाल ने माई-बहिन-मान योजना के तहत महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए कदमों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में राजद प्रतिबद्ध है। उन्होंने 200 यूनिट मुफ्त बिजली योजना का भी उल्लेख करते हुए कहा कि यह आमजन को सीधी राहत देने वाली योजना है, जिससे मध्यम और गरीब वर्ग के लोगों को महंगाई से कुछ राहत मिलेगी। इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की राशि में वृद्धि की घोषणा को उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की संवेदनशील सोच का परिणाम बताया। इंजीनियर अग्रवाल ने बेटी योजना की भी जानकारी दी, जिसे विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और भविष्य निर्माण को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस योजना से बेटियों को ना सिर्फ आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, बल्कि समाज में उनकी भागीदारी भी बढ़ेगी। जनसंवाद के दौरान आयुष अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि नेता प्रतिपक्ष माननीय तेजस्वी प्रसाद यादव की मेहनत और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि बिहार की एनडीए सरकार दबाव में आकर सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि की घोषणा कर रही है। पिछले 20 वर्षों से नीतीश सरकार सोई रही। न उनके पास जनहित की सोच थी, न ही कोई नीति। लेकिन तेजस्वी जी की साफ नीयत और मजबूत इरादों ने नीतीश सरकार को बैकफुट पर ला दिया है।

शौचालय साफ करने जा रही गाड़ी से टकरा गई मोटरसाइकिल, एक महिला की मौत

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज प्रखंड के अड़राहा पंचायत के वार्ड संख्या 01 में रविवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका 12 वर्षीय पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा उस समय हुआ जब रानीगंज प्रखंड के जगता पंचायत वार्ड संख्या 02 निवासी मो. जगीर अपनी पत्नी और बेटे के साथ मोटरसाइकिल से घीवहा स्थित अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मो. जगीर जैसे ही अड़राहा गांव के समीप पहुंचे, सामने से एक मलवाहन गाड़ी सड़क पर तेज रफ्तार से गुजर रही थी। यह मलवाहन गाड़ी शौचालय की सफाई के लिए जा रही थी। उसी दौरान जगीर की मोटरसाइकिल असंतुलित होकर सीधे मलवाहन से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल पर बैठी महिला सड़क पर गिर पड़ी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान मो. जगीर की पत्नी महरुम के रूप में की गई है। वहीं दुर्घटना में घायल 12 वर्षीय पुत्र को गंभीर अवस्था में सड़क से उठाकर स्थानीय लोगों की मदद से प्राथमिक उपचार के लिए अनुमंडलीय अस्पताल फारबिसगंज भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात यादव मौके पर पहुंचे और घायल बच्चे को एंबुलेंस की व्यवस्था कर अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने बच्चे की हालत गंभीर देखते हुए तुरंत अररिया सदर अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि बच्चे के सिर और शरीर में गंभीर चोटें आई हैं और उसका इलाज जारी है। इधर, मृतका के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

रक्सौल में नेपाल बॉर्डर पर इराकी नागरिक गिरफ्तार

CHAMPARAN : बिहार में पूर्वी चंपारण जिला अन्तर्गत रक्सौल में भारत-नेपाल मैत्री पुल के समीप एक इराकी नागरिक को नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश के दौरान पकड़ा गया है। उक्त कारवाई एसएसबी के जवान और हरैया थाना की पुलिस ने बॉर्डर पर रूटीन चेकिंग के दौरान की है। पकड़े गये इराकी नागरिक की पहचान इराक के बगदाद के अल-दोरा निवासी बारा फौजी हामिद अल बयाती के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जांच के दौरान यह पाया गया कि उसका भारतीय वीजा काफी पहले ही समाप्त हो चुका है। बाबजूद इसके वह नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने बताया कि आरोपी के पास यात्रा के कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले हैं।

दवा कारोबारी के घर लूट का असफल प्रयास चाकू से प्रहार कर महिला को किया घायल

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज थाना क्षेत्र के परवाहा वार्ड संख्या बारह में बीती रात आठ से दस की संख्या में हथियार से लैस बदमाशों ने एक दवा कारोबारी के घर धावा बोलकर लूट का असफल प्रयास किया। बदमाशों ने घर की महिला को अपने कब्जे में लेकर उनके ऊपर चाकू से प्रहार कर उन्हें घायल कर दिया।जिसका इलाज फाबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया।रविवार को दवा कारोबारी विकास मिश्रा ने थानाध्यक्ष को आवेदन देकर घटना की जानकारी देते हुए अपने और अपने परिवार के सुरक्षा की मांग की। थानाध्यक्ष को दिए आवेदन में पीड़ित दवा कारोबारी विकास मिश्रा ने बताया कि बीती शनिवार की देर रात खाना वगैरह खाकर उनकी पत्नी निक्की मिश्रा घर के पिछले

दरवाजा को खोलकर बाथरूम की ओर हाथ पैर धोने के लिए जा रही थी कि इसी क्रम में आठ से दस की संख्या में बदमाशों ने हथियार के साथ उनपर धावा बोल दिया। बदमाशों के बंदूक और चाकू से लैस होने की बात कही जा रही है। बदमाशों ने निक्की मिश्रा पर हमला बोलते हुए घर के अंदर प्रवेश किया।बदमाशों के चंगुल में निक्की मिश्रा के चिल्लाने की आवाज सुनकर विवेक पिछले दरवाजे की ओर दौड़ा तो बदमाशों को घर के अंदर प्रवेश करते देखा। बदमाशों ने उसके ऊपर बंदूक तान दिया,लेकिन उन्होंने चिल्लाते हुए मुख्य दरवाजे की ओर भागने लगे। जिसके बाद अड़ोस पड़ोस के लोग जमा हो गए। अड़ोस पड़ोस के लोगों को देखकर बदमाश फायरिंग करते हुए पिछले दरवाजे से भाग निकला और इस दौरान पत्नी निक्की मिश्रा पर चाकू से प्रहार कर उन्हें घायल कर दिया। हालांकि बदमाश कुछ भी लूटपाट करने में असफल रहे। विवेक मिश्रा ने बताया कि तान्या इंटरप्राइजेज के नाम से वह दवा का होलसेल का काम करता है और बदमाश लूटपाट के ख्याल से ही उनके घर पर धावा बोला था।

पटना के गांधी मैदान में 29 जून को होगी 'वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ' कॉन्फ्रेंस, सफलता को लेकर बैठक

सरकार की नजर में सुप्रीम कोर्ट की हैसियत कम : मौलाना नदवी

AGENCY ARARIA : वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और संविधान की रक्षा को लेकर आगामी 29 जून को पटना के गांधी मैदान में वक्फ बचाओ, दस्तूर बचाओ कॉन्फ्रेंस का आयोजन की किया जाएगा। पटना में होने वाले कार्यक्रम की सफलता को लेकर रविवार को फारबिसगंज के मदरसा इस्लाहुल मुस्लेमीन में एक बैठक हुई। बैठक की शुरूआत कुरआन-ए-पाक की तिलावत से हुई और इसमें क्षेत्र के कई उलेमा, समाजसेवी और जागरूक नागरिक शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता इमारत-ए-शरीया बिहार, झारखंड व उड़ीसा के नायब नाज़िम मौलाना सोहराब नदवी ने की। मौलाना सोहराब नदवी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की नजर में अब सुप्रीम कोर्ट की हैसियत कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर तत्काल रोक लगा रखी है, फिर भी सरकार ने मुसलमानों को आदेश दिया है कि वक्फ की जमीनों का रजिस्ट्रेशन छह महीने के भीतर कराएं, जो सीधा-सीधा संवैधानिक व्यवस्था और न्यायपालिका की अवहेलना है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वक्फ संपत्तियों को निशाना बनाकर मुस्लिम समाज की धार्मिक और सामाजिक पहचान को मिटाने की कोशिश कर रही है। ऐसे समय में समाज का जागरूक और एकजुट होना बेहद जरूरी है। बैठक में बताया गया कि 29 जून को पटना में होने वाली वक्फ बचाओ दस्तूर बचाओ कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता अमीर-ए-शरीयत हजरत मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी साहब करेंगे। इस कार्यक्रम में देश भर के जाने-माने इस्लामी विद्वान और उलेमा शामिल होंगे।

बैठक में यह भी तय किया गया कि सीमांचल क्षेत्र से अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि यह कॉन्फ्रेंस सरकार को एक मजबूत जनसंख्या का संदेश दे सके कि मुस्लिम समाज अपने वक्फ और संविधान की रक्षा के लिए पूरी तरह एकजुट है।

बैठक में शामिल मौलाना सोहराब नदवी व अन्य

इनकी रही मौजूदगी

मौके पर हजरत मौलाना मुफ्ती रशीद साहब, मौलाना जब्बार साहब, काजी असद कासमी, मौलाना फारूक साहब, जामे मस्जिद के इमाम मौलाना नेमतुल्लाह रहमानी, मटियारी के इमाम मौलाना अबुनसर कासमी, हाफिजी नौशाद, इरफान शेखरा, मौलाना आस मोहम्मद मजाहिरी, मौलाना वासिल, हाफिज जमशेद, मौलाना दिलशाद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

सुगौली में शॉपिंग सेंटर के मालिक पर गोलीबारी

CHAMPARAN : जिला के सुगौली थाना क्षेत्र में शनिवार की देर रात ताज चौक पर स्थित ताज शॉपिंग सेंटर के मालिक फैसल यूसुफ पर बाइक सवार अज्ञात अपराधियो ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया है। इस हमले में फैसल बाल-बाल बचे थे। प्रत्यक्षदर्शी दुकानदारों के अनुसार घटना उस समय घटित हुई जब दुकान मालिक फैसल यूसुफ अपनी दुकान बंद कर रहे थे।इसी दौरान उजले रंग की अपाची बाइक पर सवार दो हेलमेटधारी बदमाशों ने चलती बाइक से फैसल पर गोली चलाई और छपवा की ओर फरार हो गये।लोगो ने बताया कि बाइक सवार अपराधी रक्सौल की ओर से आये थे। फायरिंग की इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मचा है।

नेपाल से लाई जा रही शराब की बड़ी खेप बरामद, चारपहिया वाहन जब्त

EAST CHAMPARAN : रक्सौल में आबकारी विभाग ने बड़ी कारवाई करते हुए नेपाल से बोलेरो पर लाद कर लाई जा रही शराब की बड़ी खेप बरामद किया है। इसकी पुष्टि करते हुए रक्सौल के आबकारी इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रक्सौल के सिसवा बॉर्डर के रास्ते शराब की खेप भारत में प्रवेश करने वाली है। सूचना मिलते ही विभाग ने तत्काल एक विशेष टीम गठित कर सिसवा सीमा क्षेत्र में निगरानी तेज कर दी। इसी दौरान एक बलेरो वाहन नंबर इफ 24ढ 5647 को संदिग्ध अवस्था में सीमा पार करते हुए देखा गया। जब पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, तो उक्त वाहन रामगढ़वा की ओर भागने लगा। जिसका पीछा किया गया और कुछ दूरी पर जाकर

वाहन को पकड़ लिया। हालांकि, पुलिस को पीछा करते देख तस्कर वाहन को छोड़कर मौके से फरार हो गये। जांच के दौरान वाहन से कुल 75 कार्टून में भरी 675 लीटर नेपाली शराब बरामद की गई। पूरा वाहन शराब से लदा हुआ था, जिसे तस्करी के इरादे से भारत में लाया जा रहा था। इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद ने बताया कि जब्त शराब और वाहन को विभागीय प्रक्रिया के तहत कब्जे में ले लिया गया है। साथ ही फरार तस्कर की पहचान और वाहन मालिक की तलाश की जा रही है।

भविष्य के भारत की सोच

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष की ओर कदम बढ़ा रहा है। ऐसे में संघ को लेकर गहरी रुचि और जिज्ञासा सामान्य लोगों से लेकर बौद्धिक जगत में दिखाई दे रही है। संघ के संबंध में अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिन्हें विद्वानों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से लिखा है। इस श्रृंखला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर की पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' ने प्रकाशन जगत और बुद्धिजीवी वर्ग का ध्यान खींचा है। यह पुस्तक अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जब संघ की सृष्टि में रचा-बसा लेखक कुछ लिखता है, तब उसे पढ़कर संघ को ज्यादा बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। यह ऐसी पुस्तक है, जो लेखक की प्रत्यक्ष अनुभूति के साथ विकसित हुई है। संघ की यात्रा और विभिन्न मुद्दों पर संघ का दृष्टिकोण बताते हुए सुनील आंबेकर अपनी संघ यात्रा को भी रेखांकित करते हैं। यह प्रयोग संघ को व्यावहारिक ढंग से समझने में हमारी सहायता करता है। मनोगत में स्वयं लेखक सुनील जी लिखते हैं कि यह पुस्तक उनके लिए है, जो व्यवहार रूप में संघ को समझना चाहते हैं, उसके माध्यम से जिसने संघ को जिया है। सुनील आंबेकर का लंबा समय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को गढ़ने में भी बीता है। सुनील बाल्यकाल से स्वयंसेवक हैं। संघ के साथ उनके संबंध नैसर्गिक रूप से विकसित हुए हैं। नागपुर में उनका घर संघ मुख्यालय के पड़ोस में ही है। उनके घर का द्वार संघ कार्यालय के प्रांगण में ही खुलता था। यह पुस्तक पाठकों को न केवल संघ की बुनियादी जानकारी देती है अपितु भविष्य के भारत को लेकर संघ की क्या सोच है, उस पर भी यह पुस्तक बात करती है। पुस्तक के प्रारंभिक अध्यायों में संघ की स्थापना की पृष्ठभूमि पर चर्चा है। संघ की स्थापना के उद्देश्य, उसकी आवश्यकता और उसकी कार्यप्रणाली को ठीक प्रकार से समझना है, तब हमें संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार का जीवन चरित्र अवश्य पढ़ना और जानना चाहिए। इस पुस्तक में यह उल्लेख एक से अधिक स्थानों पर आया है। डॉक्टर साहब क्रांतिकारी संगठनों में रहे, कांग्रेस में भी सक्रिय रहे। वे नागपुर में कांग्रेस के प्रमुख नेता थे। डॉक्टर साहब के पास सामाजिक-राजनैतिक क्षेत्र का समृद्ध अनुभव था, उसी में से उनके हृदय में संघ बीज का प्रस्फुटन हुआ। सुनील जी लिखते हैं, डॉक्टर साहब का मानना था कि भारत की गुलामी का कारण केवल विदेशी ताकतें नहीं हैं, जिन्होंने आक्रमण किए, अपितु आंतरिक कलह और मतभेद भी इसके कारण रहे हैं। एक ऐसे स्थान की आवश्यकता थी, जहां सब बड़े-छोटे या अन्य लोग किसी भी प्रकार के भेदभाव को भूलकर संवाद कर सकें। इसी विचार ने आगे चलकर शाखा की संकल्पना को जन्म दिया। समर्थ गुरु रामदास और छत्रपति शिवाजी महाराज के चरित्र से समाज को संगठित करने का पाठ सीखकर डॉक्टर हेडगेवार ने एक ऐसे संगठन का निर्माण किया, जो व्यक्ति केंद्रित नहीं अपितु तत्व उसके मूल में है। संघ की मूल अवधारणाएं बताते हुए लेखक सुनील लिखते हैं, जिन मूल केंद्रीय अवधारणाओं से संघ के विचार का जन्म हुआ, ये हैं- राष्ट्रीयता, एकात्मता और सामूहिकता। वे आगे लिखते हैं, संघ के साथ जितना मेरा अनुभव रहा है, मुझे लगता है कि यह सामंजस्य, विश्वास एवं पारस्परिक आदर का भाव स्थापित करनेवाली और एकत्व स्थापित करनेवाली एक शक्ति है। पुस्तक में अन्य स्थानों पर भी संघ की मूल अवधारणाओं की व्याख्या की गई है, उन्हें अलग-अलग ढंग से समझाने का प्रयास किया गया है। संघ के बारे में एक बात सबको समझनी चाहिए कि यह कोई जड़ संगठन नहीं है। समाज के साथ बहनेवाला जीवंत संगठन है, जो देश-काल-परिस्थिति के अनुसार समाज हित में अपने दृष्टिकोण को विस्तार देता है। लेकिन, संघ की मूल अवधारणाएं स्थायी हैं, उनमें परिवर्तन स्वीकार्य नहीं है। जैसे- राष्ट्रीयता को लेकर संघ का स्पष्ट मत है कि यह देश हिंदूराष्ट्र है, संघ इसी अवधारणा के साथ जन्मा और उसी को लेकर आज तक चल रहा है। इस संबंध में पूर्व सरसंघचालक बालासाहब देवरस को उल्लेखित करते हुए वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी कहते हैं, जब हमसे पूछा जाता है कि यह कैसे हुआ, वह कैसे हुआ। हमने पहले वैसा कहा था, अब ऐसा क्यों कह रहे हैं। इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देते हुए बालासाहब ने कहा था कि देखो भाई, हिंदुस्थान हिंदूराष्ट्र है, इस एक बात को छोड़कर बाकी सब बदल सकता है, क्योंकि हिंदुस्थान हिंदूराष्ट्र है। यह किसी के दिमाग की उपजी हुई बात नहीं है। आंबेकर पुस्तक में एक स्थान पर लिखते हैं कि संघ का विचार स्पष्ट और सरल है। बेशक कई विद्वानों ने संघ पर कई गहन एवं जटिल ग्रंथ लिखे हैं, किंतु केंद्रीय अथवा मूल विचार एक ही है- अच्छे बनो और उस अच्छाई को दूसरों की भलाई के कार्य करते हुए समाज में प्रकट करो। संघ की शाखा क्या है, संघ किस प्रकार काम करता है, संगठन की रचना किस प्रकार की है। ये ऐसे प्रश्न हैं, जो उन सबके मन में रहते हैं, जो संघ को समझना चाहते हैं। इस सबका उत्तर पुस्तक में मिलता है। वहीं, आज कल बहुत से नेता एवं तथाकथित बुद्धिजीवी भ्रम का वातावरण बनाने के लिए और संघ के प्रति लोगों के मन में संदेह पैदा करने के कपटपूर्ण उद्देश्य से एक प्रश्न उछालते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ का क्या योगदान रहा है। इसका भी तथ्यापूर्ण उत्तर इस पुस्तक में मिलता है। बहुत कम लोग हैं, जो यह जानते हैं कि संघ का स्वयंसेवक बनने के बाद स्वयंसेवक एक प्रतिज्ञा करते हैं और उसे बार-बार स्मरण करते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व उस प्रतिज्ञा में एक पंक्ति आती थी- मैं हिंदूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए संघ का स्वयंसेवक बना हूं। अब चूंकि स्वतंत्रता मिल गई तो हिंदूराष्ट्र की स्वाधीनता का स्थान हिंदूराष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति ने ले लिया। यह एक पंक्ति-एक तथ्य ही, एक अदने से प्रश्न का विराट उत्तर है। इसके बाद भी अन्य तथ्य हमारे सामने पुस्तक में आते हैं, जो बताते हैं कि संघ के स्वयंसेवक न केवल आंदोलन में शामिल रहे, अपितु उन्होंने बलिदान भी दिया। जेल की सजा भी काटी। जब पहली बार कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित किया, तब संघ ने अपनी सभी शाखाओं पर 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस मनाने और प्रभात फेरी निकालने का निर्णय लिया। कुछ मूढ़मति हिंदू धर्म और हिंदुत्व की मनमानी व्याख्याएं करते हैं।

विमान हादसा : यह सरकार व सिस्टम को दोष देने का समय नहीं

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

एयर इंडिया का निजीकरण करने की आलोचना कर रहे हैं और सरकार को इस दुर्घटना का कारण मानकर उसे कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। किंतु, क्या यह व्यवहार ठीक है, जब देश के प्रत्येक नागरिक को इस दुखद प्रसंग में एक साथ खड़े होना चाहिए, जब उन्हें मृतकों के लिए शांति की प्रार्थना करनी चाहिए, तब क्या इस प्रकार के लोगों का नकारात्मक व्यवहार उचित कहा जा सकता है। कई पोस्ट पढ़ते वक्त लगा कि ये क्या लिखा जा रहा है एयर इंडिया का मालिकाना हक टाटा ग्रुप के पास है। अक्टूबर 2021 में सरकार ने एयर इंडिया का निजीकरण करते हुए इसे टाटा ग्रुप को सौंप दिया था। निजीकरण के नाम पर जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है, लेकिन सुविधाएं घटिया होती जा रही हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का जब से प्राइवेटाइजेशन हुआ है, तब से स्थिति खस्ताहाल होती जा रही है रोडवेज बसें, ट्रेनें और अब फ्लाइट। इसी तरह से किसी भी स्तर पर जाकर जिन्हें केंद्र की मोदी सरकार को कोसने का अवसर चाहिए, उन्होंने भी इस हादसे में अपने लिए अवसर ढूंढ़ लिया। अब जो यह लिख रहे हैं, उन्हें पूरी हकीकत भी पहले जान लेना चाहिए, क्योंकि समझनेवाली बात यह है कि अडानी कंपनी का काम एयरपोर्ट की देखभाल है, हवाई जहाज उड़ाने और लैंड कराने का काम एयरपोर्ट अथॉरिटी का है।

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से इस पर संवेदनाएं व्यक्त करनेवालों के साथ ही एक ऐसा वर्ग भी सोशल मीडिया पर दिखाई दे रहा है, जो लगातार इस घटना के बहाने अपनी सरकार और पूरे सिस्टम को दोषी करार देता रहा। जिन्हें देश के बड़े उद्योगपतियों से आपत्ति है, उनका विरोध यहां तक पहुंच गया है कि वह उन्हें भी इस हादसे का दोषी करार दे रहे हैं। एयर इंडिया का निजीकरण करने की आलोचना कर रहे हैं और सरकार को इस दुर्घटना का कारण मानकर उसे कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। किंतु, क्या यह व्यवहार ठीक है, जब देश के प्रत्येक नागरिक को इस दुखद प्रसंग में एक साथ खड़े होना चाहिए, जब उन्हें मृतकों के लिए शांति की प्रार्थना करनी चाहिए, तब क्या इस प्रकार के लोगों का नकारात्मक व्यवहार उचित कहा जा सकता है। कई पोस्ट पढ़ते वक्त लगा कि ये क्या लिखा जा रहा है एयर इंडिया का मालिकाना हक टाटा ग्रुप के पास है। अक्टूबर 2021 में सरकार ने एयर इंडिया का निजीकरण करते हुए इसे टाटा ग्रुप को सौंप दिया था। निजीकरण के नाम पर जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है, लेकिन सुविधाएं घटिया होती जा रही हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट का जब से प्राइवेटाइजेशन हुआ है, तब से स्थिति खस्ताहाल होती जा रही है रोडवेज बसें, ट्रेनें और अब फ्लाइट। इसी तरह से किसी भी स्तर पर जाकर जिन्हें केंद्र की मोदी सरकार को कोसने का अवसर चाहिए, उन्होंने भी इस हादसे में अपने लिए अवसर ढूंढ़ लिया। अब जो यह लिख रहे हैं, उन्हें पूरी हकीकत भी पहले जान लेना चाहिए, क्योंकि समझनेवाली बात यह है कि अडानी कंपनी का काम एयरपोर्ट की देखभाल है, हवाई जहाज उड़ाने और लैंड कराने का काम एयरपोर्ट अथॉरिटी का है। फिर भी उद्योगपति गौतम अडानी की जो प्रतिक्रिया सामने आई है, वह एक बार सभी को अवश्य देखना चाहिए। अडानी ने कहा, हम एयर इंडिया की फ्लाइट 171 की त्रासदी से स्तब्ध और बहुत दुखी हैं। हमारी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अकल्पनीय क्षति झेली है। हम सभी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और जमीन पर मौजूद परिवारों को पूरा समर्थन दे रहे हैं। इस वक्त अडानी समूह एयर इंडिया के विमान के

दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय में काम कर रहा है। एयरपोर्ट के ऑपरेटर के तौर पर अडानी ग्रुप की ग्राउंड टीमें घटनास्थल पर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वालों में से थीं, जो एयरपोर्ट संचालन और राष्ट्रीय आपदा टीमों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए काम कर रही थीं। यहां इससे अधिक हम क्या अपेक्षा कर सकते हैं अडानी ग्रुप से, जबकि वह तो अपना काम अच्छे से कर ही रहा है। हालांकि यह गहन जांच का विषय है कि उक्त हादसा हुआ क्यों, पर हमें इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि यह पहला मौका नहीं है, जब बोइंग का कोई विमान क्रैश हुआ है। हादसों के मामले में बोइंग विमानों का इतिहास दागदार है। इससे पहले 2024 में दक्षिण कोरिया में बोइंग का विमान क्रैश हुआ था, जिसमें लगभग 180 लोगों की जान चली गई थी। इसमें बोइंग का 737-800 एयरक्राफ्ट शामिल था, जो 737 मैक्स का नया वर्जन था। 2018 और 2019 में भी बोइंग 737 मैक्स का विमान क्रैश हुआ था, जिनमें लायन एयर फ्लाइट 610 और इथियोपियन एयरलाइंस फ्लाइट 302 शामिल थीं। इन दुर्घटनाओं में 346 यात्री और क्रू मेंबर्स की जान चली गई। इस संबंध में अभी तक सामने आए आंकड़ों के अनुसार, बोइंग विमान दुनिया भर में लगभग 6000 दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं। इसमें 415 घातक थीं और 9000 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है। दुनिया भर में हजारों यात्री विमानों में कम से कम 4000 से ज्यादा विमान बोइंग 737-800 हैं। न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में बोइंग विमानों का इस्तेमाल प्रमुखता से किया जाता है। वहीं, पिछले कुछ वर्षों में पायलटों ने इंजन में बर्फ जमने, ईंधन रिसाव, जनरेटर की विफलता और विद्युत प्रणाली में खराबी जैसी समस्याओं की भी शिकायत की है। इन्हीं कमियों के चलते 2024 में कंपनी के एक इंजीनियर, व्हिसलब्लोअर सैम सालेहपुर ने ड्रीमलाइनर के मुख्य भाग में संरचनात्मक समस्याओं के बारे में अमेरिकी सीनेट को बताया था। इसके बाद बोइंग फिर से जांच के दायरे में आ गया। उन्होंने दावा किया था कि छोटी-छोटी खामियां और सही असेंबलिंग न होना विमान के जल्द खराब होने और संरचनात्मक विफलता का कारण बन सकते हैं। एफएए ने एक जांच शुरू की, जो अभी भी जारी है। स्वभाविक है, जब तक जांच का कोई परिणाम नहीं आ जाता, ये विमान आसमान में पूरी दुनिया में उड़ते रहेंगे। वस्तुतः यहां हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि इस विमान को आधुनिक ओर सक्षम विमान माना जाता है, लेकिन इन विमानों का इतिहास सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा रहा है। यह विमान ही क्यों पूरा हवाई सेक्टर ही हमेशा से चिंताओं से भरा रहा है। लाख सावधानी और सुरक्षा के बाद भी घटना कहीं भी कभी भी घट सकती हैं। यह कोई दावा किसी भी स्तर पर नहीं कर सकता कि दुर्घटना का पता पहले से लगाया जा सकता है। इस केस में पहले प्लेन के पायलट सुमित सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर ने 'मेडे' कॉल किया था। एयर ट्रैफिक कंट्रोल को हादसे के पहले यह बताने की कोशिश की थी कि विमान में कुछ गड़बड़ी है 'मेडे' कॉल का मतलब पायलट के पास मदद मांगने का समय था, लेकिन प्लेन कंट्रोल करने का नहीं। इसका मतलब यह भी है कि इस विमान में अचानक से आई कोई बड़ी खराबी रही, जो इसके हादसे का कारण बना है। वास्तव में यह वक्त अपनी सरकार पर दोषारोपण करने का नहीं, बल्कि जो मृत हुए हैं, उनके प्रति अपनी सांत्वना व्यक्त करने का है। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है। पति-पत्नी के साथ उनके दो जुड़वां बच्चे और एक बेटे की जो अंतिम फोटो सामने आई है, वह सभी को भावुक करती है। प्रतीक जोशी जो लंदन में पेशे से डॉक्टर थे, उनकी पत्नी कोमी व्यास, जुड़वां बेटियां मिराया जोशी और प्रद्युत जोशी, बेटा नकुल जोशी के साथ यात्रा कर रहे थे। प्लेन के टेकऑफ होने से पहले उन्होंने सेल्फी भी ली थी, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। मरनेवालों में कई लोग तो अपनी बहुत जिंदगी जी चुके थे, लेकिन ये तीनों बच्चे तो अभी बहुत छोटे ही थे, जिन्हें जीवन में बहुत कुछ देखना था, पर अनहोनी के बारे में क्या भविष्यवाणी की जा सकती है। इस प्लेन क्रैश में नई नवेली दुल्हन खुशबू की पहली उड़ान ही उसके लिए आखिरी साबित हुई, जो अपने पति के पास लंदन जा रही थी। एक भारत की बेटी राजस्थान के उदयपुर की रहने वाली पायल खटीक जो अपने सपनों को उड़ान देने के लिए लंदन जा रही थी, उसके परिवार के लिए उसकी ये यात्रा अंतिम साबित हुई है। वस्तुतः इस तरह की अनेक कहानियां हैं, जिन्होंने अपना सब कुछ खो दिया, हर कहानी बहुत भावुक करती है और जिंदगी का सबक भी देती हैं कि जीवन में अंतिम क्षण कब, कहां आ जाए कोई भरोसा नहीं। ये सभी यात्री थे, लेकिन जो कहीं यात्रा नहीं कर रहे थे, ऐसे विमान हादसे में कम से कम पांच एमबीबीएस के छात्र, एक पीजी रेजिडेंट डॉक्टर और बीजे मेडिकल कॉलेज अहमदाबाद के सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर की पत्नी की भी मौत हुई है। इस हादसे में 60 से अधिक मेडिकल छात्र घायल हुए हैं। अब तक जान गंवाने वालों का आंकड़ा 265 पर जा पहुंचा है। रेस्क्यू टीमों ने विमान के ब्लैकबॉक्स, फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर बरामद कर लिया है, अब रिपोर्ट आनी बाकी है, जिसके बाद यह खुलासा हो सकेगा कि हादसे से पहले अंतिम पलों में में हुआ क्या था।

चीन की नीतियों से संकट में तिब्बती संस्कृति

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की तिब्बत में लागू की जा रही सांस्कृतिक और राजनीतिक नीतियों को लेकर एक नई अमेरिकी रिपोर्ट में गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के शासनकाल में तिब्बती बच्चों को जबरन चीन की संस्कृति और भाषा में ढालने की कोशिश हो रही है, जिससे उनकी पारंपरिक पहचान और धार्मिक स्वतंत्रता को गहरा आघात पहुंच रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन सरकार ने तिब्बती बच्चों को कम उम्र में ही उनके परिवारों और समुदायों से अलग करके आवासीय बोर्डिंग स्कूलों में भेजना शुरू कर दिया है, जहां उन्हें सिर्फ मंदारिन भाषा सिखाई जा रही है और तिब्बती भाषा, संस्कृति और बौद्ध परंपराओं से दूर रखा जा रहा है। लगभग दस लाख तिब्बती बच्चे अब इन सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं, जहां उनका संपर्क पारंपरिक तिब्बती शिक्षा और धार्मिक वातावरण से कट जाता है। रिपोर्ट कहती है कि यह सिर्फ भाषा की शिक्षा नहीं है, बल्कि यह तिब्बती पहचान को मिटाने की एक संगठित कोशिश है। रिपोर्ट के अनुसार, धार्मिक मामलों पर निगरानी रखने वाले अधिकारियों द्वारा बौद्ध भिक्षुओं और ननों पर कड़ा नियंत्रण रखा जा रहा है। उन्हें सरकार की अनुमति के बिना धार्मिक शिक्षा देने की मनाही है। यहां तक कि बच्चों को मठों में प्रवेश करने या धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने से भी रोका जा रहा है। कई मठों पर निगरानी कैमरे लगाए गए हैं और भिक्षुओं को अपनी धार्मिक निष्ठा के बजाय चीन के प्रति देशभक्ति दिखाने के लिए मजबूर किया जाता है। शी जिनपिंग द्वारा बार-बार राष्ट्रीय एकता और चीनी राष्ट्र की एकता की बात की जाती है, लेकिन आलोचकों का कहना है कि इसके नाम पर सांस्कृतिक विविधता को खत्म किया जा रहा है। तिब्बत, शिनजियांग और इनर मंगोलिया जैसे क्षेत्रों में स्थानीय भाषाओं और परंपराओं को दबाकर चीनी पहचान को थोपने का प्रयास किया जा रहा है। तिब्बती के साथ-साथ उइगर मुसलमानों और मंगोलियन सभ्यता और संस्कृति के लोगों को भी इसी तरह से थोपी गई नीतियों से दबाया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2014 से अब तक शी जिनपिंग ने बार-बार यह दोहराया है कि सभी जातीय समूहों को एक साझा राष्ट्रीय पहचान के तहत आना चाहिए। इस विचारधारा के तहत स्थानीय पहचान और विविधता को कम किया जा रहा है। भारत में मौजूद निर्वासित तिब्बती सरकार (सेंट्रल तिब्बती एडमिनिस्ट्रेशन) ने इस अमेरिकी रिपोर्ट का समर्थन करते हुए कहा है कि तिब्बती बच्चों को जबरन मंदारिन सिखाकर और उनकी मातृभाषा को हटाकर चीन उनकी सांस्कृतिक जड़ों को नष्ट करना चाहता है। भारत के धर्मशाला स्थित प्रशासन ने यह भी कहा कि तिब्बती बच्चों को जो शिक्षा दी जा रही है, वह न केवल उनकी भाषाई पहचान मिटा रही है, बल्कि उनके धार्मिक और नैतिक मूल्यों को भी तोड़ रही है। यूएन ह्यूमन राइट्स कमीशन और एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे संगठनों ने चीन के इस रवैये की पहले भी आलोचना की है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, तिब्बत में धार्मिक स्वतंत्रता पर गंभीर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं और सरकार द्वारा नियंत्रित शिक्षा प्रणाली में बच्चों को देशभक्त नागरिक के रूप में ढाला जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और उसके बाहर रहने वाले तिब्बती बच्चों के लिए हजारों आवासीय स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। इन स्कूलों का मकसद बताया जाता है कि यह आधुनिक शिक्षा और जीवन कौशल प्रदान करते हैं, लेकिन आलोचक कहते हैं कि ये स्कूल एक तरह से री-एजुकेशन कैंप हैं, जहां बच्चों को चीनी संस्कृति में ढालने का प्रयास होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूलों में न केवल मंदारिन को मुख्य भाषा बनाया गया है, बल्कि पाठ्यक्रम भी इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि उसमें तिब्बती इतिहास, धर्म या संस्कृति के लिए कोई स्थान नहीं है। तिब्बत में धार्मिक गतिविधियों, साहित्य, सोशल मीडिया और यहां तक कि पारिवारिक समारोहों तक पर सरकार की सख्त निगरानी है। किसी भी असहमति को अलगाववाद या राष्ट्रविरोधी गतिविधि मानकर दंडित किया जा सकता है। कई मामलों में भिक्षुओं और धार्मिक नेताओं को हिरासत में लिया गया है या उन्हें जबरन देशभक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए मजबूर किया गया है। यह प्रशिक्षण उन्हें उनकी संस्कृति से काटने का एक जरिया है। अमेरिकी रिपोर्ट में बताया गया है कि तिब्बत में शिक्षकों को विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि वे बच्चों को राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का पाठ पढ़ाएं। शिक्षकों पर दबाव डाला जाता है कि वे बच्चों की वैचारिक सोच को चीन के अनुसार ढालें। इस प्रक्रिया में बच्चों को न केवल उनके धार्मिक विश्वासों से अलग किया जाता है, बल्कि पारिवारिक और सांस्कृतिक मूल्यों से भी दूर किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह प्रक्रिया जारी रही तो अगली पीढ़ी के तिब्बती युवा अपनी भाषा, धर्म और संस्कृति से पूरी तरह कट जाएंगे। इससे न केवल उनकी पहचान पर संकट मंडराएगा, बल्कि तिब्बती समुदाय की सामाजिक संरचना और आत्मसम्मान पर भी गंभीर प्रभाव पड़ेगा। एक तिब्बती मानवाधिकार कार्यकर्ता के शब्दों में, हमारी संस्कृति को मिटाने की यह प्रक्रिया गुप्त नहीं, बल्कि खुलेआम हो रही है- स्कूलों, मठों और हर सार्वजनिक स्थान पर। हालांकि अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश तिब्बती मुद्दों पर चीन से सवाल करते रहे हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

योग एक बार फिर लोगों को साथ लाता है! आंध्र प्रदेश के लोगों को बधाई, जिस तरह से उन्होंने योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए आंदोलन को मजबूत किया है। योगंधरा पहल और विशाखापत्तनम में कार्यक्रम, जिसमें मैंने भी भाग लिया, हमेशा कई लोगों को अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के लिए प्रेरित करेगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जनसंघ के संस्थापक सदस्य और कुशल संगठन शिल्पी श्रद्धेय सुंदर सिंह भंडारी जी की पुण्यतिथि पर कोटिशः नमन। सादगीप्रिय, अनुशासित और विचारधारा के लिए समर्पित सुंदर सिंह भंडारी जी आजीवन संघ, संगठन और समाजसेवा के प्रति कटिबद्ध रहे। राजनीति में शुचिता, समर्पण व वैचारिक दृढ़ता के लिए प्रसिद्ध भंडारी जी ने युवाओं को एकजुट कर आपातकाल का मुखरता से विरोध किया।

(अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

हेमंत सरकार की घोर लापरवाही का खामियाजा गोड्डा की एक मासूम बेटी को अपनी जान देकर भुगतना पड़ा। छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई बच्ची के परिजन घंटों तक एम्बुलेंस का इंतजार करते रहे, लेकिन सरकारी एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंची। स्वास्थ्य मंत्री और विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता और भ्रष्टाचार अब सीधे जनता की जान पर भारी पड़ रही है।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

आर्थिक रूप से और सक्षम बनने का समय

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का अलग-अलग पहलुओं से विश्लेषण जारी है। इस सैन्य अभियान की सफलता ने मुख्य रूप से तीन सराहनीय पहलुओं को रेखांकित करने का काम किया। पहला भारत सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, जिसने पहलगाम में आतंकवादियों के कायरतापूर्ण, बर्बर और शर्मनाक कृत्य के जवाब में एक अपेक्षित एवं प्रभावी कार्रवाई को सुनिश्चित किया। दूसरा, स्वदेश विकसित एवं निर्मित हथियार प्रणालियों की सफलता और हमारे सशस्त्र बलों का अद्वितीय साहस। तीसरा, देश के सभी वर्गों, जातियों, पंथों के लोगों ने राजनीतिक विचारधारा से परे जाकर हमारे सैनिकों की वीरता के समर्थन और प्रशंसा में एकजुटता का प्रदर्शन किया। इस सफलता में गर्व की अनुभूति और ज्यादा बढ़ गई, क्योंकि स्वदेश निर्मित रक्षा प्रणालियों ने अपनी उपयोगिता साबित की। इसने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की गति को और तेजी देने की आवश्यकता को दिखाया है। इसके लिए हमें आर्थिक रूप से सक्षम बनना होगा। यहां यह न भूला जाए कि कुछ देश अपने आर्थिक रुतबे को ही ताकत बनाकर न केवल पड़ोसियों, बल्कि दुनिया भर को धौंस दिखाने का काम करते हैं। यहां तक कि वे नैरेटिव पर भी नियंत्रण रखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद और आतंकवादियों को जड़ से मिटाने का एलान किया है। निःसंदेह राजनीतिक संकल्पशक्ति और हमारे सैन्य बलों का पराक्रम तात्कालिक रूप से इस चुनौती से निपटने में सक्षम हैं, लेकिन इसका दीर्घकालिक उपाय आर्थिक मजबूती से ही जुड़ा है कि हमें परेशान करने की मंशा रखने वालों के मन में यह भय व्याप्त हो कि भारत पर बुरी नजर डालने के नतीजे कितने भयावह होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की पहल से 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का जो एक राष्ट्रीय स्वप्न परवान चढ़ा है, उसके साकार होने पर ऐसी निवारक शक्ति सहज ही प्राप्त की जा सकती है। हालांकि इस सपने की पूर्ति के लिए देश को निरंतर आठ प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर प्राप्त करनी होगी। ऐसी ऊंची वृद्धि कम से कम 36 प्रतिशत के सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) के जरिए ही प्राप्त की जा सकती है। यह तभी संभव है, जब बचत और निवेश दर कुल आर्थिक उत्पादन के 36 प्रतिशत से अधिक हो। अफसोस की बात यह है कि जीसीएफ लगातार घटने पर है। वित्त वर्ष 2024 में यह और घटकर 31.4 प्रतिशत हो गया, जबकि वित्तीय वर्ष 2023 में यह 32.8 प्रतिशत था। इसका मुख्य कारण निजी क्षेत्र के निवेश में कमी आना है। निजी क्षेत्र का निवेश भी वित्त वर्ष 2023 के 25.8 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 24 प्रतिशत ही रह गया। इस दौरान रिकार्ड सरकारी निवेश हुआ, लेकिन वह इस मोर्चे पर कमी को पूरा करने के लिहाज से पर्याप्त नहीं। जीडीपी वृद्धि दर को गति देने के दो रास्ते हैं। एक निवेश यानी आपूर्ति केंद्रित और दूसरा मांग यानी उपभोग केंद्रित। जहां चीन ने निवेश केंद्रित राह अपनाई तो भारत ने उपभोग आधारित विकल्प की ओर कदम बढ़ाए। सुसंगत आर्थिक वृद्धि तभी सुनिश्चित होती है, जब आपूर्ति (निवेश) और मांग (उपभोग) में समन्वय स्थापित हो सके। निवेश आधारित मॉडल रोजगार सृजन को बढ़ावा देता है, जिससे आय बढ़ती है और अंततः उपभोग बढ़ता है, जबकि मांग आधारित वृद्धि में मांग सृजन के लिए लगने वाली अवधि विलोपित हो जाती है और निवेशक को अपनी पूंजी निवेश पर कहीं अधिक तेजी से प्रतिफल प्राप्त होता है। मांग आधारित वृद्धि में निवेश तब गति पकड़ता है, जब क्षमता उपयोग 75 प्रतिशत के स्तर को छू लेता है। रिजर्व बैंक के अनुसार विनिर्माण क्षमता उपयोग का स्तर 76.7 प्रतिशत पर पहुंच गया है, लेकिन अभी भी निजी निवेश अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा है। कंपनियों के बही-खातों के संतुलन और पूंजी की लागत में बड़ी गिरावट जैसे पहलू भी चुनौती बने हुए हैं। संभव है कि वैश्विक अनिश्चितताएं निजी क्षेत्र के निवेश को लेकर अनिश्चितताएं पैदा कर रही हैं।

कीमतों में नरमी

मई माह के मुद्रास्फीति के आंकड़े बताते हैं कि एक महीने में कितना कुछ बदल सकता है। मई में खुदरा मुद्रास्फीति 75 महीने के निम्नतम स्तर 2.8 फीसदी पर आ गई और इस गिरावट की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी थी। थोक मुद्रास्फीति भी घटकर मात्र 0.4 फीसदी रह गई, जोकि एक साल से ज्यादा की अवधि में सबसे कम है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट के अलावा इस नरमी की मुख्य वजह कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में 12.4 फीसदी की भारी गिरावट थी। तेल की ज्यादा आपूर्ति और धीमी होती वैश्विक अर्थव्यवस्था के चलते मई तक के महीनों में तेल की कीमतों में काफी गिरावट देखी गई। चूंकि भारत अपनी तेल संबंधी जरूरतों का लगभग 80 फीसदी आयात करता है, लिहाजा देश में थोक मुद्रास्फीति आखिरकार कम हुई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 11 जून को अपनी मौद्रिक नीति के एलान में पूवानुर्मान लगाया था कि इस साल मुद्रास्फीति औसतन 3.7 फीसदी रहेगी, जो अप्रैल में किए गए उसके चार फीसदी के पूवानुर्मान से कम है। कुछ विश्लेषकों के मुताबिक, जून में खुदरा मुद्रास्फीति कम होकर दो फीसदी तक पहुंच सकती है, जो आरबीआई को सुकून देने वाले स्तर का निचला बिंदु है, क्योंकि वर्तमान कारक आंकड़ों को काफी देरी से प्रभावित करते हैं। कुल मिलाकर कुछ समय पहले तक तो यही लग रहा था कि मुद्रास्फीति में कमी जारी रहेगी। लेकिन, फिर इजरायल ने ईरान पर हमला कर दिया और देशभर में मानसून की प्रगति धीमी हो गई। इन दोनों घटनाओं से दो प्रमुख कारकों, ईंधन और खाद्यान्न पर प्रभाव पड़ने की आशंका है। इन्हीं दोनों कारकों के चलते अब तक समग्र मुद्रास्फीति में गिरावट आई थी। बीते 13 जून को ईरान पर इजरायल के हमले के बाद एक ही दिन में तेल की कीमतों में आठ फीसदी तक का उछाल आया। पिछले हफ्ते खबर दी थी गई कि दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने और इसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण होरमुज जलडमरूमध्य के अवरुद्ध होने से भारतीय निर्यात और आयात की शिपिंग लागत में 40-50 फीसद का इजाफा हो सकता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Chart a path out of dark woods

The cycle of communal killings in Dakshina Kannada and Udupi districts of Karnataka appears to be unending. Sectarian fire has spread far in these two coastal districts, sometimes touching the neighbouring Uttara Kannada district as well. Even as the killings go on and provocative hate speeches keep the pot boiling, successive governments have done little to douse the fire. As a result, the region has become a communal laboratory where both Hindus and Muslims vie for each other's blood.

The region, a Congress bastion earlier, has become a BJP stronghold in the last two to three decades. The BJP has not lost any of the last nine Lok Sabha elections from the Dakshina Kannada/Mangaluru seat since 1991, whereas it is a mixed bag in Udupi/ Chikkamagaluru districts. The BJP bagged 17 and 16 of the 19 assembly seats in the three coastal districts in 2018 and 2023, respectively.

Dakshina Kannada, with the prosperous Mangaluru as its headquarters, is second only to Bengaluru Urban in revenue generation and GST collection. The coastal region is a major educational centre where tens of thousands of students study in nine medical colleges, seven engineering colleges, and countless other institutions. It has the highest literacy rate in the state.

The district is also a significant financial centre, having seen the birth of several banks. It is home to several specialty hospitals, an international airport, a major port, several industries and many well-known temples. With high urbanisation, the region's transport and communication networks are better than in all other districts except Bengaluru.

Still, there is unemployment and the rich-poor gap is widening, contributing to the divide on the basis of religion. Riots, which were once confined to urban areas, are now seen in rural pockets too.The region had its first brush with communal tension way back in 1976, when a newspaper agent, Ismail, was murdered and violence broke out in its wake. Two years later, Raghavendra Nagori, the editor of a local daily, was killed in what was seen as a retaliation. So far, more than 50 communal murders have been reported over the last 30 years from the coastal districts, some of which have led to riots, forcing the shutdown of the region's main cities.While a couple of decades in the middle were relatively calm, rightwing trouble-makers had an eye on Bhatkal, a Muslim-majority town that gained infamy because of the terrorists Riaz and Yasin Bhatkal. The RSS sent to the town a full-time karyakarta, Dr U Chittaranjan. The doctor-turned MLA soon gained popularity among both the communities with his affable manners and ?5 fee per patient. Bhatkal saw no violence after the Babri masjid demolition.But turf war in this fishing town— where Muslims mainly belong to the Nawayat sect and speak Nawaity, which is close to Persian—was brewing between the RSS and Muslim organisations for control of the municipality. This led to riots in 1993, in which 19 people from both communities were killed. In 1996, Dr Chittaranjan was shot dead in his house. The probe was handed over to the CBI, which could not arrive at any conclusion over the killers.Despite the murder, neither Bhatkal nor Uttara Kannada had witnessed any major communal incident till recent times. The BJP tried to paint with communal colours the death of one Paresh Mesta near Honnavar in 2017, and held massive protests across Karnataka. But the CBI, which probed the death, concluded it was an accidental death, not murder. However, the saffron outfit's electoral gains were massive. It has won all Lok Sabha elections from 1996 till now, except once, from the Uttara Kannada seat (two assembly segments here belong to Belagavi district).

Global lessons in realpolitik

THE GREAT GAME: Trump's feting of Pakistan's two top generals in the White House — army chief Asim Munir and ISI chief Gen Asim Malik — is proof the US is checking out Pakistan as a potential frontline state with Iran.

THE thing about foreign policy is, that it changes faster than Chandigarh's fickle weather and you have no idea how to deal with an approaching storm until it bursts over your head.Something like this happened in Kananaskis last week. Prime Minister Narendra Modi travelled 11,056 km from Delhi, via Cyprus, to attend one session at the G7 summit where some of the world's most powerful men had gathered — except Donald Trump left early because Israel had bombed Iran and Pakistan's Field Marshal Asim Munir, it later turned out, was showing up at the White House for lunch. (And yes, it was halal.)

Here, then, are three learnings from the global mood change this week :First, like Arjuna in the Mahabharata, keep your eye on the eye of the fish. From revving up the 2019 slogan, 'Abki baar, Trump sarkar,' to turning down Trump's invite to drop in to see him in Washington DC, has been a long and sobering journey for PM Modi. The key lesson in realpolitik here is that there are no permanent friends or enemies, just permanent interests.

The PM is a master of this game on the domestic politics front. He is able to beautifully manage the contradictions, for instance, between his avowed admiration for Dalit leader BR Ambedkar and his party's earlier discomfort with a caste census — and yet, after much badgering from the Congress, such a caste enumeration was announced.

It may well be that the BJP can wrest the credit for this, especially since the Congress remains more or less disorganised. The PM has well managed the dissonance on this matter at home. He must do the same on the foreign affairs front.The second much-needed change is the ability to be realistic. Trump's feting of Pakistan's two top generals in the White House — army chief Asim Munir and ISI chief Gen Asim Malik — is proof the US is checking out Pakistan as a potential frontline state with Iran, in case the conflict with Israel escalates. Besides, Pakistan has an ingress with China like few others.America understands well the nature of power. By ignoring the Pakistani political leadership and talking to its military establishment, Trump is making clear he has no time for frills. He knows that if anyone can deliver what he wants, it's the military establishment in Rawalpindi.Does this mean that America no longer cares to believe the Indian position, which is that Pakistan is a sponsor of cross-border terrorism? Or that it no longer believes that the Pahalgam attack was carried out by Pakistani handlers?The answer is both yes and no. The US surely continues to agree with India's analysis of Pakistan's sponsorship of cross-border terror into India. Unfortunately, its need of Pakistan at this moment seems to be more important than the hurt it may have caused Indians who thought that Trump and Modi would always be fast friends.The point here is that Trump believes he can be best friends with both Asim Munir and Modi — in fact, not just Trump, all big powers have the ability to deal with nations and leaders it may not like much and who may not like each other. That's a necessary ingredient of big power-ship.Which is why the international community is probably mystified why there's such a storm in the Delhi teacup about so-called US "mediation" on the India-Pakistan May 10 ceasefire, especially when everyone knows that US diplomats were separately talking to both Indians and Pakistanis to call it off.

Which is how it exactly turned out, in the aftermath of the IAF bombing 11 Pakistani airfields on May 10 : When the Americans called their counterparts in Delhi, telling them to end the pulverisation of Pakistan, they were told they should tell the Pakistani side to call the Indian side to make that request. Which is what the Pakistani DGMO did later that day.The third change in the global mood this week is a strengthening of rhetoric against the Israeli bombing of Iran. Trump's early support of Israel is giving way to a pause. Russia and China have already come out against Israel and the rest of Europe is talking once again about the need to use diplomacy. The Arab street remains deeply worried. It seems as if the world is gathering itself to prevent an expansion of the conflict in the Middle East.

In this situation, troubling questions remain over India's abstentions both at the UN and at the China-led Shanghai Cooperation Organisation (SCO) on resolutions against Israel. The answer, of course, is the personal chemistry between the PM and Benjamin Netanyahu and the consequential friendship between India and Israel. The Israeli PM called Modi and, no doubt, sought his support.

As the global order shifts again, it might be time for New Delhi to expand its relationships with all the powers again, all around, and return to a multi-alignment it had once so carefully crafted and maintained for decades. Certainly, there is much to promote the idea of allying yourself with a strong power and riding on its coattails in the acquisition of strength — with the US, for example — instead of spreading yourself too thin among a galaxy of powers.The problem with alliances, of course, is the danger of becoming a camp follower. On the other hand, walking alone, as Rabindranath Tagore once proposed, is hardly a mantra in the 21st century. India's ideal should be to make friends and influence people — to try and change, like Mary Poppins once said, the direction of the wind in its favour.

Parse Keezhadi findings without political pulls

As political parties in TN took up the cudgels to defend his report, the Union minister of culture called for more scientific proof to validate the findings

The Keezhadi debate has returned to dominate political discourse in Tamil Nadu. The village in Tamil Nadu's Sivaganga district, located about 12 km from Madurai, is an archaeological treasure trove. Findings from the site have suggested that an urban civilisation and language was thriving near Vaigai river as early as 580 BCE, upending previously accepted theories regarding the emergence of civilisation in the subcontinent. However, as the latest eruption of controversy suggests, the journey forward from these discoveries has been far from straightforward.The Archaeological Survey of India (ASI) recently asked the archaeologist who led the first two seasons of excavation at the site to answer some fresh questions and revise the report he had submitted in 2023. Amarnath Ramakrishna, the archaeologist who was transferred out before the third season in 2017, refused to revise his report. As political parties in TN took up the cudgels to defend his report, the Union minister of culture called for more scientific proof to validate the findings. The DMK accused the BJP of attempting to suppress Tamil identity, history and culture, and had its students' wing mount protests demanding the report's release. The contentions hark back to 2017, when Ramakrishna was transferred to Guwahati and the ASI conducted one more season of excavation before stopping work at the site. The next seven seasons of digging were conducted by the state archaeological department.Beyond the noise and fury are two key factors. First, the finds from Keezhadi are seen by TN political parties and a section of the state's populace as a matter of Tamil pride in the antiquity of their language and civilisation. Others allege that Keezhadi is being used as a political gambit to validate or dispute the Aryan migration theory. The second and more important factor is the need to apply scientific and academic rigour in analysing the findings, which should be conducted without political pressure. The state archaeological department's work at the site, so far published only in short booklets, also needs to be properly documented and published in full so that experts from across the world can study it and draw conclusions. If the story of Tamil—and therefore Indian—civilisation is to be rewritten, it must be done with utter care and without politics.

Why bigger may not be better for Indian cities

Urban planning in India is often performative, going for glitzy projects that add little value to governance. To manage our cities effectively, first we need to delineate them smartly

Disparate events in recent weeks have offered a window into how India's governing class, regardless of party, sees our cities.On May 15, the Greater Bengaluru Authority (GBA) replaced, nominally for now and substantially in due course, the Bruhat Bengaluru Mahanagar Palike as the city's governing body. The chief minister of Karnataka will be GBA's chairman. Various civic functions, including land, water supply, sewage and electricity, currently provided by separate agencies under the state government, are to come under its umbrella.Later in May, the prime minister, speaking to the governing council of Niti Aayog, asked states to make cities, especially Tier 2 and Tier 3 ones, the engine of sustainability and growth, and referred to the Urban Challenge Fund (UCF) announced in this year's budget with a planned corpus of ?1 lakh crore.The UCF also anchors the $10-billion plan for India's urban transformation announced by the Asian Development Bank, after its president met with the prime Minister. Curiously, the announcement makes specific reference to "metro extensions [and] new regional rapid transit system corridors" and "private investment for urban infrastructure", indicating that the investments and UCF are targeted at larger cities.Finally, last month, following on from the trend to mandate sewage treatment plants in apartment complexes in which Karnataka is a pioneer, the newly-elected Delhi government made it mandatory for high-rise commercial, institutional and hospitality buildings to install anti-smog guns to combat air pollution.What do these events tell us about how to address three big questions that shape our approach to urbanisation? First, should we focus on the biggest cities or the not-so-big ones? Second, as K C Sivaramakrishnan, a former secretary in the ministry of urban development, was fond of asking: "Who rules the city?" And third, what should we think of as the city—the urban local body or the economic region? After all, as part of its Growth Hub initiative, Niti Aayog has advanced an economic master plan for the Surat 'region' comprising five districts.As an economist, one is tempted to favour 'large' cities, where much vaunted agglomeration economies supposedly drive economic growth. And yet, it is not clear how large a city needs to be to benefit from these economies. Boston and San Francisco, two global hotspots for new ideas, both have less than a million people. This is also true for European hubs of innovation such as Torino in Italy and Braga in Portugal.India has many more cities with a population above a million than the US, Europe and Japan combined. The districts around the 10 largest cities in India by population have less than a tenth of India's population, but a little over a fifth of India's GDP. Should one focus on these or, as the PM said, on the Tier 2 and Tier 3 cities? Might it be easier to improve governance in smaller cities compared to our large metros?Large cities are difficult to govern. Not only is their infrastructure complex and large, large cities also embed significant opportunities for rent extraction. Small changes in rules can generate substantial changes in the value of land—for example, during the redevelopment of textile mills in Mumbai.

This is true not just in India, but in other countries, too—such as the growth machines in the US and local governments in China, whose officials are often disciplined for corruption. It is understandable, therefore, if state politicians balk at handing these decisions and rents over to local representatives. By contrast, smaller cities with limited rents may stand a chance of being better governed.The GBA model is perhaps an

acknowledgment of this tension with representation. It removes local politicians from decision-making and promises better coordination across civic functions. Should this be a model for the future? What if we had a trade-off, with chief ministers controlling the capital city, as in Bengaluru, but implementing the Constitution's 74th amendment—also known as the Nagarpalika Act—in letter and spirit in the other cities of the state?Could this create an open, constructively competitive ecosystem across secondary cities, resulting in a sustainable and vibrant process of urbanisation, as hoped for by the prime minister? Eventually, those in the capital cities may also demand a voice, emboldened by an encirclement of the state capital—not Mao-like from the countryside, but by smaller cities.

Not only is urban governance not representative, it is often also performative. Like anti-smog guns, they have limited effectiveness but look modern and give the appearance of action. Delhi has shifted this expenditure to the private sector, but public money, too, is often spent on ineffective infrastructure that has popular support because of its performative aspect. Consider the metro rails in many cities. While in some they are both necessary and effective, they do little to solve the transportation problem in others. But residents feel proud to live in a city with a metro rail, unaware that for that cost they could have mitigated their transport woes with an effective bus system.Finally, the identity crisis. Is the urban local body an artificial administrative construct and should one instead consider the 'metropolitan area' or 'economic region' determined by commuting, spread of contiguous night lights, or just fiat? How can such regions be governed? Indeed, for cities like Delhi, Bengaluru and Chennai, such a region will spill across even state boundaries and trigger a series of other questions.Are investments such as the Namo Bharat regional rapid transit system, which takes less time to reach Meerut from Delhi than it does to reach parts of Gurugram by road, to be seen as guideposts? Is the preferred expansion of Delhi to be along this corridor? If so, should one shift defence operations to Jewar instead, and develop Hindon as a civilian airport.

Hyundai Motor's Exports From US Plant Plunge Amid Tariff Woes

Hyundai Motor, which exported 637,000 vehicles to the United States last year, is reportedly considering redirecting U.S.-produced vehicles to the domestic market instead of exporting them overseas.

Seoul. Hyundai Motor's vehicle exports from its US plant plunged last month, industry data showed on Sunday, as the company accelerates production realignment strategies to cope with rising tariff tensions. Hyundai Motor Manufacturing Alabama (HMMA), a U.S. production unit of the South Korean automaker, exported just 14 vehicles in June, a sharp decline from 1,303 units in the same month last year and 2,386 in May, according to the data, reports Yonhap news agency.

It marked the first time HMMA's monthly exports fell below 100 units since April 2020, during the early stages of the COVID-19 pandemic. HMMA exported a total of 22,600 vehicles last year. Industry insiders attributed the sharp decline to Hyundai's production realignment strategy aimed at mitigating the impact of Washington's tariff policies, which impose a 25 percent duty on all imported vehicles.Hyundai Motor, which exported 637,000 vehicles to the United States last year, is reportedly considering redirecting U.S.-produced vehicles to the domestic market instead of exporting them overseas.To reduce tariff exposure, te company has earlier announced plans to

boost U.S. production capacity by expanding output at its Alabama and Georgia plants to meet local demand. At the same time, it will scale back production of U.S.-bound models at Kia Corp.'s plant in Mexico."In order to minimise the impact of U.S. tariffs, we have implemented measures to shift Tucson production from Mexico to HMMA and moved HMMA's Canadian-bound production to Mexico," a Hyundai official said during an earnings call in April.In line with that shift, Hyundai shipped around 2,100 units of the Tucson crossover from Mexico in February, but that number dropped to 522 in March and has remained at zero since April. Meanwhile, South Korea's automobile exports declined slightly in April from a year earlier, largely due to a sharp drop in shipments to the United States following Washington's imposition of steep tariffs on foreign-made cars, government data showed.The value of outbound shipments of automobiles came to US$6.53 billion last month, down 3.8 percent from a year earlier, according to data from the Ministry of Trade, Industry and Energy. By region, exports to North America tumbled 17.8 percent on-year to $3.36 billion, with shipments to the U.S. plunging 19.6 percent to $2.89 billion.

Market Outlook: Iran-Israel Conflict, Crude Oil Prices, FII Activity To Drive Stock Market This Week

Market analysts warn that any further escalation in the conflict could weigh heavily on investor sentiment.

New Delhi. The coming week will be crucial for Indian equities, with market sentiment likely to be shaped by geopolitical developments, crude oil trends, and foreign institutional investor (FII) activity. The spotlight is now on the escalating Iran-Israel conflict, especially after the US launched airstrikes on Iran's nuclear facilities, marking its direct involvement in the war.

Market analysts warn that any further escalation in the conflict could weigh heavily on investor sentiment. According to Sudeep Shah, Head of Technical Research and Derivatives at SBICAP Securities, the Iran-Israel war is playing a significant role in driving market emotions."Currently, the market is witnessing selective strength as investors reassess the risks of a broader regional conflict," he noted.

Crude oil prices have remained elevated after breaching their 200-day EMA last week, although momentum has slowed slightly.Shah pointed out that persistently high oil prices are stoking fears of inflation and potential

supply chain disruptions, both of which are key concerns for the market going forward. Despite geopolitical tensions, Indian markets ended the past week on a strong note. The Nifty surged 1.59 per cent or 393.80 points to close at 25,112.40, while the Sensex rose by 1.59 per cent or 1,289.57 points to settle at 82,408.17.

This rally was led by the Nifty Private Bank Index, which gained 1.64 per cent. Other sectoral indices also performed well, with Nifty Auto up 1.51 per cent, Nifty IT rising 1.36 per cent, and Nifty Services gaining 1.48 per cent. However, the Nifty Metal and Pharma indices declined more than 1.5 per cent during the same period.

Commenting on the Nifty's outlook, Shah said, "Over the last 28 trading sessions, the Nifty has largely oscillated between 25,222 and 24,462. Notably, 16 of those sessions saw gap-up or gap-down openings, indicating continued market volatility. This pattern suggests limited opportunities for directional trades in the current environment."

Gen.AI Is Making You Dumb, Finds New MIT Study

New Delhi. A new MIT study found that using AI chatbots like ChatGPT to help write essays leads to much lower brain activity compared to writing without any digital help or even just using a search engine. The research team, led by Dr. Nataliya Kosmyna, had college students write essays under three conditions: unaided, with a search engine, or with OpenAI's GPT-4o, while monitoring their brain activity using EEG headsets.Students who used only their own brains showed the strongest and most widespread brain activity.

Those using a search engine had moderate brain engagement.The group using ChatGPT had the lowest brain activity—up to 55 Percent lower than the unaided group—indicating less cognitive effort and weaker memory formation.

When tested later, ChatGPT users remembered less about what they wrote and felt less

ownership over their work.Students who started with AI support struggled more when asked to write without it, while those who first worked unaided performed better when later given AI tools.

The researchers warn that relying on AI early in the learning process may make it harder to deeply learn and remember information. They suggest students should first try to understand and process information on their own before using AI tools to enhance their work.Dr. Kosmyna stresses the importance of teaching students to develop their own thinking skills before turning to AI, as overuse could quietly erode memory, critical thinking, and brain activity.

India's Next Phase Of Growth Must Focus On Per Capita GDP: Report

New Delhi. India has overtaken several economies in terms of GDP over the past decade, but its citizens' per capita income remains low. In this context, a report by Llama Research suggested that the next phase of India's growth must translate into individual prosperity. Manufacturing scale-up, digital formalisation, and rising income tiers are some of the factors working to India's advantage.

Noting that India ranks the lowest in per capita income among the top 10 economies, Llama Research asserted, "This isn't a flaw; it's a window of compounding potential." A tech-savvy population, solid policy framework, room for long-term capital formation, and macroeconomic stability are other positives for India, according to the report.India is not just rising in rank; it's building the foundations to lead from the ground up," Llama Research stated in its report, India's Growth: Journey from Size to Strength.To realise the vision of Viksit Bharat—a developed nation by 2047—India will need to achieve an average growth rate of around 8 percent at constant prices for about a decade or two, according to the Economic Survey document for 2024–25, tabled on January 31.India has made a significant turnaround, climbing the ladder of economic growth. From ranking 11th in 2013–14, India has positioned itself to become the fourth-largest economy. Even as India has surpassed many countries in terms of the size of its economy over the past decade, per capita income remains very low.In 2013, India was placed in the league of the 'Fragile Five' economies—a term coined by a Morgan Stanley analyst to describe five emerging countries, including India, whose economies were underperforming. The other four countries were Brazil, Indonesia, South Africa, and Turkey.Currently, India is the fifth-largest economy and among the fastest-growing major economies. It is projected to maintain this momentum over the next few years, according to many global agencies.In the current financial year, India is set to overtake Japan to become the world's fourth-largest economy, as projected by the IMF.As widely expected, the Indian economy grew by 6.5 percent in real terms in the recently concluded financial year 2024–25. In 2023–24, India's GDP grew by an impressive 9.2 percent. According to official data, the Indian economy grew by 8.7 percent and 7.2 percent in 2021–22 and 2022–23, respectively.

Suzlon shares in focus as company bags 3rd successive order from AMPIN

Suzlon Energy shares will be in focus on June 23, 2025, Monday after the company bagged 170.1 MW wind energy order from AMPIN.

New Delhi. Suzlon shares jumped on June 20, 2025 after it announced sealing a third successive order from AMPIN Energy Transition for a 170.1 MW wind project in Andhra Pradesh's Kurnool.

Suzlon shares jumped 3 percent on Friday after the announcement of the deal with AMPIN. However, the stock pared most of the gains and closed 0.69 percent high at Rs 62.96 per equity share.As per the deal, Suzlon Group, India's No.1 Wind Energy Solutions provider, will supply 54 of its advanced S144 wind turbine generators (WTGs) with Hybrid Lattice Towers (HLT), each with a rated capacity of 3.15 MW.

"Three orders from AMPIN reflect the

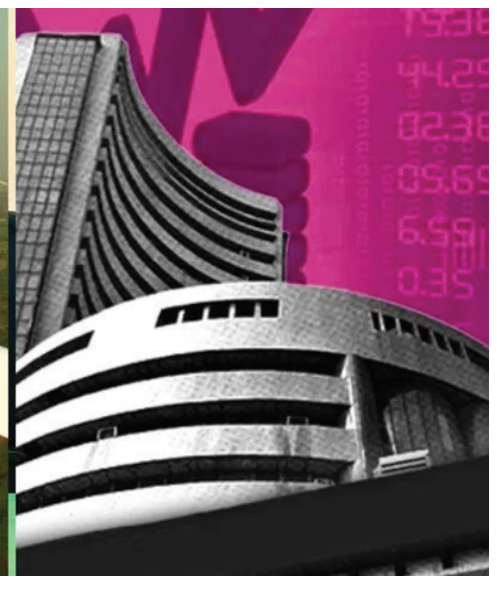

power of shared mission. Together, we're committed to a self-reliant, affordable and sustainable energy future by blending innovation, local manufacturing, and deep sectoral expertise in promoting decarbonisation of India's power distribution infrastructure." Pinaki Bhattacharyya, Founder, Managing Director & CEO, AMPIN Energy Transition Limited, said, "This project is a strategic step forward in AMPIN's journey toward a 25 GW renewable energy portfolio by 2030, reinforcing our commitment to delivering clean, dependable power to India's growing Commercial and Industrial sector," Vivek Srivastava, Chief Executive Officer, India Business, Suzlon Group, said.

Suzlon Financial Results

Suzlon's revenue from operations during the last quarter of FY25 jumped 73 percent year-on-year to Rs 3,774 crore.In 2024-25, Suzlon Energy's net profit surged to Rs 2,072 crore, while it was Rs 660 crore in FY24.

Suzlon's FY25 vs FY24

The company recorded a 118 percent increase in deliveries to 1,550 MW in FY25 from 710 MW in FY24.

67 percent increase in revenue with Rs 10,851 crore from Rs 6,497 crore

Suzlon reported 81 percent increase in EBITDA with Rs 1,857 crore in 2024-25 from Rs 1,029 crore in 2023-24

103 percent increase in profit before exceptional items and tax with Rs 1,447 crore from Rs 713 crore.

Amid Flaring Middle East Tensions, IPO Worth Rs 15,800 Crore Is Set To Hit Dalal Street This Week

New Delhi. Dalal Street is gearing up for a blockbuster week with five mainboard IPOs and eleven SME issues opening for subscription, collectively aiming to raise over rS 15,800 crore amid strong market sentiment.HDB Financial Services: HDFC Bank-promoted NBFC launches a Rs 12,500 crore IPO (Rs 2,500 crore fresh issue + Rs 10,000 crore OFS) from June 25–27, priced at Rs 700–Rs 740 per share. Listing is expected on July 2. Funds will boost Tier-I capital and support future growth.Globe Civil Projects: Infrastructure and EPC player, Rs 119 crore fresh issue, June 24–26, price band Rs 67–?71, likely listing July 1.

Ellenbarrie Industrial Gases: Industrial and medical gases firm, Rs 852.53 crore IPO (Rs 400 crore fresh + Rs 452.53 crore OFS), June 24–26, price band ?380–?400, listing July 1.

Kalpataru Projects: Real estate developer, Rs 1,590 crore fresh issue, June 24–26, price band Rs 387–Rs 414, listing July 1.Sambhv Steel Tubes: Steel pipes manufacturer, Rs 540 crore (Rs 440 crore fresh + Rs 100 crore OFS), June 25–27, price band Rs 77–Rs 82, listing July 2.

SME IPOs Opening This Week

11 SME IPOs from sectors like jewellery, food, EV tech, and infrastructure will open, including AJC Jewel Manufacturers (June 23), Abram Food (June 24), Icon Facilitators (June 24), Shri Hare-Krishna Sponge Iron (June 24), Suntech Infra Solutions (June 25), Supertech EV (June 25), and others, with listing dates spanning July 1–4.IPO Listings This Week

Eight companies will debut, including Patil Automation, Samay Project Services (June 23), Eppeltone Engineers (June 24), Arisinfra Solutions (mainboard, June 25), Influx Healthtech (June 25), and Safe Enterprises, Aakaar Medical Technologies, Mayasheel Ventures (June 27).

Residential sales plunge to 14-quarter low, under 1 lakh in Q2

New Delhi. Housing sales across India's top 9 cities during the second quarter (Q2) of 2025 (April-June) fell below 1 lakh unit mark for the first time since Q3 of 2021 while supply remained below his threshold for the fourth consecutive quarter.Sales fell by 19% on Y-o-Y basis to 94864 units while supply fell by 30% on Y-o-Y to 82027 units in the April-June period of 2025, according to data shared by real estate consultant PropEquity. Housing sales stood at 116432 units and supply stood at 117208 units in April-June period of 2024.According to the report, housing sales fell Y-o-Y in 7 out of the 9 cities with Mumbai and Thane witnessing the sharpest fall at 34% each while Delhi-NCR at 16% and Chennai at 9% were the only two cities that saw a rise in sales in April-June of 2025.Similarly, housing supply fell Y-o-Y in 6 out of the 9 cities with Mumbai recording the sharpest fall at 61% while three cities saw rise in supply, namely Delhi NCR at 37%, Hyderabad at 19% and Chennai at 6% in April-June of 2025.Samir Jasuja, Founder and CEO, PropEquity said, "There has been a decline in both sales and supply on Q-o-Q basis in Mumbai, Bengaluru and Navi Mumbai as these cities recorded their high in 2023 and 2024, and are now stabilising to their normal pace. Delhi-NCR has witnessed the maximum growth in this quarter owing to rise in supply in Ghaziabad and Greater Noida."

According to the report, housing sales in top 9 cities fell by 10% while supply rose by 2% on Q-o-Q basis. While Chennai, Hyderabad, Kolkata, Pune and Delhi-NCR saw a rise in supply, the sales rose in Chennai, Hyderabad, Kolkata and Delhi-NCR.

Rs 12k SIP in MF: When do you have to begin investing to get Rs 5 cr at 60

Kolkata. Systematic investment plans in mutual funds seems to be running on steroids. Take the month of May for instance. Though inflows into equity mutual funds hit a one-year low in May 2025, SIPs continued to rake in a rising amount of investments. It stood at Rs 26,688 crore, which is a new record. The number of SIP accounts stood at 8.56 crores in this month.

The reason for the immense popularity of SIP is the fact that it harnesses such giant compounding power that it allows an individual to generate a big amount without straining one's finances. One can invest a relatively small amount of money regularly — once a month, or a day, or a week — to run up a big amount over a long period of time. Millions of Indians aspire to become a crorepati. But let's take up a calculation to find out how long does one need to amass Rs 5 crore with a relatively small amount of investment every month.

Goal-based SIP calculator

Let's take a situation which can be quite common in this country. Suppose a youth can afford a monthly SIP of about Rs 12,000. This person has a target of amassing Rs 5 crore by the time he/she retires at the age of 60. The question is, how long is it likely to take him/her to reach the Rs 5-crore figure? Depending on the approximate time, one can also find out when he/she should begin investing to sail to the target. For the first set of calculations, let's assume that this person gets a return of 12% annually which is a significant but moderate return. Several equity funds generate a higher rate of return though.

Using the goal-based mutual fund SIP calculator, one can see that with a 12% return, it will take this person 31 years and contribute a SIP of Rs 12,655 a month. If one wants to stick to the Rs 12,000 figure, one will need a few months more. The calculator tell us that with an SIP of Rs 11,199 one can generate a value of Rs 5 crore in 32 years. Therefore, an SIP of Rs 12,000 will create a Rs 5 crore pool in somewhere between 31 and 32 years.

Two caught for harbouring Pahalgam attackers, three LeT terrorists identified

- Parvaiz and Bashir Ahmad Jothar provided shelter to attackers
- They revealed names of three terrorists involved
- Terrorists were Pakistani nationals from Lashkar-e-Taiba

The arrested accused, Parvaiz Ahmad Jothar and Bashir Ahmad Jothar, also disclosed the names of three of the terrorists involved in the April 22 attack, in which 25 tourists and a local were killed.

Agency New Delhi.

Exactly two months after 26 innocent civilians were gunned down by Pakistani terrorists in Jammu and Kashmir's Pahalgam, the National Investigation Agency (NIA) on Sunday announced that it has arrested two persons who allegedly provided shelter and logistical support to the attackers.

The two men have been identified as Parvaiz Ahmad Jothar and Bashir Ahmad Jothar, who also disclosed the names of three of the terrorists involved in the April 22 attack, in which 25 tourists and a local were killed."In a major breakthrough in the Pahalgam terror attack case, the National Investigation Agency (NIA) has arrested two men for harbouring the terrorists who had carried out the horrendous attack that killed 26 innocent tourists and grievously injured 16 others," an NIA statement said.

"The two men - Parvaiz Ahmad Jothar from Batkote, Pahalgam and Bashir Ahmad Jothar of Hill Park, Pahalgam – have disclosed the

identities of the three armed terrorists involved in the attack, and have also confirmed that they were Pakistani nationals affiliated to the proscribed terrorist outfit Lashkar-e-Taiba (LeT)," it added.

As per the investigation, Parvaiz and Bashir had knowingly harboured the three armed terrorists at a seasonal dhok (hut) at Hill Park before the attack, the agency added."The two men had provided food, shelter and logistical support to the terrorists, who had, on the fateful afternoon, selectively killed the tourists on the basis of their religious identity, making it one of the most gruesome terrorist attacks ever," the statement read further.

The anti-terror agency has arrested the duo under Section 19 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967.

On April 22, four heavily-armed terrorists stormed the Baisaran Valley in Pahalgam and shot Hindu men at point-blank range after confirming their religion.

This prompted a major military conflict between India and Pakistan with the former launching Operation Sindoor precision airstrikes on terror launchpads in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir (POK) on May 7. The strikes resulted in the annihilation of nine terrorist camps operating from the Pakistan-administered territory and over 100 terrorists were killed.In the following days, India inflicted further damage to Pakistani military infrastructure, including the Noor Khan air base in Rawalpindi in Pakistan's Punjab province.

Congress names 40 district, city unit chiefs for Gujarat

Agency New Delhi.

After a process that lasted more than two months and saw senior Congress leaders visit 26 Lok Sabha constituencies, 182 Assembly segments, and 235 Blocks, the All India Congress Committee (AICC) Saturday appointed 40 chiefs of district and city units for Gujarat under the the 'Sangathan Srijan Abhiyan' — a pilot project intended to empower the district units.

The list saw only one woman leader, Sonal Patel, who will head the Ahmedabad City unit. Patel, a former vice president of the Congress Mahila Morcha was the candidate against Union Home Minister Amit Shah in the 2024 LS polls from Gandhinagar constituency. She replaces former mayor and ex-MLA Himmatsinh Patel. "Ahmedabad city president is a position that carries a lot of weight," said a Congress leader.

At least five of the DCC presidents were repeated — Rutvij Joshi (Vadodara city), Jashpalsinh Padhiyar (Vadodara district), Naushad Solanki (Surendranagar), Pratap Dudhat (Amreli), and Rajendrasinh Rana (Bharuch city).

The party said the newly appointed DCC chiefs "represent Gujarat's social and regional diversity and have been chosen for their grassroots connection, ideological clarity, and organisational ability".At the AICC Session on April 9-10 in Gujarat, held in the state for the first time in about 60 years, district units were identified as key building blocks to build the Congress back-up. While this is a nationwide project, the Congress launched the pilot from Gujarat, a state where the party has been out of power now for 30 years and which is identified most closely with the BJP's rise post-Modi.The party on April 12 appointed 43 AICC and 183 PCC observers comprising senior leaders, including state in-charges, MPs, MLAs, and former PCC presidents, to oversee the appointments and make recommendations to the party high command.

11 more officials suspended in Rs 40 crore Maharashtra crop relief scam

Agency New Delhi.

The Jalna district administration has suspended 11 revenue department officials over the alleged embezzlement of Rs 40 crore meant for crop loss compensation to farmers affected by excessive rainfall.

The scam was uncovered after farmers from Maharahtra's Ambad and Ghansawangi raised concerns about irregularities in the disbursement of relief funds.Acting on the complaints, Jalna Collector Dr. Shrikrishnanath Panchal formed a district-level committee in January to investigate the matter.

Initial findings led to the suspension of 10 talathis (village-level officers). Following deeper inquiry, 11 more officials, comprising talathis, gram sevaks and agricultural assistants, were suspended.

The list includes D.G. Kurewad, Sachin Bagul, Raju Sheikh, S.S. Kulkarni, Jyoti Kharjule, S.S. Jarwal, D.G. Chandamare, R.B. Mali, Ashish Paithankar, Sushil Jadhav and D.D. Sasane.

The administration is expanding the investigation to cover other talukas in Jalna and seven additional districts in the Marathwada region.The District Collector has assured that further action will be taken against the remaining accused employees after document verification and seeking clarifications.

Meghalaya murder case: Indore property dealer arrested for destroying evidence

Agency New Delhi

The Indore Police on Sunday arrested a property dealer, identified as Shilom James, in the Meghalaya honeymoon murder case for tampering with evidence.

Shilom allegedly disposed of a black bag belonging to the main murder accused, Sonam Raghuvanshi. The bag contained Rs 5 lakh in cash, her jewellery, a country-made pistol and her clothes -- all items were linked to the probe, the police told India Today TV.

During the course of the investigation, one of the arrested accused -- Vishal alias Vicky Chauhan, a hitman allegedly hired by Sonam to kill her husband Raja Raghuvanshi -- revealed that he had booked an online auto from his Indore residence to Sonam's hideout in the same city with a black bag containing her clothes, jewellery, Rs 5 lakh in cash, and a pistol.

IndiGo cancels Chandigarh-Lucknow flight after pilot detects technical issue

After the issue was detected, the airline ensured that all passengers were safely deboarded as a precautionary measure.

Agency New Delhi.

An IndiGo flight, 6E 146, from Chandigarh to Lucknow was cancelled on Friday after the pilot detected a technical issue during pre-flight checks.

The issue was flagged before the aircraft began taxiing. According to sources, the airline did not proceed with takeoff and all affected passengers were offered either alternate flight arrangements or a full refund.After the issue was detected, the airline ensured that all passengers were safely deboarded as a precautionary measure.

The technical glitch is being investigated by the airline's maintenance team. No injuries or emergencies were reported during the incident.

UP Man Kills Wife In Delhi Hotel, Arrested After Confessing To Cops On Call

The accused husband, Gopal Sharma (24), who ran off to his native place in Mathura, was arrested by the local police and later handed over to the Delhi Police, they said.

Agency New Delhi.

A woman was found dead in a hotel room in Delhi after her husband called the Uttar Pradesh Police, confessing to strangling his 24-year-old wife to death over suspicion of infidelity, officials said on Saturday.The accused husband, Gopal Sharma (24), who ran off to his native place in Mathura, was arrested by the local police and later handed over to the Delhi Police, they said.At around 3 am on Saturday, the Highway Police Station in Mathura called the manager of New Victoria Hotel, located in Delhi's Paharganj area, and asked him to check one of their rooms, citing information provided by Gopal, Deputy Commissioner of Police (Central) Nidhin Valsan said.Upon checking the room, hotel manager Prem Kumar

discovered a woman lying motionless on the bed. He immediately informed the local police, and a team rushed to the spot and confirmed that the woman had been strangled, he added.Initial investigation revealed that Gopal and his wife, Kriti Sharma, had checked into the hotel at 6.35 pm on June 20. At around 9 pm, the man left the hotel alone, informing the staff he was going to get food, the DCP said.However, he never returned to the hotel and instead fled to Mathura, the police said.

"Later, from Mathura, Gopal made a distress call to the 112 emergency number and claimed that he had killed his wife. Acting on the information, Mathura police traced him and detained him at the Highway Police Station. They subsequently alerted Delhi Police," the DCP added.

The accused was later handed over to Delhi Police's Paharganj police station, where he was formally arrested.

During interrogation, Gopal confessed to the crime and told investigators that he suspected his wife of having an extramarital affair, which led to a heated argument and in a fit of rage, he strangled Kriti to death, the police said.

CBI arrests Mathura resident in minors' sexual assault case

NEW DELHI. The Central Bureau of Investigation (CBI) Saturday arrested a man in Mathura in connection with a case involving the sexual assault of minors along with possession and dissemination of Child Sexual Abuse Material (CSAM).

According to the CBI, the accused has been identified as Shyam Bihari and he was arrested Saturday, who is currently in their custody.

"A case was registered suo-moto on June 17 against the accused, from Mathura, on serious allegations, including the creation, collection, storage and uploading of CSAM depicting minors in explicit sexual acts," the CBI said in a statement."The accused also possessed pornographic content involving children in violation of laws," the statement added.

Searches were conducted at the residential premises of the accused on June 19, resulting in the seizure of incriminating electronic devices.

"Subsequent forensic analysis uncovered a substantial volume of CSAM in the form of images and videos. These materials were corroborated with data from Interpol's International Child Sexual Exploitation (ICSE) database as well as Cyber Tipline Reports (CTRs) generated by Google and shared with the Indian Cyber Crime Coordination Centre (I4C), Ministry of Home Affairs," the spokesperson said.

"Investigation and analysis of electronic devices revealed the electronic content depicting minor children being raped, sexually assaulted, sexually harassed, threatened and their obscene photographs were taken by the accused in Mathura. In a swift and coordinated effort, the CBI was able to identify, locate, and rescue the minor victim children," the spokesperson said.

Pahalgam terror attack: NIA arrests two persons for sheltering terrorists at Hill Park, identities of attackers disclosed

Agency New Delhi.

The National Investigating Agency (NIA) arrested two local residents for allegedly harboring terrorists involved in the Pahalgam terror attack on Sunday. The arrest comes two months after India conducted retaliatory attacks in several areas of Pakistan and Pakistan-occupied-Kashmir.

The arrests came days after the NIA along with the Jammu and Kashmir police and central paramilitary personnel carried out raids at 32 locations in Kashmir. The raids were carried out in Shopian, Kulgam, Pulwama, Sopore and Kupwara. Several overground workers were found to be living in these areas with alleged connections with Pakistan based terror groups, Hindustan Times reported.

Provided shelter to terrorists

The accused Parvaiz Ahmad Jothar and Bashir Ahmad Jothar were residents of Batkote and Hill Park, areas of Jammu

and Kashmir respectively. The two are accused of allegedly providing food, shelter and logistical support to three armed terrorists affiliated with the banned Pakistan-based terror group Lashkar-e-Taiba(LeT), said NIA officials. They allegedly provided shelter to the terrorists in a seasonal hut (dhok) in the Hill Park area, before the attack.The NIA reported that the two accused Parvaiz and Bashir revealed the identity of the three terrorists and said that the attackers were Pakistani nationals. The two have been arrested under Section 19 of the Unlawful Activities (Prevention) Act of 1967. The NIA officials are further investigating the case.

Pahalgam attack

The Pahalgam terror attack took place on April 22. It claimed at least 26 innocent lives and injured almost 16 people in the Baisaran valley, making it one of the most horrendous attacks in the history of India. India launched "Operation Sindoor" on May 7, targeting Pakistan's terrorist bases. The Indian military hit 9 terror camps in both Pakistan and Pakistan Occupied Kashmir.

Delhi CM leads yoga on banks of Yamuna, vows clean-up

- Besides the CM, her ministerial colleagues, Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena, Mayor, and others participated in yoga sessions at various locations across the national capital.

Agency New Delhi.

Chief Minister Rekha Gupta on Saturday performed yoga on the banks of the Yamuna River on the occasion of International Yoga Day, taking a swipe at former Chief Minister Arvind Kejriwal.

She said her act aimed to highlight her administration's commitment to cleaning the river - something she alleged the AAP government failed to do despite years of promises.

Besides the CM, her ministerial colleagues, Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena, Mayor, and others participated in yoga sessions at various locations across the national capital. The Delhi government organised programmes at 11 prominent locations in the city to mark the occasion, with ministers, MLAs, and BJP MPs actively participating in the celebrations.

Speaking on the occasion, the CM emphasised that Yoga Day should not be seen as a one-day event but rather as a lifestyle choice. "A healthy citizen is the foundation of a prosperous nation," she said, reiterating that turning Delhi into the health capital of the country is a shared responsibility.

On choosing the Yamuna bank as the venue, she said, "The purpose was to show people that the cleaning work of the river is underway. Yamuna is a symbol of our faith, but the previous governments ignored it. They did not work to clean it. But in the four months that we have been in power, we have made significant efforts toward its rejuvenation."Targeting the AAP, Gupta said the previous government chose not to celebrate Yoga Day because of its association with Prime Minister Narendra Modi.

"If they associate yoga with Prime Minister Modi, what can we do? Tomorrow, he might leave his food too if it's linked to the PM. After seeing the BJP government in Delhi, he left the national capital," she remarked.The CM also spoke about the visual impact of the celebrations, saying, "Witnessing youth perform yoga on boats under the theme 'Yoga with Yamuna' was deeply inspiring. Themes like 'One Earth, One Health' unite us with purpose." She expressed happiness that, for the first time in decades, such a grand celebration was organised under the banner of the Delhi government with over 20,000 participants—a milestone event.

L-G and DDA Chairman Vinai Kumar Saxena led a session at Baansera, a 37-acre bamboo-themed park developed as a model project for Yamuna floodplain rejuvenation. Delhi Assembly Speaker Vijender Gupta took part in a yoga session at Lodhi Garden, organised by the Ayush Ministry. Education Minister Ashish Sood performed yoga at Chhatrasal Stadium and highlighted yoga's global journey since 2014. Health Minister Pankaj Kumar Singh led a session at Deen Dayal Upadhyay Park, while Environment Minister Manjinder Singh Sirsa joined the celebrations in Ashok Nagar.

NEWS BOX

Amid Iran's Retaliation Warning, A Look At US Military Bases In Middle East

Tehran. Amid tensions spiralling in the Middle East, Iran has warned of "severe consequences" for the United States after the US military joined Israeli forces to strike three nuclear sites in Iran early on Sunday. Iranian state television said "every American citizen or military personnel" in West Asia was now on Tehran's "target" after US airstrikes on Iran's Fordow, Natanz and Isfahan nuclear facilities.

Hossein Shariatmadar, a close aide of Supreme Leader Ayatollah Ali Khamenei and managing editor of the hard-line Kayhan newspaper, wrote an editorial on Sunday calling on Iranian forces to strike the US naval fleet in Bahrain and close the Strait of Hormuz for American, British, German, and French ships.

"It is now our turn to act without delay. As a first step, we must launch a missile strike on the US naval fleet in Bahrain and simultaneously close the Strait of Hormuz to American, British, German, and French ships," he wrote. Shariatmadari's editorial followed a warning from Khamenei himself, who earlier cautioned the United States of "severe consequences" for its military intervention.While Iran plans its next move, NDTV looks at key US military bases in the Middle East that could be on Iranian target as the Pentagon braced for almost-certain retaliation against American forces in the region. Across the Middle East, the US has reportedly stationed over 40,000 troops on American bases and warships in the region-- which fall under the US military's Central Command (CENTCOM). The major concentrations of US forces in the region are in Qatar, Bahrain, Iraq, Syria, Kuwait, and the United Arab Emirates (UAE).

Top Chinese University Graduate Stole Wallets To Fund 'Wanderlust' Lifestyle

WORLD. A Chinese man has been arrested by the police for stealing to fund his lifestyle of travelling around the world. The 25-year-old 'wanderlust' thief typically stole wallets full of cash and credit cards and immediately used the money to venture to exotic locations. What makes his habit of stealing more perplexing is the fact that he is a graduate from a top university in Shanghai and works in human resources at a major company in the city. The man, identified only as An, has undertaken over 120 domestic and foreign trips in the last three years, solely due to sleight of hand. Suspicion regarding his lavish lifestyle was raised as he earns only Rs 1.20 lakh (10,000 yuan) a month, which is hardly enough to cover the cost of his extravagant travel escapades, according to a report in South China Morning Post.

The local police arrested An after a man attending a job interview at his company complained that his wallet was missing. In the complaint, the man said An had been acting suspiciously and that he received a call from the bank, informing him that someone had used the credit card to buy a return air ticket to a foreign country in An's name.After apprehending An, the police officers also discovered two wallets belonging to men surnamed Zhou and Zhang at his home.“I left my wallet on the check-in counter and went to a nearby counter to pack my luggage. When I returned two minutes later, my wallet was gone. It was so incredible,” said Mr Zhang.Prior to the arrest, An was planning to fly to Africa, for which he had even received the necessary vaccines. During the police interrogation, he confessed to his crime, saying he loved travelling and showcasing the trips on social media.

Washington, New York On High Alert After US Bombs Iranian Nuclear Sites

New York.US authorities are on heightened alert following the American-led military strikes on Iranian nuclear facilities, with major cities like New York and Washington stepping up security across sensitive locations.The New York Police Department (NYPD) announced enhanced deployments to religious, cultural, and diplomatic sites throughout the city."We're tracking the situation unfolding in Iran," the department said in a post on X.

"Out of an abundance of caution, we're deploying additional resources to religious, cultural, and diplomatic sites across NYC and coordinating with our federal partners. We'll continue to monitor for any potential impact to NYC," it added.The NYPD's move comes as concerns rise over potential retaliatory threats or lone-wolf incidents inspired by the escalating conflict between Iran and the United States.In the nation's capital, the Metropolitan Police Department (MPD) issued a similar advisory.

"The Metropolitan Police Department is closely monitoring the events in Iran. We are actively coordinating with our local, state, and federal law enforcement partners to share information and monitor intelligence in order to help safeguard residents, businesses, and visitors in the District of Columbia," the department said in a statement.

While the MPD clarifid that there are currently "no known threats to the District," it confirmed an increased police presence, particularly at religious institutions."We continue to ue the public to remain vigilant and help keep our community safe," the statement added.The coordinated precautionary measures underscore the growing concern among US security agencies about the ripple effects of the military confrontation in the Middle East.Trump announced that America had bombed three nuclear sites in Iran and warned Tehran of further precision strikes unless it ended its confrontation with Israel. The targeted locations reportedly include the highly fortified Fordow, Natanz, and Esfahan nuclear facilities.Addressing a media briefing just hours after the strikes on Saturday (US time), Trump stated, "I want to congratulate the great American patriots who flew those magnificent machines tonight and all of the United States military on a operation, the likes of which the world has not seen in many many decades. Hopefully we no longer need their services in this capacity. I hope so."

Bombing Iran, Trump gambles on force over diplomacy

Trita Parsi, an outspoken critic of military action, said Trump "has now made it more likely that Iran will be a nuclear weapons state in the next five to 10 years."

WASHINGTON. For nearly a half-century the United States has squabbled with Iran's Islamic Republic but the conflict has largely been left in the shadows, with US policymakers believing, often reluctantly, that diplomacy was preferable.With President Donald Trump's order of strikes on Iran's nuclear sites, the United States -- like Israel, which encouraged him -- has brought the conflict into the open, and the consequences may not be clear for some time to come."We will only know if it succeeded if we can get through the next three to five years without the Iranian regime acquiring nuclear weapons, which they now have compelling reasons to want," said Kenneth Pollack, a former CIA analyst and supporter of the 2003 Iraq war who is now vice president for policy at the Middle East Institute.US intelligence had not concluded that Iran was building a nuclear bomb, with Tehran's sensitive atomic work largely seen as a means of leverage, and Iran can be presumed to have taken precautions in anticipation of strikes.Trita Parsi, an outspoken critic of military action, said Trump "has now made it more likely that Iran will be a nuclear weapons state in the next five to 10 years."

"We should be careful not to confuse tactical success with strategic success," said Parsi, executive vice president of the Quincy Institute for Responsible Statecraft."The Iraq war was also successful in the first few weeks but President Bush's declaration of 'Mission Accomplished' did not age well," he said.Weak point for Iran

Yet Trump's attack -- a week after Israel began a major military campaign -- came as the cleric-run state is at one of its weakest points since the 1979 Islamic revolution toppled the pro-Western shah.

Iran's main ally among Arab leaders, Syria's Bashar al-Assad, was also toppled in December.Supporters of Trump's strike argued that diplomacy was not working, with Iran standing firm on its right to enrich uranium."Contrary to what some will say in the days to come, the US administration did not rush to war. In fact, it gave diplomacy a real chance," said Ted Deutch, a former Democratic congressman who now heads the American Jewish Committee."The murderous Iranian regime refused to make a deal," he said.Top Senate Republican John Thune pointed to Tehran's threats to Israel and language against the United States and said that the state had "rejected all diplomatic pathways to peace."Abrupt halt to diplomacyTrump's attack comes almost exactly a decade after former president Barack Obama sealed a deal in which Iran drastically scaled back its nuclear work -- which Trump pulled out of in 2018 after coming into office for his first term.Most of Trump's Republican Party and Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu, who has long seen Iran as an existential threat, attacked Obama's deal because it allowed Tehran to enrich uranium at levels well beneath weapons grade and the key clauses had an end date.

At least three impacts in Israel during Iran missile attacks, 23 hurt

The Israeli police said in a statement that they had been deployed to at least two other impact sites, one in Haifa in the north and another in Ness Ziona, south of Tel Aviv.

JERUSALEM. Three areas of Israel including coastal hub Tel Aviv were hit Sunday morning during waves of Iranian missile attacks, with at least 23 people injured, according to rescue services and police.Several buildings were heavily damaged in the Ramat Aviv area in Tel Aviv, with holes torn in the facades of apartment blocks."Houses here were hit very, very badly," Tel Aviv mayor Ron Huldai told reporters at the scene. "Fortunately, one of them was slated for demolition and reconstruction, so there were no residents inside."Those who were in the shelter are all safe and well. The damage is very, very extensive, but in terms of human life, we are okay."The Israeli police said in a statement that they had been deployed to at least two other impact sites, one in Haifa in the north and another in Ness Ziona, south of Tel Aviv.A public square in a residential area of Haifa was left strewn with rubble and surrounding shops and homes have been heavily damaged, AFP photos showed.Eli Bin, the head of Israeli rescue service Magen David Adom, told reporters that a total of 23 people had been wounded nationwide in the attacks, with "two in moderate condition and the rest lightly injured."Two waves of missiles were launched at Israel from around 7:30 am (0430 GMT), the Israeli military said.Sirens rang across the country, with air defences activated shortly afterwards, causing loud explosions heard in Tel Aviv and Jerusalem.Israeli police reported "the fall of weapon fragments" in a northern area encompassing the port of Haifa, where local authorities said emergency services were heading to an "accident site".Reporting on missile strikes is subject to strict military censorship rules in Israel, but at least 50 impacts have been officially acknowledged nation-wide and 25 people have been killed since the war began with Iran on June 13, according to official figures.

Tel Aviv, the southern city of Beersheba and the northern port of Haifa have been the three areas most frequently targeted by Iran.Israel's sophisticated air defences have intercepted more than 450 missiles along with around 1,000 drones, according to the latest figures from the Israeli military.

Here's how Iran could retaliate after US strikes on its nuclear program

WORLD. Iran has spent decades building multi-tiered military capabilities at home and across the region that were at least partly aimed at deterring the United States from attacking it. By entering Israel's war, the U.S. may have removed the last rationale for holding them in reserve.

Thet could mean a wave of attacks on U.S. forces in the Middle East, an attempt to close a key bottleneck for global oil supplies or a dash to develop a nuclear weapon with what remains of Iran's disputed program after American strikes on three key sites.

A decision to retaliate against the U.S. and its regional allies would give Iran a far larger target bank and one that is much closer than Israel, allowing it to potentially use its missiles and drones to greater effect. The U.S. and Israel have far superior capabilities, but those haven't always proven decisive in America's recent history of military interventions in the region.

Ever since Israel started the war with a suprise bombardment of Iran's military and nuclear sites on June 13, Iranian officials from the supreme leader on down have warned the U.S. to stay out, saying it would have dire consequences for the entire region.

It should soon be clear whether those were empty threats

or a grim forecast.

Here's a look at what Iran's next move might be.

Targeting the Strait of Hormuz

The Strait of Hormuz is the narrow mouth of the Persian Gulf, through which some 20% of all oil traded globally passes, and at its narrowest point it is just 33 kilometers (21 miles) wide. Any disruption there could send oil prices soaring worldwide and hit American pocketbooks.Iran boasts a fleet of fast-attack boats and thousands of naval mines that could potentially make the strait impassable, at least for a time. It could also fire missiles from its long Persian Gulf shore, as its allies, Yemen's Houthi rebels, have done in the Red Sea.

The U.S., with its 5th Fleet stationed in nearby Bahrain, has long pledged to uphold freedom of navigation in the strait and would respond with far superior forces. But even a relatively brief firefight could paralyze shipping traffic and spook investors, causing oil prices to spike and generating international pressure for a ceasefire.

Israeli strikes on Iran killed 865 people, wounded 3,396 others, says human rights group

DUBAI. Israeli strikes on Iran have killed at least 865 people and wounded 3,396 others, a human rights group said Sunday.The Washington-based group Human Rights Activists offered the figures, which covers the entirety of Iran.It said of those dead, it identified 363 civilians and 215 security force personnel being killed.Human Rights Activists, which also provided detailed casualty figures during the 2022 protests over the death of Mahsa Amini, crosschecks local reports in the Islamic Republic against a network of sources it has developed in the country.

Iran has not been offering regular death tolls during the conflict and has minimized casualties in the past.On Saturday, Iran's Health Ministry said some 400 Iranians had been killed and another 3,056 wounded in the Israeli strikes.Meanwhile, Israel's Airport Authority announced Sunday it was closing the country's airspace to both inbound and outbound flights in the wake of the US. attacks on Iranian nuclear sites.The agency said it was shutting down air traffic 'due to recent developments' and did not say for how long.The US struck three sites in Iran early Sunday, inserting itself into Israel's war aimed at destroying the country's nuclear programme in a risky gambit to weaken a longtime foe despite fears of a wider regional conflict.Iran said there were ?no signs of contamination? at its nuclear sites at Isfahan, Fordo or Natanz after U.S.airstrikes targeted the facilities.

Iranian state media quoted the country's National Nuclear Safety System Centre, which published a statement saying its radiation detectors had recorded no radioactive release after the strikes.

"There is no danger to the residents living around the aforementioned sites," the statement added.Earlier Israeli airstrikes on nuclear sites similarly have caused no recorded release of radioactive material into the environment around the facilities, the International Atomic Energy Agency has said.

Decoding Tehran’s next move: How Iran could respond to US military strikes

Iran’s potential retaliation could range from closing the Strait of Hormuz to direct and proxy strikes on US bases in the Persian Gulf, along with broader asymmetric tactics.

WORLD. Israel and the US are drawing West Asia closer to another prolonged conflict, after fresh American air strikes on Iran intensified an already volatile regional crisis.US President Donald Trump on Sunday announced that the military had carried out air strikes targeting Iran's main nuclear enrichment facilities -- Fordow, Natanz, and Isfahan -- and warned of more attacks to come if Tehran chooses to retaliate.The fresh US military entanglement comes despite Trump’s promises to avoid another "forever war" in the Middle East, while Iran has vowed to retaliate against US forces in the region if Washington gets involved.Tehran’s potential retaliation, likely to involve both direct and proxy attacks through the Axis of Resistance, could include attempts to block the Strait of Hormuz and target US military bases across the Middle East.The Strait of Hormuz, a narrow maritime corridor between Iran and Oman’s Musandam Peninsula, is one of the world’s most critical oil transit routes, carrying more than 20% of global daily oil supplies. Only around 33 kilometres wide at its narrowest point, the strait connects the Persian Gulf to the Gulf of Oman and the Arabian Sea.In 2024, nearly 20 million barrels of oil passed through it each day, though that number has remained flat in 2025, according to the US Energy Information Administration.Iran has previously threatened to close the Strait of Hormuz in response to Western sanctions and pressure. At one point, Tehran warned it could deploy up to 6,000 naval mines in the waterway -- a tactic aimed at trapping US warships inside the Persian Gulf. With limited alternative routes for oil shipments, any disruption to this strategic chokepoint could send shockwaves through global energy and trade markets.Notably, the Strait of Hormuz has long been a flashpoint in regional tensions, with cargo vessels repeatedly targeted during conflicts.During

the Iran-Iraq War (1980–1988), both countries targeted commercial shipping in what became known as the "Tanker War" -- a chapter Tehran may revisit in shaping its response this time.Iraq began striking vessels supplying Iran, later expanding attacks to oil exports. Iran retaliated by targeting ships linked to Iraq’s allies and creditors. The campaign became the most sustained assault on merchant shipping since World War II, killing hundreds of civilian seafarers, damaging numerous vessels, and causing major economic disruption. The broader risk lay in its threat to global oil supply, as the conflict jeopardised free navigation through one of the world’s most critical chokepoints.

Strikes on US bases, ships in the Gulf

The United States has maintained a wide military footprint across the Middle East and North Africa for decades, operating as many as 19 military facilities across the region.According to the Council on Foreign Relations (CFR), which cites US defence officials, around 40,000 American service members are currently deployed across the Middle East as of June 2025. A significant number of them are stationed on naval vessels patrolling regional waters.

NEWS BOX

Ill Kylian Mbappe out of second Real Madrid Club World Cup clash

PALM BEACH GARDENS. Ill Real Madrid striker Kylian Mbappe did not travel to Charlotte for the team's Club World Cup match against Pachuca, but could be back for the final group stage game, coach Xabi Alonso said on Saturday.The French superstar was taken to hospital on Thursday for tests and treatment after suffering gastroenteritis, before later being released.Mbappe is improving "bit by bit" a club source told AFP, but he did not fly with his team-mates for Sunday's match against Mexican side Pachuca.Real coach Xabi Alonso addressed the striker's condition during his pre-match press conference.

"He's doing better, he's back from the hospital and is recovering. We're optimistic about having him against Salzburg," he said.

Madrid face Salzburg in the final game of Group H on Thursday in Philadelphia.

The 26-year-old missed the opening game with the same illness as Madrid were held 1-1 by Al-Hilal in Xabi Alonso's debut as coach.

Madrid B-team player Gonzalo Garcia, 21, started in Mbappe's stead and opened the scoring for Real Madrid against their Saudi

Arabian opponents.Alonso indicated that Gonzalo would again deputise for the Frenchman."Gonzalo can do what he did the other day. He scored a goal and had three chances. Looking ahead, we'll see what happens. Having players with that sense of smell is very important. He did very well," he said.Mbappe finished as the European Golden Shoe winner in his first season at Real Madrid with 31 goals in La Liga and 43 across all competitions, but Los Blancos finished the season without a major trophy.

No fielding medals for Indian team after disappointing Leeds display: Sunil Gavaskar

Sunil Gavaskar criticised India's fielding after three dropped catches on Day 2 of the first Test against England. India's sloppy fielding allowed England to recover strongly.

New Delhi. Legendary Sunil Gavaskar was not happy about India's fielding standards on Day 2 of the first Test match against England. A sloppy Indian team put down three catches on the second day of the opening Test, failing to contain the English line-up.England made merry in conditions that were largely biased towards the batters and raced to 209 runs in just 49 overs for the loss of three wickets. India, if they had grabbed their chances, would have been in a much better position in the Test match.The Shubman Gill side made silly errors in the field. Despite Jasprit Bumrah removing Zak Crawley in the very first over, India let go of several key chances. Ravindra Jadeja dropped Ben Duckett on 15 — a rare lapse from one of India's safest fielders — while other half-chances and edges went begging throughout the session. Duckett and Ollie Pope capitalised fully, putting together a 122-run stand that dragged England right back into the contest.ENG vs IND 1st Test Day 2 Highlights

Speaking on the broadcast after the game, an unhappy Sunil Gavaskar said that there should be no fielding medal given by T Dilip, the fielding coach, in the dressing room.

"I don't think there will be any medal given. T Dilip gives those after a match. This is what was really very, very disappointing. Yashasvi Jaiswal is a very good fielder but he hasn't been able to hold on to anything this time," Sunil Gavaskar, who was commentating, said at the close of play.India batting coach Sitanshu Kotak addressed the same issue and rued the mistakes made by the Indian team.

"Those dropped catches and the no-ball were definitely disappointing. Usually, we're sharper in the field. But as a support staff and team, we take it as one of those unfortunate days — not the norm. Overall, we bowled well barring a few loose patches. There was something in the wicket, and we tried to make the most of it," Kotak said in the post-match press conference.

At the end of Saturday's play, England were only 262 runs behind India's 471-run total in the first innings.

Daniil Medvedev defeats old rival Alexander Zverev to reach Halle Open final, Bublik awaits

It's Medvedev's fourth consecutive win over Zverev and it extended his lead to 13-7 in their head-to-head series.

HALLE. Daniil Medvedev ended home favorite Alexander Zverev's hopes of grass-court glory with a 7-6 (3), 6-7 (1), 6-4 win in their Halle Open semifinal on Saturday.

Medvedev recovered from squandering three match points on Zverev's serve at 5-6 in the second set and took nearly 3 hours to get past his old rival and reach his first final in 15 months."I could have done much better when I had the break in the second but it is normal," Medvedev said. "The same happened in the third set that when I had the break, he started playing better, returning better. I am happy that in the third set I managed to stay more composed and managed to save those break points."It's Medvedev's fourth consecutive win over Zverev and it extended his lead to 13-7 in their head-to-head series.he Russian player will face Alexander Bublik — who beat top-ranked Jannik Sinner in the second round — in Sunday's final.Bublik, the 2023 champion, fired 18 aces as he defeated Karen Khachanov 4-6, 7-6 (5), 6-4 in the other semifinal.Medvedev hasn't played a final since March 2024, when he lost to Carlos Alcaraz at Indian Wells.Zverev, who had been bidding to reach the Halle final for the third time, will have to wait for his first title on grass.

Inter Milan strike late to beat Urawa Reds at Club World Cup

SEATTLE. Valentin Carboni struck the winning goal in stoppage time as Inter Milan came from behind to beat Urawa Red Diamonds 2-1 on Saturday and knock the Japanese team out of the Club World Cup.Ryoma Watanabe got an early opening goal for Urawa Reds, who were backed by a noisy contingent of their supporters at Lumen Field in Seattle.

But captain Lautaro Martinez had got Inter's equaliser in their 1-1 draw with Monterrey of Mexico in their first match at the tournament, and he repeated the trick to level matters here with 12 minutes to go.Carboni, the 20-year-old

Argentine who had not made an appearance for Inter in more than two years, then appeared in the 92nd minute to give the Italians the victory.

"Our opponents play with their hearts and to counter that as a team we need to play with more pride, be humble and know how to suffer," Martinez told broadcaster DAZN after Inter were made to work for the victory.

The result leaves Cristian Chivu's team in a good position to now go and qualify for the last 16, while a second defeat in as many matches means Urawa Reds are eliminated."Our emotion is very bad after this game. We are out of the tournament so now we can only fight in the last game to achieve our one and only win," said their Polish coach Maciej Skorza.

Winners of the Asian Champions League in 2023, Urawa Reds were aiming to bounce back from a 3-1 loss against River Plate in their opening game and they went in front in the 11th minute.Takuro Kaneko made te goal with a good run down the right before his low cross was swept home first-time by Watanabe.Martinez hit the crossbar from a header for Inter soon after, and it looked as if the UEFA Champions League runners-up might slip to a shock defeat when Henrikh Mkhitaryan missed the target from a good position in the second half.But they got the leveller in the 78th minute when a Nicolo Barella corner from the left was deftly turned in by Martinez, who scored with an overhead kick as he fell back the way.

Jon Jones, UFC legend, retires before highly anticipated fight against Tom Aspinall

New Delhi. Jon Jones, a legend in mixed martial arts, has retired and interim heavyweight champion Tom Aspinall has been elevated to the undisputed title holder, UFC president and CEO Dana White said Saturday."Jon Jones called us last night and retired," White said during a press conference in Azerbaijan, where UFC Fight Night was held. "Jon Jones is officially retired. Tom Aspinall is the heavyweight champion of the UFC."Jones, who turns 38 on July 19, has compiled a 28-1 record (11 TKOs) in capturing UFC titles at light heavyweight and heavyweight. He was in line for a highly anticipated unification bout with Aspinall,

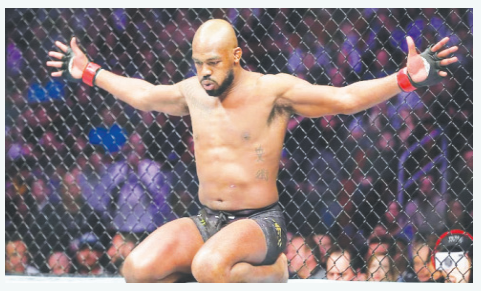

32, who became the UFC's interim heavyweight champion in November 2023 when an injured Jones couldn't fight.Englishman Aspinall (15-3 MMA, 11 TKOs, 1 K0, 8-1 UFC) posted a message on Instagram after White's announcement.

"For you fans. It's time to get this heavyweight division going," wrote Aspinall, 32. "An active undisputed champion."Jones last fought on Nov. 16, 2024, winning by a third-round TKO over Stipe Miocic. Jones has won six consecutive bouts since a no contest with Daniel Cormier on July 29, 2017.White's announcement countered Jones' own words on Thursday when he appeared on the "Full Send" podcast."I don't want to say that I'm retired because fighting's in my blood," Jones said on the podcast, per multiple media reports. "Right now, I could really care less about fighting. I've been doing it my whole life at a very high level and when the itch comes back -- and if it comes back -- then I'll do it with my whole heart, do it to the best of my abilities.""I think I will fight again. Where the future of combat sports is going, it's going to be amazing when I pop back up."

Jones has had a checkered history out of the octagon, where he became the youngest UFC title holder at age 23 with a win over Mauricio Rua for the 205-pound crown.

Bumrah is world's best, extremely hard to face when he comes in down hill with lights on: Ben Duckett

LEEDS. Jasprit Bumrah is undoubtedly the world's best bowler and extremely hard to face when he "comes in down the hill with lights on and swinging both ways", feels England opener Ben Duckett after the India pace spearhead tormented the host batters in the opening Test here.Bumrah (3/48) was exceptional, grabbing all the England wickets that fell on Day 2, including that of the dangerous Joe Root.

England, though, recovered from the early loss of opener Zak Crawley (4) to end the day on 209 for 3 in reply to India's first innings total of 471.One-down Ollie Pope was holding fort on unbeaten 100 with England still trailing by 262 runs.

"He (Bumrah) is the best bowler in the world. He's extremely hard to face, good in any conditions, and when he's coming in down the hill with the lights on and it's swinging both ways, it's tough," Duckett said after play on Day 2 Saturday."His ability to bowl three or four different balls with no cue -- you don't know if he's bowling a bouncer, or a slow ball, a yorker, an away-swinger or an inswinger until it comes out of his hand. You've got to watch the ball so hard with him, it's very difficult to pick up Jasprit."

Pope survived Bumrah onslaught to lead the England fightback and hit his ninth Test ton under trying conditions, and Duckett said the one-drop batter "stayed true to the way he plays".He (Pope) was just so calm coming out. He probably couldn't come out in tougher conditions, with Jasprit Bumrah

running down the hill with the lights on. I don't know what's inside his head, but he's just stayed true to the way he plays," said Duckett who made 62 before becoming Bumrah's second victim.

"There's no better feeling than that, scoring a hundred against that attack, coming out in the first over. You could see it in the way he celebrated, and it didn't just mean a lot to him, it meant a huge amount in the dressing room as well. I had goosebumps for him."

Bumrah (3/48) was exceptional, grabbing all the England wickets that fell on Day 2, including that of the dangerous Joe Root.

There was speculation about Pope's place in the team despite his 171 in the one-off Test against Zimbabwe last month, but the century under pressure and against a fiery Bumrah may silence the sceptics for a while at least."We're very good at keeping things in the dressing room, but obviously you can hear the noise from outside of it. There's noise outside the dressing room but there's no noise in it. We're not having discussions about who's going to play," said Duckett.

"It seemed pretty clear coming into this Test match that if a bloke scores 171 a few weeks ago he's going to play this one. The way Pope has dealt with that has just been superb and just sums up and proves why he's England's No 3 and doing the things that he's doing."

Rishabh Pant is unique in many ways, let him be that only: Ex-players after his somersault goes viral

Pant was involved in a horrific car accident in 2022, which left him grievously injured. To perform a somersault like that after undergoing several surgeries is indeed awe-inspiring.

LEEDS. Swashbuckling India batter Rishabh Pant's perfect somersault after smashing a breathtaking century in the first Test against England has caught the fancy of his legion of fans, while former players felt the acrobatic act that has since gone viral was a statement of his "unique" ways.Pant hit an entertaining 178-ball 134, his seventh Test ton, as India amassed 471 against England under new skipper Shubman Gill on Day 2 of the opening Test here on Saturday.Former India head coach Ravi Shastri said Pant probably had been doing gymnastics from a very young age."Nothing wrong in that. That's him. Let him be. You know, he's different. At a very young age, he did a lot of gymnastics," said the cricketer-turned-commentator.

"Even if I might have tried it, I think I might have... (but) it would have been to go into the pool," Shastri joked in a video posted by BCCI.Pant was involved in a horrific car accident in 2022, which left him grievously injured and his return to professional cricket is one of the most heartwarming stories in sport.To perform a somersault like that after undergoing several surgeries is indeed awe-inspiring."Rishabh being Rishabh, he does something unique. He does it really well. I think it was unique. No one expected him to do that. I've never tried it. I'll need a lot of practice because that is something if you haven't tried, you can't do it," said India batter Cheteshwar Pujara.Former India cricketer Dinesh Karthik said he was in awe of Pant, as the wicketkeeper-batter was made of a different stuff."Neither could I do the somersault like him, nor can I bat like him. I think on both fronts (keeping and batting) he has exceeded expectations. It's quite an effort to do that, actually. And he does it consistently," said Karthik, himself a wicketkeeper-batter."When I was very young, my parents did make me participate in gymnastics and I did try and I was an utter failure at that. So, let's just leave it there because he (Pant) is doing it so much nicer when he celebrates it," added Karthik."I think I've never seen anything like that in my life. With pads on as well. Amazing," said an English fan.

World Music Day 2025: Top 10

Shreya Ghoshal

Songs For Your Spotify Playlist

With over 3,000 songs recorded across 20 languages and more than 150 awards, including 5 National Film Awards, she is regarded as India's Number 1 singer. Can you guess who we are talking about? She is our very own Shreya Ghoshal. Her exceptionally melodious voice and versatile singing have made her a fan favourite, solidifying her position as a leading figure in Indian playback singing.As we celebrate World Music Day today, June 21, let's take a look at her iconic songs that you must add to your Spotify playlist.

Yeh Ishq Haaye

Don't call yourself a Shreya Ghoshal fan if you haven't heard this beautiful track from Imtiaz Ali's Jab We Met. Shreya's melodious voice and Kareena Kapoor's charm made this song a big hit and still remains fans' top choice.

Agar Tum Mil Jaao

If men have got Arijit Singh to recover from heartbreak, women, you have Shreya Ghoshal. This classic heartache song is brought to life by the singer's emotive, nuanced performance; she helps the listener feel each pulse of separation and hope.

Manwa Laage

The romantic track from the film Happy New Year was picturised on Deepika Padukone and Shah Rukh Khan. It is known for its soulful melody and heartfelt lyrics, which capture the essence of love and longing.

Teri Ore

Teri Ore, from Akshay Kumar and Katrina Kaif's Singh Ki Kinng, spreads the emotion of discovering love and happiness after a period of grief and searching. It depicts the experience of being guided towards a better future and emotional fulfillment.

Tum Kya Mile

Shreya Ghoshal and Arijit Singh's duet from the film Rocky aur Rani Kii Prem Kahaani was among the most loved romantic tracks in recent times. It features Ranveer Singh and Alia Bhatt.

Dil Dooba

If you're looking for an upbeat party track to dance with your partner, then this iconic anthem should have to be on your list. Shreya collaborated with singer Sonu Nigam for his peppy number and it turned out to be a big hit.

Mere Dholna

Shreya showcased her singing prowess in this classical-based Bollywood song in the film Bhool Bhulaiyaa. The song's intricate classical melodies and challenging high notes are handled with apparent ease by Shreya, highlighting her technical skill and emotional range.

Dola Re Dola

Shreya Ghoshal's rendition of Dola Re Dola from the film, Devdas was highly praised and loved by audiences. Her voice perfectly captured the innocence required for the song and the character of Paro in the film. Kavita Krishnamurthy and KK also lent their vocals to the track.

Bahara

The track from the film, I Hate Luv Stories, is recognised for its beautiful tune and passionate interpretation by Shreya Ghoshal and Sona Mohapatra.

Ankita Lokhande Expresses Her Eternal Love For Dance: 'My Language Since Birth'

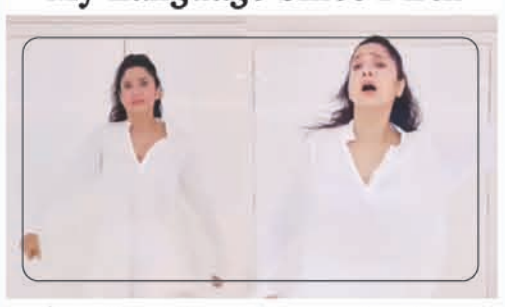

Ankita Lokhande shares a deep love for dance and has showcased her dancing skills in various shows like Jhalak Dikhhla Jaa. Now, the actress expressed her love for the art form, stating that it has been an integral part of her life and the one name that first ignited the passion within her is Madhuri Dixit. Taking to Instagram, Ankita shared a video of herself depicting effortless dance moves to Shah Rukh Khan's popular romantic track Mere Naam Tu from the film Zero.

Sharing the video, she wrote in the caption, "Dance has been my language since birth — a gift from the universe, not taught but felt. This is my way of expressing every emotion."

Ankita highlighted how Madhuri Dixit's words from the romantic dance drama, Dil To Pagal Hai, deeply resonated with her. She added, "Ever since I saw Dil Toh Pagal Hai, Madhuri Ma'am's words lived in me — 'Maya sirf apne liye nachti hai.' And I felt it deep within. Dance is my truth, my magic. Main Maya hoon… sirf apne liye nachti hoon.' And that's my happiness."

In no time, the comment section was flooded with reactions from fans and admirers. An Instagram user mentioned, "Treat with an eye to watch you always." One of them wrote, "Brilliant performance, Gorgeous Ankita." Another person shared, "Wow so cute and sweet di."

Ankita participated in Jhalak Dikhhla Jaa Season 4 along with choreographer Nishant Bhat. The duo ended up in the 5th position. Apart from this, she made a special appearance in Dance Deewane 4.On the work front, Ankita is winning hearts with her culinary talent and hilarious punchlines in the cooking-based reality show, Laughter Chefs: Unlimited Entertainment Season 2. In the show, she is paired with her husband, Vicky Jain.

Ahan Shetty, Varun Dhawan Get 'Lost' In Pune. Here's What They Did Next

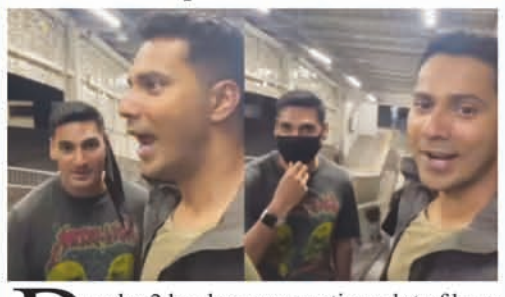

Border 2 has been generating a lot of buzz even as the team is in the filming stage. The third schedule has begun at the National Defence Academy in Pune with Diljit Dosanjh, Ahan Shetty, Varun Dhawan and others shooting together. While the team is following a tough schedule, they have also taken some time out to roam around in the city. But Varun and Ahan's city adventures took an interesting turn when they found themselves lost in the night.Ahan and Varun shared a video where they appeared stranded at the Pune metro station. In the clip, both Ahan and Varun along with other crew members tried to find their way back to the hotel. Recently, Varun Dhawan and others have been sharing exclusive glimpses of the shoot diaries on social media. A day back Varun posted a picture with the team and wrote, "Can't wait for this one" Earlier, Sunny Deol uploaded a snapshot from the film's set, which included himself, Varun Dhawan, Diljit Dosanjh and Ahaan Shetty. Director Anurag Singh, producers Nidhi Dutta and Bhushan Kumar, and co-producers Shiv Chanana and Binoy Gandhi. In the caption, he wrote, "When all 'Forces' Come together! #BORDER2. Diljit Dosanjh & Ahan Shetty join Sunny Deol and Varun Dhawan as the battalion kicks off the 3rd schedule at Pune's National Defence Academy!"

Border 2 production had officially begun in December 2024, and the filmmakers had informed fans on social media. The makers shared a picture of the clap stick and penned, "The cameras are rolling for Border 2! With Sunny Deol, Varun Dhawan, Diljit Dosanjh and Ahan Shetty leading the charge, this Anurag Singh directorial, powered by cinematic legends Bhushan Kumar, JP Dutta and Nidhi Dutta promises action, drama, and patriotism like never before. Mark your calendars: Border 2 hits theaters on Jan 23, 2026!"

Border 2 is the follow-up to the 1997 blockbuster Border, which was based on the Battle of Longewala during the 1971 India-Pakistan war. The original film starred Sunny Deol, Suniel Shetty, Jackie Shroff, and Akshaye Khanna, among others. The film, produced by T-Series and JP Dutta's JP Films, is set to release on January 23, 2026.

Khanzaadi

Has A Special Message For 'Everyone Who Showed Up' On Birthday

Khanzaadi, also known as Firoza Khan, celebrated her birthday on June 19 with a heartfelt celebration surrounded by close friends from the industry. The rapper, who rose to fame with her fierce performances and signature style, gave fans a peek into her special day through a series of warm and vibrant posts on Instagram.

The intimate bash saw the presence of several well-known faces, including Ankita Lokhande, Shiv Thakare, Isha Malviya, Karan Veer Mehra, filmmaker Nishank Swami, Tablespoon Films founder Zubin Khan, and Dilwale actress Chetna Pande, among others.

The celebration began with a touching cake-cutting moment. In the video leading the carousel, Khanzaadi is seen slicing into a chocolate and vanilla cake while her friends cheer her on with the birthday song. Ankita Lokhande, standing close by, shared a warm embrace with the birthday girl, capturing the affection between the two.The party table was adorned with thoughtful details—rose bouquets, glowing candles, chocolate cupcakes topped with pink cream, and decorative photo cutouts of Khanzaadi in monochrome, all adding a personal touch to the night.

Reflecting on her journey, Khanzaadi shared a heartfelt caption, "19th June is not just my birthday—it's a reminder of how far I've come. Grateful for the love, the people who stayed, and the strength I found within. Cheers to another year of becoming."The post resonated with fans and followers, who showered her with wishes and praised her for staying grounded while continuing to shine.

She captioned the frames, revealing her gratitude for her career so far in the industry. "19th June is not just my birthday—it's a reminder of how far I've come. Grateful for the love, the people who stayed, and the strength I found within.

Cheers to another year of becoming," she wrote.In the following snaps, the birthday girl was seen posing with her friends in the various corners of her well-decorated house, showcasing how her birthday was a blast with the presence of her close ones.